शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य सरकार ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार नहीं: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 16 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-346

कट्टरपंथियों और पाकिस्तान परस्त ताकतों के आगे बांग्लादेश ने घुटने टेके

आतंकवाद और कट्टरपंथी का मुकाबला करने में बांग्लादेश का यू-टर्न

आतंकियों के खिलाफ एक्शन पर आरएबी के डीजी ने माफी मांगी

ढाका, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश सरकार ने इस्लामिक कट्टरपंथियों और पाकिस्तान परस्त ताकतों के आगे औपचारिक रूप से समर्पण कर दिया है। कट्टरपंथी तत्वों और इस्लामिस्ट आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों के लिए बांग्लादेश सरकार ने पिछले दिनों प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला कर बांग्लादेश के रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के महानिदेशक मोहम्मद शहीदुर रहमान से माफी मंगवाई। आरएबी के महानिदेशक ने कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

यह सार्वजनिक माफी इस बात की सनद है कि बांग्लादेश ने इस्लामिक कट्टरपंथियों और पाकिस्तान परस्त ताकतों के आगे घुटने टेक दिए हैं।

बांग्लादेश में इस्लामी कब्जे के बीच, आरएबी के शीर्ष नेतृत्व ने आतंक और हिंसक उग्रवाद से लड़ने के अपने रिकॉर्ड के लिए माफी मांगकर सबको चौंका दिया। बांग्लादेश की सत्ता पर इस्लामिक कट्टरपंथियों के कब्जे के चार महीने बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दहाव में रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के महानिदेशक ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। राजनीतिक तनावों से भरे बांग्लादेश में आरएबी महानिदेशक की इस माफी को आतंकवाद और उग्रवाद का मुकाबला करने में बांग्लादेश के यू-टर्न का स्पष्ट संदेश माना जा रहा है।

आरएबी की स्थापना 2004 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के तहत देश में आतंकवाद और उग्रवाद के बढ़ने के दौरान की गई थी। इन खतरों का मुकाबला करने के लिए बनाया गया यह विशिष्ट बल जल्द ही आतंकी गतिविधियों में लगे लोगों के लिए भय का पर्याय बन गया था। आरएबी की सख्त कार्रवाइयों ने इसे आतंकवाद की व्यापक चुनौतियों का समाधान करने के लिए सशक्त बल के रूप में प्रतिष्ठा दिलाई। महानिदेशक की माफी ने इस बल की प्रतिष्ठा को तार-तार कर दिया।

आरएबी महानिदेश की माफी को मोहम्मद यूनुस की उस कार्रवाई से जोड़ कर देखा जा सकताहै, जिसमें यूनुस ने 170 उग्रवादियों और कई कुख्यात अपराधियों को बिना किसी औचित्य के जेल से रिहा कर दिया। सुरक्षा विशेषज्ञ भी यह मानते हैं कि इस रिहाई से बांग्लादेश की आंतरिक सुरक्षा खतरे में पड़ी है। इसका नतीजा यह भी निकला कि बांग्लादेश के 400 पुलिस थानों से हथियार लूटे गए और खतरनाक आतंकवादी और अपराधी जेलों से भाग गए या भगा दिए गए। ये घटनाक्रम न केवल बांग्लादेश की आंतरिक स्थिरता बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इन खतरनाक परिस्थितियों के बावजूद, न तो मोहम्मद यूनुस और न ही उनके प्रशासन ने संकट को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम उठाया है।

पिछले कुछ वर्षों में, आरएबी ने आतंकवाद से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन मोहम्मद यूनुस के प्रशासन के तहत बांग्लादेश में सुरक्षा परिदृश्य बेहद खराब हो गया, कई आतंकवादी और हाई-प्रोफाइल अपराधी कानून के चंगुल से साफ-साफ बच निकले। अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के नेता जसीमुद्दीन रहमानी की रिहाई ऐसी नीतियों से उत्पन्न जोखिमों का उदाहरण है। भारत और अन्य क्षेत्रों में जेहाद को बढ़ावा देने वाले रहमानी के वीडियो बयान का हिंसक नतीजा बांग्लादेश में घटित हुआ, जिसे दुनिया ने देखा। इन घटनाक्रमों ने मोहम्मद यूनुस के निर्णयों के परिणामों को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। इस तरह की रिहाई को रोकने में विफल रहने से बांग्लादेश ने न केवल अपनी आंतरिक सुरक्षा बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता को भी जोखिम में डाला है। पड़ोसी देश भारत इसके प्रत्यक्ष खतरों का सामना कर रहा है। वैश्विक आतंकवाद विरोधी समझौतों का उल्लंघन करने के लिए बांग्लादेशी नेतृत्व के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई की संभावना भी काफी बढ़ गई है।अमेरिकी नागरिकों पर हमलों की जिम्मेदारी लेने वाले रहमानी जैसे कुख्यात आतंकवादी की रिहाई ने बांग्लादेश को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के साथ टकराव में डाला है। डोनाल्ड ट्रंप का शासन आने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ऐसे उल्लंघनों की अनदेखी नहीं करेगा और इसका खामियाजा बांग्लादेश को भुगतना पड़ेगा। ▶10 पर

लोकसभा में आज पेश नहीं होगा एक देश एक चुनाव विधेयक

एक देश एक चुनाव कानून जरूर लाएंगे: अमित शाह

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। एक देश एक चुनाव विधेयक के सोमवार को लोकसभा में पेश होने की चर्चा थी, लेकिन अब सरकार ने इसे टाल दिया है। एक देश एक चुनाव विधेयक अब कुछ दिन बाद लोकसभा में पेश किया जा सकता है। सरकार पहले वित्तीय कार्यों को पूरा करेगी।

- **वित्तीय कार्यों को पूरा करने के बाद पेश होगा विधेयक**
- **वन नेशन वन इलेक्शन देश के लिए नई बात नहीं है**

गौरतलब है कि दो विधेयक संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, सोमवार को लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध थे। सोमवार को अब पहले अनुदानों की अनुपूरक मांगों को सदन द्वारा पारित किए जाने के बाद इस सप्ताह के अंत में विधेयक पेश किए जा सकते हैं। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी संशोधित कार्य सूची में सोमवार के एजेंडे में ये दोनों विधेयक शामिल नहीं हैं। संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को समाप्त होने वाला है।

गुरुवार को कैबिनेट ने संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2024 को मंजूरी दी थी, जिसके बाद शुक्रवार शाम को इसे सांसदों को वितरित भी कर दिया गया था। वन नेशन वन इलेक्शन बिल को संसद में पेश करने को लेकर सरकार असमंजस में है। ▶10 पर

एक देश एक चुनाव को बसपा का समर्थन

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती ने एक देश, एक चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को लखनऊ में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अगर भाजपा अगले दो से तीन दिन के अंदर एक देश एक चुनाव का बिल लाती है तो बहुजन समाज पार्टी उसका समर्थन करेगी। मायावती ने कहा कि संसद में काफी गरमा-गरम बहस चल रही है, लेकिन यह चर्चा तब सार्थक है जब जरूरतमंद और सही लोगों को उनका अधिकार मिले। मायावती ने संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संसद में चल रही चर्चा पर यह बातें कहीं। ▶10 पर

संभल, उपराष्ट्रपति और न्यायमूर्ति के प्रसंग में बोले योगी

संविधान की दुहाई देने वाले ही घोंट रहे हैं संविधान का गला

लखनऊ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की नीतियों को आईना दिखाया। शनिवार को मुंबई और रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री इन दलों पर काफी हमलावर रहे। सीएम योगी ने संभल प्रकरण, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव को लेकर विपक्ष पर हमला बोला। योगी आदित्यनाथ ने कहा, भारत की विरासत के प्रति संजीदगी से बोलने वालों को धमकी दी जाती है। सीएम ने सच को दबाने वाले और संविधान का गला घोंटने वाले ऐसे दलों के नेताओं की विकृत मानसिकता को उजागर करने की जनता से अपील की। सीएम ने से कहा, 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली?

- **किसान के बेटे का उपराष्ट्रपति बनना 'कुलीनों' को पच नहीं रहा**
- **समान नागरिक संहिता की बात कही तो जज को दे दी नोटिस**

सीएम योगी ने कहा कि कल संसद में चर्चा संविधान पर हो रही थी और मुद्दा संभल का उठ रहा था। विपक्षियों पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन्हीं के समय में 46 वर्ष पहले संभल में जिस मंदिर को बंद कर दिया गया, वह मंदिर फिर से सबके सामने आ गया और इनकी वास्तविकता को प्रस्तुत कर दिया। ▶10 पर

सार्थक संसद को निरर्थक लोगों ने सड़क छाप बना दिया

लखनऊ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसद सार्थक चर्चा और उसके सार्थक विधिक उत्पाद का केंद्र होता है। लेकिन कुछ निरर्थक लोगों ने संसद को सड़क छाप बना कर रख दिया है। लोकतंत्र में संसद से ही देश के विकास कार्यों को रफ्तार मिलती है। साथ ही कई समस्याओं का समाधान होता है। संसद के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो, सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए। संसद को ज्यादा से ज्यादा समय तक संचालित किया जाए, ▶10 पर

संसद में विपक्षियों पर बरसे भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या

कुछ लोग भारत को अपनी जागीर समझते हैं

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को लोकसभा में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने संविधान पर हमले किए उन्हें चैम्पियन बताया जा रहा है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने भारत को अपनी जागीर समझकर रखा, जबकि भाजपा ने हमेशा लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में अपनी भूमिका निभाई। सूर्या ने दावा किया कि भारत के सांस्कृतिक मूल्यों को संविधान में समाहित किया गया और संविधान निर्माताओं ने भारत की प्राचीन सभ्यता के महत्व पर जोर दिया था। तेजस्वी सूर्या ने द्रमुक के नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि द्रमुक के नेता सनातन धर्म को खत्म करने की बात करते हैं, जबकि उनके सांसद संसद में धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक नैतिकता का ज्ञान दे रहे हैं। कांग्रेस के तानाशाही रवैये पर सवाल उठाते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने भारत को ▶10 पर

नूंह में फिर हिंसा, महिला को जिंदा जला दिया

नूंह, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह जिले में फिर से हिंसा हुई है। यहां दो पक्षों के बीच हुए पथराव और मारपीट हुई। एक महिला को जिंदा जला दिया गया। हालात को देखते हुए गांव में भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है।

हरियाणा के नूंह जिला अन्तर्गत पुन्हाना थाना क्षेत्र के लहरवाड़ी गांव में पुराने विवाद ने तूल पकड़ लिया। दो पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ। विवाद के दौरान एक महिला पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। बुरी तरह झुलसने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुन्हाना पुलिस ने मामले में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। फिलहाल पुलिस सबूत जुटाकर मामले की जांच में जुट गई है। इस झगड़े और आगजनी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मृतक महिला के भाई के अनुसार, आरोपियों ने पथराव के दौरान उसकी बहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जिसमें

तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस फोर्स तैनात

उसकी बहन पूरी तरह जल गई। आग से जलने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक महिला दिव्यांग थीं। वो तलाकशुदा थी और लंबे समय से अपने पिता के घर पर ही रह रही थी। वहीं, दूसरा पक्ष इसे आत्मदाह कह रहा है। महिला की मौत के बाद गांव में तनाव है। गुरुवार को पुराने विवाद में दोनों पक्षों को जांच के लिए डीएसपी कार्यालय बुलाया गया। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। वहीं इस दौरान गांव के कुछ लोगों द्वारा आरोपियों को गांव में वापस बुलाने की मांग की गई। दोनों पक्षों में इसको लेकर तनाव बढ़ गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस की मौजूदगी में पुराने मामले (रिजवान हत्याकांड) के आरोपी पक्ष के लोग लहरवाड़ी गांव में अपने घर आए तो पीड़ित परिवार ने विरोध जताया। पुराने मामले में संलिप्त आरोपियों की पुलिस द्वारा गिरफ्तारी नहीं होने व फरार आरोपियों को गांव में ▶10 पर

बांग्लादेश में हिंदू आस्था पर कट्टरपंथियों का हमला जारी

काली प्रतिमा का सिर तोड़ा, अन्य मूर्तियों भी तोड़ीं

ढाका, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू आस्थाओं पर हमले रुक नहीं रहे। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय के लोगों लगातार हमले हो रहे हैं। ताजा घटना जमालपुर जिले के सरिसाबाड़ी उपजिला के कामराबाद यूनियन स्थित महाश्मशान काली मंदिर की है। यहां शुक्रवार 13 दिसंबर को कट्टरपंथियों ने काली मंदिर पर हमला किया। मंदिर में घुसकर कट्टरपंथियों ने काली की प्रतिमा का सिर खंडित कर दिया और मंदिर की अन्य सात मूर्तियां भी तोड़ डालीं। कट्टरपंथियों ने

चढ़ावे के गहने और पैसे लूट ले गए कट्टरंथी

मूर्ति पर धारित गहने और चढ़ावे के गहने भी लूट लिए। दानपत्र में श्रद्धालुओं द्वारा दान में दिए गए रुपए भी कट्टरपंथी लूट कर ले गए।

मंदिर के अध्यक्ष उत्तम कुमार तिवारी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। हिंसा प्रभावित मंदिर के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मंदिर पूरी तरह से अस्तव्यस्त है। तोड़फोड़ के बाद मूर्तियों को जमीन में पटक दिया गया है। अधिकतर प्रतिमाओं के सिरों को काट लिया गया है। कई के हाथों और पैरों को भी शरीर से अलग कर दिया गया है। मशहूर लेखिका तस्लीमा नसरीन ने यह वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा, ▶10 पर

मणिपुर में फिर बवाल

उपद्रवियों ने दो प्रवासी मजदूरों को मारा

इंफाल, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में पिछले लगभग डेढ़ साल से जारी हिंसा और तनाव के हालात थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आज एक बार उपद्रवियों ने फायरिंग की जिसमें दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। फायरिंग में 9 लोग घायल हुए हैं। उपद्रवियों द्वारा फायरिंग की घटनाएं कोटरूक और कडांगबंद इलाकों में हुईं। अंधाधुंध गोलीबारी ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। इसके अलावा घायल हुए 9 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घायलों में से पांच को गोली लगी है, जबकि अन्य को बम विस्फोटों से छर्रे लगे हैं। अचानक हुए इस हमले ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को दहशत में ला दिया और वे सुरक्षित इलाकों में जाने के लिए मजबूर हो गए।

गोलीबारी में मारी गई महिला का नाम सुरबाला

देवी बताया है। मृत पुरुष की पहचान नहीं हो पाई है। तनाव को कंट्रोल करने के लिए इलाके में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों को तैनात किया गया है। राज्य सरकार ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। राज्य सरकार का कहना है कि यह हमला शांतिपूर्ण स्थिति बरकरार रखने की मुहिम में एक बड़ा खलल पैदा करने की कोशिश है। पुलिस ने पूरे इलाके में लोगों की सुरक्षा का जिम्मा लेते हुए हमलावरों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने का प्लान भी बनाया है।

विश्व विख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन नहीं रहे

नयी दिल्ली/सैन फ्रांसिस्का, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व विख्यात तबला वादक और पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे।

सैन फ्रांसिस्को में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने उस्ताद के निधन की पुष्टि की है, लेकिन उनके परिवार का बयान अभी नहीं आया है।उनका जन्म नौ मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था। **(विस्तृत समाचार पृ.5 पर..)**

आदर्श जीवनशैली की पाठशाला है उपधान: आचार्य

सुशील धाम में उपधान तप प्रारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री पार्श्व सुशीलधाम में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि उपधान जीवन की वह पाठशाला है जहां प्रवचन एवं वाचना द्वारा औचित्य पालन, विनय, विवेक आदि गुणों का थियरिटिकल कोर्स कराया जाता है। सच्चा श्रावक बनने की प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी जाती है। सादगी भरा जीवन और व्यस्त दिनचर्या द्वारा आराधक, आत्मा की सच्ची संपत्ति यानी गुणों को विकसित करने में प्रयत्नशील रहते हैं। प्रति वर्ष हजारों आराधक उपधान में जुड़कर जीवन के यादगार क्षणों के साक्षी बनते हैं। उपधान तप के महत्व के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि नमस्कार महामंत्र जैसे महान मंत्र आदि गिनने का वास्तविक अधिकार 47 दिन तक गुरुकुलवास में रहकर तप, आराधना कर गुरुमुख से विधिपूर्वक ग्रहण करने पर ही प्राप्त होता है। अतः यह प्रत्येक श्रावक का अनिवार्य कर्तव्य है। उपधान द्वारा साधु भगवंतों के सान्निध्य में रहकर साधु जैसा जीवन जीने का प्रशिक्षण प्राप्त होता है। उपधान यानी कुछ दिनों तक घर-परिवार व्यापार-व्यवहार से दूर होकर सीमित संसाधनों के बीच आंतरिक आनंद की अनुभूति करने का अनोखा अनुष्ठान। साधक के जीवन में ठोस सकारात्मक परिवर्तन लाने में उपधान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उपधान प्रत्येक उम्र वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद है। बच्चों के लिए बचपन में ही संस्कारों की नीव उपधान द्वारा डाली जा सकती है। किशोरों एवं युवानों को आज के विलासी वातावरण से दूर कर सदाचार एवं सही समझ द्वारा उन्हें भटकने से बचाया जा सकता है। बड़ों को भागदौड भरी जिंदगी से दूर तनावमुक्त जीवन जीने का मौका उपधान देता है तो वरिष्ठजनों के लिए सांसारिक संबंधों की ममता और मोह को कम कर अपेक्षा रहित जीवन जीने की कला भी उपधान सिखाता है। पर्यावरण के दृष्टिकोण से देखा जाएं तो प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर उपधान के आराधक प्रदूषण से होने वाली जीवों की त्रासदी में अपनी हिस्सेदारी समाप्त कर देते हैं। सृष्टि के तमाम जीवों के जीने के अधिकार का सम्मान जैन धर्म की अहिंसा की अवधारणा में बताया गया है जिसका पालन उपधान द्वारा किया जाता है। इससे पूर्व बेंगलूरु सहित अलग अलग शहरों से आए आराधकों की उपधान में प्रवेश की विधि कराई गई। समवसरण के प्रतीक नाण के समक्ष साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका रूपी चतुर्विध संघ की साक्षी में आचार्यश्री ने सभी को पापमुक्ति की प्रतिज्ञा दिलवाई। शेष आराधकों का उपधान में प्रवेश मंगलवार को कराया जाएगा। इस अवसर पर श्री सीमांधर-शांतिसूरि जैन संघ, तीर्थ व्यवस्थापक परिवार, उपधान तप आयोजक एवं लाभार्थी परिवार, कल्याण मित्र परिवार, समर्पण परिवार के सदस्यों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उपधान आराधकों को अक्षतों से वर्धापित कर उन्हें साधना हेतु शुभकामनाएं दी।

मातृछाया जैन महिला संगठन ने लाभरुचिजी के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मातृछाया जैन महिला संगठन ने जोधपुर, राजस्थान में नवनिर्मित नवकार धाम के मुनिश्री लाभरुचिजी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि मातृछाया पिछले 26 वर्षों से मानव सेवा, जीवदया, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और मानवीय कार्यों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि संगठन की ओर से एक वृद्धाश्रम का निर्माण किया जाएगा, जो असहाय और बेसहारा लोगों के लिए आश्रय का कार्य करेगा। इस वृद्धाश्रम में आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए विशेष सुविधाओं के साथ-साथ एक गौशाला का भी निर्माण होगा। यहां के लोगों को देखभालपूर्ण और स्नेहमय वातावरण में शांति और आत्मिक संतोष का अनुभव होगा। मुनिश्री लाभरुचिजी ने कहा कि मातृछाया द्वारा किए जा रहे सेवाकार्य अत्यंत प्रशंसनीय हैं। एक सुव्यवस्थित वृद्धाश्रम वर्तमान समय की आवश्यकता है और यदि मातृछाया इस पहल का नेतृत्व करती है, तो यह निस्संदेह सम्पूर्ण मानवता के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। आज के व्यस्ततम जीवन के बावजूद, मातृछाया की महिलाएं प्रातः सूर्योदय से पूर्व उठकर सेवा कार्य के प्रति समर्पित हो जाती हैं। जब मातृछाया किसी कार्य को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित करती है, तो संगठन उसे पूर्ण सफलता के साथ पूरा करता है। संगठन के भविष्य की योजनाओं की सफलता के लिए मंगलकामनाएं। सचिव रेशमा बडोला ने जानकारी दी कि नवकार धाम में भव्य प्राण प्रतिष्ठा 19 जनवरी को मुनिश्री के सानिध्य में संपन्न होगी। संगठन की सदस्याएं वैयावच्च हेतु उपस्थित थी।

आदिचुंचनगिरि मठ और विश्व ओक्कालिगर मठ में कोई मतभेद नहीं: निर्मलानन्द स्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आदिचुंचनगिरि मठ के श्री निर्मला नन्दनाथ स्वामीजी ने कहा कि आदिचुंचनगिरि मठ और विश्व ओक्कालिगर मठ में कोई मतभेद नहीं है, दोनों मठ नाथ पंथ की तरह ही कार्य कर रहे हैं। उन्होंने मैसूरु में विश्व ओक्कालिगारा महासंस्थान मठ के परिसर में आयोजित नए पट्टाधिकार महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेते हुए यह बात कही। नए पीठासीन अधिकारी डॉ. श्रीनिश्चलानंदनाथ स्वामीजी को समुदाय की समृद्धि के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

इससे कुमार चन्द्रशेखरनाथ स्वामीजी अपनी इच्छाओं को और अधिक बल दे सकते हैं। श्री वीरभद्र चन्नमल्ला देसीकेंद्र महा स्वामीजी ने कहा कि हमारे देश की गुरु विरासत एक महान विरासत है और मठों ने एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि वह मठ के वरिष्ठ गुरुओं के मार्गदर्शन का पालन करते हुए अपनी चार दशकों की सेवा को आगे बढ़ाना चाहते हैं और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं।

समारोह में श्री नंजवदुता महा स्वामीजी, विनय गुरुजी, विधायक रमेश, पंचलिंगैया, मरन्ना, ऑडिटर नागराज, बी. कृष्णप्पा समेत कई नेता शामिल हुए।

दिव्यांग सेवा में समर्पित महेन्द्र सिंघी अव्वा सेवा पुरस्कार से सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिव्यांग सेवा सहित अनेक जनोपयोगी सेवा के लिए समर्पित संस्था ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर, संस्कार स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी को कर्नाटक विधान परिषद के चेयरमैन बसवराज होराट्टी द्वारा संचालित अव्वा सेवा ट्रस्ट ने इस वर्ष 2024 के लिए अव्वा सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार सहित अन्य अतिथि भी मौजूद थे। यह पुरस्कार देशपांडे नगर स्थित गुजरात भवन में आयोजित समारोह में सान्निध्य प्रदाता विजय महेश्वर संस्थान मठ, चित्तरागी के गुरु महंत स्वामी, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, ट्रस्ट के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी, मुख्य अतिथि अक्षता गोखले, ट्रस्ट के कार्यदर्शी शशि शाली के हाथों सिंघी को दिया गया।

समारोह को संचालित करते हुए अव्वा ट्रस्ट के कार्यदर्शी शशि शाली ने बताया कि सिंघी में प्रत्येक कार्य को अत्यंत अनुशासन, संयम और सच्चे समर्पण के साथ पूरा करना पारिवारिक गुण है और उन्होंने जो संगठन बनाए और खड़े किए हैं वे उनके अनूठे कार्यक्रम के प्रमाण के रूप में सफलता की ओर बढ़ रहे हैं। श्री सिद्धारूढ़ स्वामी ट्रस्ट के चेयरमैन रहते हुए सिंघी ने श्री मठ का नवीनीकरण कराया। हुब्बल्ली के अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्ध रेलवे स्टेशन का नाम श्री सिद्धारूढ़ स्वामी रेलवे स्टेशन रखवाने के प्रयास में सफलता हासिल की। रेलवे स्टेशन में नई ट्रेनों के लिए मांग कर उनको प्रारम्भ करवाया। लायंस क्लब इंटरनेशनल, कर्नाटक चैम्बर ऑफ कॉमर्स उद्यमिता संगठनों के माध्यम से लोगों के कार्य, उनके द्वारा स्थापित ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा किए जा रहे जन कल्याणकारी कार्य, समाज के लिए मूल्यवान चीजें, 55,000 से अधिक विकलांगों को मुफ्त में कृत्रिम हाथ और पैर देने में उनकी भूमिका सराहनीय है। साथ ही सिंघी गैर-सार्वजनिक कार्यों में अव्वा संस्था के साथ हाथ मिला कर सेवा कार्य करते आ रहे है। सिंघी ने संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल की स्थापना कर उसे एक मॉडल स्कूल के रूप में संचालित कर शिक्षा के प्रति अपनी अघोषित नीतिगत रुचि का परिचय दिया है। सिंघी को धीमंता पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, एन. वज्रकुमार अभिनंदन पुरस्कार, महावीर रत्न पुरस्कार, गोपाल पुरस्कार सहित अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के सह सचिव महावीर कुंदुर ने बताया कि ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी के सफलतम नेतृत्व में कई वर्षो से दिव्यांग सेवा में लगे हैं। इसी सेवा कार्य को ध्यान में रखते हुए अव्वा ट्रस्ट द्वारा महेन्द्र सिंघी को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फेडरेशन के सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि अव्वा सेवा द्वारा प्रदत्त यह पुरस्कार जैन समाज व प्रवासी राजस्थानी समाज के गौरव एवं हर्ष का विषय है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इनर व्हील क्लब बेंगलूरु विजयनगर द्वारा शनिवार को गणपति चंद्रा लेआउट बैडमिंटन एसोसिएशन खेल मैदान में महिलाओं के लिए बैडमिंटन स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। क्लब की सदस्याओं ने मुणोत को सम्मानित किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शिव गौ सेवा मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मागड़ी रोड स्थित देवासी राइका समाज भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक चले शिविर में 60 से भी ज्यादा यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। एकत्रित रक्त का संग्रहण राष्ट्रोत्थाना रुधिर संस्थान ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत एवं विशिष्ट अतिथि सुराणा संघ के अध्यक्ष महिपाल सुराणा उपस्थित थे। प्रभुपाद गौशाला के प्रमुख आनंद कृष्ण दास एवं अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। ट्रस्ट के हनुमान माली एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों एवं रक्तदाताओं का सम्मान किया। कार्यक्रम में नगिन माली, मोहनलाल गोयल, बाबूलाल माली, राकेश कुमावत, रामाकृष्ण प्रजापत, राम रतन शर्मा एवं क्षेत्र के गणमान्य उपस्थित थे।

साध्वी रतनमालाजी की गुणानुवाद सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वी वर्या श्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी एवं बहन पूज्य विद्युत प्रभा श्री जी के माताजी श्रमणीरत्ना साध्वी रतनमाला श्रीजी की गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। वयोवृद्ध साध्वी वर्या का समाधि पूर्वक देवलोक गमन 83 वर्ष की आयु में पालीताणा तीर्थ में गुरुवार को हुआ था।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने साध्वी वर्या को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सकल संघ को सांत्वना प्रदान करते हुए गुरुवर्या जी के मोकलसर के अनेक संस्मरण सुनाए तथा कुछ समय पूर्व उनके साथ हुई मुलाकात के बारे में बताया। इसके पूर्व दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, वरिष्ठ सदस्य चुन्नीलाल गुलेच्छा, राजेन्द्र गुलेच्छा ने गुरुवर्या श्रीजी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। दादावाड़ी ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि बावन वर्ष का उत्कृष्ट संयम पालन करते हुए पूज्या माताजी के आकस्मिक देवलोक गमन के समाचार सुनकर हम सभी स्तब्ध रह गए। यह समाचार सभी को अविश्वसनीय लगे।

किंतु आयुष्य कर्म की प्रधानता मानकर इस वियोग को स्वीकार करना पड़ेगा। पूज्य माताजी के सानिध्य का लाभ बसवनगुड़ी संघ को चार वर्ष पूर्व चातुर्मास में मिला था। उनके चेहरे का तेज और स्निग्ध मुस्कान अब रह रह कर याद आ रही है। पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि सिद्ध भूमि शाश्वत तीर्थ पालीताणा में दीक्षा एवं पालीताणा में ही महाप्रयाण का संयोग, निश्चय ही माताजी एक हलूकर्मी आत्मा थे। गच्छाधिपति जी ने उन्हें श्रमणीरत्ना की उपाधि प्रदान की थी।

उन्होंने उस दिन खरतरगच्छ के लिए सोने का सूर्य उगाया था जिस दिन पूज्या माताजी ने गच्छाधिपति जी एवं बहन को जिन शासन को समर्पित करके स्वयं ने भी संसार से संबंध विच्छेद किया था। मुकुलप्रभ सागर जी ने कहा कि पूज्या माताजी धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा एवं अटूट संकल्प, संयम की उत्कृष्ट साधना सरल एवं प्रेरणादाई व्यक्तित्व थे। साध्वी मुद्रांजना श्री जी ने कहा कि उनका स्वभाव प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव संघ विकास की नित्य अभिलाषा एवं उच्चतम सोच जीवन पर्यंत हमारे जीवन के आदर्श बनेंगे। गुणानुवाद सभा में खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा, जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के मंत्री ललित डाकलिया, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् की आरती जैन, युवा परिषद् के मंत्री विकास खटोड़, पवनी बाफना, भरत गटागट ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बाबूलाल मेहता, पुखराज कवाड, पारसमल पगारिया के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उडुपी सांसद ने प्रमुख राजमार्गों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा को कर्नाटक में कई प्रमुख सड़क विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि शिवमोग्गा-मेंगलूरु खंड के हिस्से एनएच-169 के माला गेट से करकला खंड को चार लेन में बदलने का काम 65 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

30 मार्च, 2022 को 177.94 करोड़ की लागत से स्वीकृत इस परियोजना के फरवरी 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी द्वारा लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए गडकरी ने राज्य में अन्य राजमार्ग परियोजनाओं की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी। उडुपी में सांसद के कार्यालय ने रविवार को इस संबंध में विवरण जारी किया। उजीरे से धर्मस्थल होते हुए पेरियाशांति तक एनएच-73 को दो लेन का बनाने, जिसमें खतरनाक हेयरपिन कर्व को हटाना भी शामिल है, को 9 जनवरी, 2024 तक 613.65 करोड़ की लागत से मंजूरी दी गई है। परियोजना अभी बोली के चरण में है।

चारमाडी गांव और नौवें हेयरपिन कर्व के बीच एनएच-73 के चारमाडी घाट खंड के लिए, मंत्री ने कहा कि पक्के कंधों के साथ सड़क को दो लेन तक चौड़ा करने (किमी 75 से किमी 86.20 तक) को 19 जनवरी, 2024 को 343.74 करोड़ की लागत से मंजूरी दी गई थी। अनुबंध 25 अक्टूबर, 2024 को दिया गया था, हालांकि निष्पादन एजेंसी की नियुक्ति अभी बाकी है। शेष खंड (किमी 86.20 से किमी 99.20 तक) के उन्नयन को 2024-25 की वार्षिक योजना में शामिल किया गया है। अगुम्बे घाट सड़क विकास के संबंध में, गडकरी ने पुष्टि की कि एनएच-169ए को पक्के कंधों के साथ दो लेन तक चौड़ा करना भी 2024-25 की वार्षिक योजना का हिस्सा है।

सदन का ध्यान भटकाने वाली सरकार

राज्य सरकार ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार नहीं: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए करीब दो साल हो गए हैं। उसने दो साल से कोई विकास नहीं किया है। लेकिन सरकार कोविड पर अंतरिम रिपोर्ट लेकर उसके आधार पर एफआईआर दर्ज करना चाहती है और सत्र में इस पर चर्चा करना चाहती है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में रविवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रेस रिपोर्ट आई है कि वह सोमवार के सत्र में मुनिरत्न, येदियुरप्पा और कोविड के मुद्दे पर चर्चा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने पूछा कि माइकल डी कुन्हा को कोविड पर अंतरिम रिपोर्ट लाने की इतनी जल्दी क्या थी?

राज्य पर शासन करने वाली यह निर्लज्ज कांग्रेस सरकार बेलगावी शीतकालीन सत्र का समय पूरी तरह से बर्बाद कर रही है। उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री समेत राज्य सरकार राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। उत्तर कर्नाटक के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार नहीं। मातृ मृत्यु पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं हैं। मुडा घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की बात कही गयी है। दूसरी ओर, ई.डी. जांच चल रही है। इसलिए

मुख्यमंत्री विचलित होकर काम कर रहे हैं। राज्य सरकार को राज्य के विकास की चिंता नहीं है। समस्याओं से भागने की कोशिश कर रहे हैं। बी वाई विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि बेल-गावी में राज्य सरकार के पुलिस द्वारा पंचमसाली समुदाय और हिंदुओं पर लाठीचार्ज किया गया। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री ने सदन में तनिक भी खेद प्रकट नहीं किया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है कि सत्ता उनकी खोपड़ी पर लटकी हुई है। ऐसा लगता है मानो राज्य सरकार इस भ्रम में है कि सत्ता शाश्वत है। मुख्यमंत्री ऐसे चल रहे हैं जैसे हाथी चलता है। उन्होंने कहा यह निश्चित तौर पर सही नहीं है। सोमवार को उत्तरी कर्नाटक पर व्यापक चर्चा होनी है। उनकी राजनीति से प्रेरित जांच और दमन से भागने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा जो भी आएगा उसका साहस के साथ सामना करेंगे। उन्होंने राज्य सरकार की गैरजिम्मेदारी को अक्षम्य अपराध बताते हुए इसकी आलोचना की। जब भाजपा की सरकार थी, जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब अनवर मणिपादी की वक्फ रिपोर्ट में कांग्रेस नेताओं के दुर्व्यवहार का विवरण था। मुझे मुख्यमंत्री के बेटे के रूप में अनवर मणिपादी के घर क्यों जाना चाहिए? उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि मैं कांग्रेस नेताओं को बचाने के लिए 150 करोड़ का ऑफर क्यों दूं। उन्होंने पूछा कि क्या इसमें कोई तर्क है? उन्होंने आपत्ति जताई कि इसे आगे लाकर सदन का समय बर्बाद करना मूर्खता की पराकाष्ठा होगी।

150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपादी को वक्फ संपत्ति अतिक्रमण की जांच को दबाने के लिए 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की। सिद्धरामैया ने मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की भी मांग की। एक्स पर एक पोस्ट में सिद्धरामैया ने यह भी दावा किया कि अनवर मणिपादी ने इस भ्रष्टाचार के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। कर्नाटक के सीएम ने एक पोस्ट में लिखा चौंकाने वाला खुलासा। भाजपा सरकार के तहत अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपादी ने खुलासा किया है कि उन्हें वक्फ संपत्ति अतिक्रमण की जांच को दबाने के लिए 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की थी। अनवर मणिपादी ने इस भ्रष्टाचार के बारे में सीधे पीएम नरेंद्र मोदी को लिखा है। अनवर मणिपादी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि बीएस येदियुरप्पा के सीएम रहने के दौरान विजयेंद्र उनके घर आए थे और वक्फ संपत्ति अतिक्रमण रिपोर्ट के बारे में चुप रहने के लिए 150 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। उन्होंने आगे कहा है कि अनवर ने विजयेंद्र को उनके घर से बाहर भेजा और इस घटना की सूचना पीएम और भाजपा अध्यक्ष को दी। सिद्धरामैया ने आगे पीएम मोदी के न खाऊंगा, न खाने दूंगा वादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस आरोप पर उनकी चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कर्नाटक के भाजपा नेताओं की भी आलोचना की और कहा कि पार्टी ने कर्नाटक को अपना एटीएम बना लिया है। उन्होंने कहा मोदी के न खाऊंगा, न खाने दूंगा के भव्य वादे का क्या हुआ? इस विस्फोटक आरोप पर उनकी चुप्पी संदेह और कई सवाल खड़े करती है।

विजयेंद्र ने समर्थकों को बैठक, सम्मेलन आदि न करने की दी हिदायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा में गुटीय राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। इसलिए उन्होंने अपने समर्थकों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोई भी बैठक, सम्मेलन और समारोह आयोजित न करें। प्रदेश अध्यक्ष के इस निर्देश का महत्व तब बढ़ गया है जब पूर्व मंत्री एम.सी.रेणुकाचार्य विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को पटखनी देने के लिए दावणगेरे में एक विशाल सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। विजयेंद्र ने अपने आधिकारिक सोशल नेटवर्क पर इस बारे में पोस्ट करते हुए कहा कि भाजपा में गुटीय राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। इस तरह से सम्मेलन आयोजित करना स्वीकार्य नहीं है। इस संबंध में यदि वे कल बैठकें और सम्मेलन करने जा रहे हैं तो उन्हें तुरंत अपनी गतिविधियां बंद करने की चेतावनी दी है। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने कहा कि सभी को विश्वास में लेने और पार्टी संगठन को और मजबूती देने के कार्यक्रम के तहत वह पार्टी के वरिष्ठों, विधायकों, पूर्व विधायकों और सभी बुजुर्गों की बैठक बुलाने जा रहे हैं। भाजपा एक परिवार की तरह है। उन्होंने अपने समर्थकों को परोक्ष रूप से स्पष्ट निर्देश दिया है कि बैठकें और समारोह नहीं किये जायेंगे। हर बैठक कार्यक्रम पार्टी के दायरे में ही होगा और पार्टी के नियमों को दरकिनार कर कोई भी गतिविधि करना पार्टी के संविधान के अनुरूप नहीं है। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि विजयेंद्र ने यह फैसला उस चेतावनी के मद्देनजर लिया है कि शनिवार को दावणगेरे में पूर्व मंत्री रेणुकाचार्य और पूर्व विधायकों की बैठक के बाद पार्टी के भीतर फिर से विवाद हो सकता है।

गृह लक्ष्मी से आने वाले पैसे के उपयोग से

बोरवेल लगा कर गदग की सास और बहू सभी के लिए बनी रोल मॉडल: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने विपक्ष को जवाब दिया है, जिन्होंने सरकार पर गृहलक्ष्मी योजना के लिए धन देकर सास-बहू में झगड़ा कराने का आरोप लगाया था।

यहां गृह कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि गृह लक्ष्मी से आने वाले पैसे के उपयोग से बोरवेल लगा कर गदग की सास और बहू सभी के लिए रोल मॉडल बन गई हैं। मुझे सास और बहू का काम देखकर बहुत खुशी हुई। विपक्षी दल यह कहकर झगड़ा कराते थे कि इस योजना का पैसा झगड़े का कारण है। उन्होंने कहा, अब सास और बहू दोनों ने अपने बचाए पैसों से बोरवेल खोदा है और रोल मॉडल बनी हैं। बोरवेल से पानी निकाला जाता है और खेती की जाती है। गदग की सास और बहू सचमुच आदर्शवादी हैं। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 2000 रुपये दिये जा रहे हैं। मंत्री ने इस बात की सराहना की कि वे इस तरह का पैसा इकट्ठा करके अच्छा काम कर रहे हैं। 26 और 27 तारीख को बेलगावी में होने वाला एआईसीसी का अधिवेशन एक ऐतिहासिक आयोजन होगा। उस समय महात्मा गांधी के नेतृत्व में एकमात्र अधिवेशन बेलगावी में हुआ था। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि उस सत्र की 100वीं वर्षगांठ के मद्देनजर दो दिनों तक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामला : पीड़ित पिता ने अपने पोते की कस्टडी के लिए गुहार लगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष, जिन्होंने हाल ही में आत्महत्या कर ली, के पिता ने रविवार को अपने पोते की कस्टडी के लिए गुहार लगाई। सुभाष के पिता पवन कुमार मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य से अपने पोते की कस्टडी सुनिश्चित करने की अपील की है। हालाँकि पवन कुमार ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें अभी भी न्याय नहीं मिला है, क्योंकि उनके पोते के नाम पर भरण-पोषण के लिए उनके खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया गया है। पवन कुमार ने कहा हमें नहीं पता कि उसने हमारे पोते को कहां रखा है। क्या उसे मार दिया गया है या वह जीवित है? हम उसके बारे में कुछ नहीं जानते।

मैं चाहता हूं कि मेरा पोता हमारे साथ रहे। मैं आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस का शुक्रिया अदा करता हूं। मुझे अभी भी न्याय नहीं मिला है, क्योंकि मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मेरे पोते के नाम पर भरण-पोषण के लिए मेरे खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया गया है। हम पीएम मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और अन्य नेताओं से अपील करते हैं कि वे सुनिश्चित करें कि मेरा पोता मेरे पास आए। एक दादा के लिए, उसका पोता उसके बेटे से ज्यादा मायने रखता है। पूरा समाज, लोग मेरे समर्थन में खड़े हैं। मृतक के भाई विकास कुमार मोदी ने भी अपने भतीजे के ठिकाने के बारे में चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मामले में दो गिरफ्तारियां अभी होनी बाकी हैं।

अभी हमारी सबसे बड़ी चिंता यह है कि हम नहीं जानते कि मेरा भतीजा (अतुल सुभाष का बेटा) कहाँ है। हम उसे पुलिस द्वारा प्रसारित तस्वीर में नहीं ढूंढ पाए। हम जानना चाहते हैं कि वह कहाँ है।

मैं इन तीनों को गिरफ्तार करने के लिए कर्नाटक पुलिस को धन्यवाद देता हूँ। दो अन्य गिरफ्तारियाँ लंबित हैं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अतुल सुभाष की मौत के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया पर उत्पीड़न का आर-ोप लगाते हुए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। कर्नाटक पुलिस ने कहा उसे हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, निकिता सिंघानिया की माँ निशा सिंघानिया और उसके भाई अनुराग सिंघानिया के रूप में पहचाने गए अन्य दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने कहा कि इस मामले के सभी तीन आरोपियों को अदालत के आदेश के अनुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बेंगलूरु के व्हाइट फील्ड डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शिवकुमार ने कहा आरोपी ए1 निकिता सिंघानिया को गुरुग्राम, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ए2 निशा सिंघानिया और आरोपी ए3 अनुराग सिंघानिया को इलाहाबाद से गिरफ्तार किया गया और उन्हें अदालत में पेश किया गया तथा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एक निजी फर्म के 34 वर्षीय उप महाप्रबंधक अतुल सुभाष ने सोमवार को अपने बेंगलूरु अपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली। उन्होंने 24 पन्नों का एक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें अपनी पत्नी और उसके रिश्तेदारों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक न्यायाधीश ने मामले का समाधान करने के लिए 5 लाख रुपये की मांग की थी।

गृहलक्ष्मी योजना से महिलाएं बन रहीं सशक्त: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुशी जताते हुए कहा कि हमारी सरकार की गृह कल्याण योजना के जरिए मिले पैसे से बोरवेल खोदकर गुजारा करने वाली सास की बातें सुनकर उन्हें खुशी हुई। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सीएम ने कहा कि गदग जिले के गजेंद्रगढ़ शहर के मालादरा ओनी की मबूबी और बहू रोशन बेगम ने हर महीने मिलने वाले पैसे को बचाकर कृषि भूमि पर एक बोरवेल खोदा है। राज्य के गरीब परिवारों को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के परियोजना के उद्देश्य के सफलता-पूर्वक पूरा होने से मुझे इस परियोजना को लागू करने में संतुष्टि महसूस हुई है। यह उन लोगों के लिए एक जवाब है, जिन्होंने आलोचना की थी कि गृहलक्षी योजना के पैसे के लिए सास-बहू के बीच लड़ाई शुरू हो जाएगी और परिवार टूट जाएंगे। उन्होंने कहा, ऐसी हजारों सफलता की कहानियां हैं जो प्रकाश में नहीं आई हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि गृहलक्ष्मी से महिलाएं सशक्त बन रही हैं।

युवक ने आत्महत्या की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के उदयवारा बोल्जे में 24 वर्षीय युवक अपने घर पर मृत पाया गया। मृतक आदित्य ने हाल ही में अपने दिवंगत मित्र सुक्षित की याद में एक क्रिकेट टीम बनाई थी, जिनकी पिछले साल एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। स्थानीय टूर्नामेंटों में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए जाने जाने वाले आदित्य ने शनिवार शाम पेरामपल्ली में एक मैच खेला था। रिपोर्ट बताती है कि सुबह 4 बजे घर लौटने के बाद उसने यह कदम उठाया। उसके दुखद निर्णय का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं हैं।

पुल पर लोहे की छड़ निकलने का वीडियो वायरल होने के बाद एनएचएआई ने भरे गड्ढे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सोशल मीडिया पर सड़क की सतह को उजागर करने वाली तस्वीरें वायरल होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तेजी से काम करते हुए थोक्कोट्टू-मेंगलूरु खंड पर नेत्रावती पुल पर बने गड्ढों को भर दिया। नेत्रावती पुल पर बने गड्ढों के कारण एक मोटर चालक का टायर फट गया। गड्ढों के कारण कार के दो टायर भी फट गए। मोटर चालक ने सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा साझा की और खराब रखरखाव के कारण इस घटना के लिए एनएचएआई को जिम्मेदार ठहराया। मोटर सवार ने अपने संदेश में अन्य वाहन उपयोगकर्ताओं से पुल पर सावधानी से वाहन चलाने का आग्रह किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया। कार्यकर्ता शशिधर शेट्टी ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सड़क कर, टोल संग्रह एकत्र करने के बावजूद सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे मोटर चालकों और वाहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़कों का रखरखाव सुनिश्चित करें। टोल गेट विरोधी होराता समिति ने जिला प्रशासन से सभी पांच राष्ट्रीय राजमार्गों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाने का आग्रह किया। हालांकि मानसून तीन महीने पहले खत्म हो गया है, लेकिन एनएचएआई ने अभी तक गड्ढों को नहीं भरा है और सर्विस रोड पर डामर नहीं लगाया है। नंथूर सर्कल में फ्लाईओवर का काम रुका हुआ है और कुलूर में एक नए पुल का काम पिछले चार सालों से रुका हुआ है। पूंजालकट्टे, गुंड्या और बीसी रोड में सड़क चौड़ीकरण कार्यों के कारण निवासियों और सड़क उपयोगकर्ताओं को अंतहीन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

समिति के संयोजक मुनीर कटिपल्ला ने जोर देकर कहा अगर जल्द से जल्द जिला स्तरीय बैठक नहीं बुलाई गई, तो पूरे जिले में एनएचएआई और जिला प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

जिप्सी चालक की लापरवाही से एक व्यक्ति की मौत महिला गंभीर रूप से घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। थोक्कोट्टू ओवरब्रिज के सामने सर्विस रोड पर शनिवार देर रात एक दुखद दुर्घटना हुई, जहां एक जिप्सी वाहन ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे सवार की मौत हो गई और पीछे बैठा सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान एलियारू पाडु संपीगे दड्डी निवासी अरुण पुजारी (43) के रूप में हुई है। घायल हेमावती एक बार में सफाईकर्मी के रूप में काम करती है। अरुण, जो कई वर्षों से कपिकाड के पास एक वाइन एंड डाइन बार में वेटर के रूप में काम कर रहा था, अपनी शिफ्ट खत्म करने के बाद अपने एक्टिवा स्कूटर पर एलियारू पाडु घर लौट रहा था। तेज गति और लापरवाही से चल रही जिप्सी के चालक ने स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे अरुण गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। हेमावती के पैर में गंभीर चोटें आईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक्टिवा स्कूटर की सीट सर्विस रोड से उछलकर हाईवे पर आ गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिप्सी चालक बहुत नशे में था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई और चालक से भिड़ गई। अरुण के परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं।

कर्नाटक कोटा विवाद

पिछड़ा वर्ग फोरम प्रमुख ने लिंगायत संत को आरक्षण से छेड़छाड़ करने पर दी चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में आरक्षण कोटा विवाद ने शनिवार शाम को गंभीर रूप ले लिया, जब पिछड़ा वर्ग जागरूकता मंच के अध्यक्ष ने कुडलसंगम पंचमसाली मठ के द्रष्टा बसव जयमृत्युंजय को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने पिछड़े वर्गों का आरक्षण कोटा छीनने की कोशिश की, तो उनके हाथ काट दिए जाएंगे। मंच की बैठक के बाद मैसूरु में मीडिया से बात करते हुए अध्यक्ष के.एस. शिवरामू ने पंचमसाली लिंगायतों द्वारा 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग को लेकर शुरू किए गए आंदोलन के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए यह बयान दिया। वर्तमान में 2ए श्रेणी के तहत विभिन्न पिछड़ी जातियों को सभी क्षेत्रों में आरक्षण मिल रहा है।

सरकार इस श्रेणी के तहत 15 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा अगर कोई हमारा आरक्षण छीनने की कोशिश करेगा, तो हम उसके हाथ काट देंगे। हम जयमृत्युंजय द्रष्टा द्वारा शुरू किए गए आंदोलन की निंदा करते हैं। वह एक राजनीतिक नेता की तरह काम कर रहे हैं। संत मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बारे में अपमानजनक बातें करते हैं। स्वामीजी होने के नाते वे किसी खास जाति के लिए काम नहीं कर सकते। वे स्वामीजी होने के योग्य नहीं हैं। उनके लिए बेहतर है कि वे संतत्व छोड़ दें। हम भगवा वस्त्र को सम्मान दे रहे हैं। आपको इसे बचाकर रखना चाहिए। आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। संत होने के नाते आप हिंसा भड़का रहे हैं। पिछड़े, वीरशैव और लिंगायत एक साथ रह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आप हमारे बीच वैमनस्य पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। शिवरामु ने कहा कि संत भाजपा की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं और वह सीएम सिद्धरामैया को हटाने की साजिश कर रहे हैं। इस घटनाक्रम से राज्य में विवाद पैदा होने की संभावना है। दूसरी ओर, शनिवार को बेलगावी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बसव जयमृत्यंजय स्वामीजी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर अपने हमले जारी रखे। पंचमसाली लिंगायत आरक्षण आंदोलन को असंवैधानिक बताकर सीएम सिद्धरामैया ने लिंगायत समुदाय के प्रति अपनी नफरत को स्पष्ट कर दिया है। सीएम ने यह भी साबित कर दिया है कि उन्हें संप्रदाय की परवाह नहीं है। उनका बयान बसवन्ना के सभी अनुयायियों का अपमान है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मांग की कि अगर वह आंदोलन को असंवैधानिक बताते हैं तो उन्हें अपने कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर और आंदोलन में भाग लेने वाले अन्य कांग्रेस विधायकों और एमएलसी को निलंबित कर देना चाहिए। संत ने कहा मैं राज्य सरकार से आग्रह करता हूं कि अम्बेडकर और संविधान का नाम लेने के बहाने आंदोलन को न भटकाया जाए। पंचमसाली लिंगायतों का प्रदर्शन मंगलवार को हिंसक हो गया, जब उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मिलने के लिए सुवर्ण विधान सौधा के अंदर घुसने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। बेलगावी में पंचमसाली लिंगायत समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि कानून सभी के लिए समान है और पंचमसाली संत ने इसका उल्लंघन किया है। पंचमसाली लिंगायतों की मांग के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा था कि पंचमसाली समुदाय को स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से संपर्क करना चाहिए। पंचमसाली लिंगायत 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग कर रहे हैं, जिसके तहत पिछड़े समुदायों को 15 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है।

सीएम सिद्धरामैया को मुसलमानों से विशेष प्रेम है: भाजपा विधायक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के भाजपा विधायक अरविंद बेलाड ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कथित तुष्टीकरण की राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें मुसलमानों से विशेष प्रेम है। सिद्धरामैया को मुसलमानों से विशेष प्रेम है और वे हमारे खिलाफ लाठीचार्ज का आदेश देते हैं। वे हुब्बल्ली में पुलिस स्टेशन को आग लगाने वाले दंगाइयों से प्यार करते हैं। वे बेंगलूरु में डीजे हल्ली और केजी हल्ली हिंसा की घटना के दंगाइयों से भी प्यार करते हैं। वे कुकर बम रखने वालों से भी प्यार करते हैं। लेकिन शांतिपूर्ण विरोध के खिलाफ कार्रवाई का आदेश देते हैं। बेलाड ने 2ए श्रेणी के तहत पंचमसाली लिंगायत के लिए आरक्षण विवाद पर यह बात कही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिद्धरामैया अन्य सभी समुदायों का आरक्षण कोटा छीनकर मुसलमानों को दे देंगे।

सिद्धरामैया झूठ बोलने में माहिर हैं। आरक्षण देने को असंवैधानिक कदम कैसे कहा जा सकता है? सिद्धरामैया को श्वेत पत्र जारी करने दें। उन्हें यह घोषणा करनी चाहिए कि वे लिंगायत, वोक्कालिगा और मराठों को आरक्षण नहीं देंगे। मुसलमानों को संविधान का उल्लंघन करते हुए आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया का मानना है कि केवल मुसलमानों की मांगें पूरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल मुसलमानों को सवाल पूछने का अधिकार दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया, हमें विश्वास नहीं है कि कांग्रेस सरकार हमें आरक्षण देगी। पंचमसाली लिंगायत प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की घटना की पूरी जिम्मेदारी सिद्धरामैया की है। उन्होंने आगे दावा किया कि सिद्धरामैया और कांग्रेस सरकार का अंतिम उद्देश्य मुसलमानों को खुश करना है। उनके मन में हिंदू समुदाय के प्रति जरा भी सम्मान नहीं है और वे भूल गए हैं कि हिंदुओं ने उन्हें वोट दिया था। सरकार को केवल मुस्लिम समुदाय की चिंता है। हम मुसलमानों के लिए काम करने वाली सरकार का विरोध नहीं कर रहे हैं। लेकिन राज्य में अन्य समुदाय भी हैं। अगर सारा फंड और आरक्षण मुस्लिम समुदाय को दिया जा रहा है, तो हम क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि कुल 36 प्रतिशत आरक्षण ओबीसी के लिए आरक्षित है, जिसमें से 23 प्रतिशत आरक्षण मुस्लिम समुदाय को दिया जाता है। उन्होंने कहा संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कोई धार्मिक आरक्षण नहीं होगा। अगर मुसलमानों को 23 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है, तो अन्य लोग कहां जाएंगे? मुस्लिम आरक्षण मराठा, वोक्कालिगा और लिंगायत को दिया जाना चाहिए।

आज से सत्र में उत्तर कर्नाटक के मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा सत्र में सोमवार से तीन दिनों तक उत्तरी कर्नाटक की समस्याओं और विकास पर विशेष चर्चा होगी। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नवनिर्वाचित विधायकों को पहले दिन बहस में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। मंगलवार को सभी विधायकों को बहस में हिस्सा लेने की इजाजत होगी और बुधवार को सरकार विशेष बहस में उत्तर कर्नाटक के विकास को लेकर जवाब देगी। उत्तर कर्नाटक के विकास पर चर्चा ऊपर शुरू हो चुकी है। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा बारिश से हुए नुकसान के बयान पर और स्पष्टीकरण देंगे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव राज्य में हाल ही में दर्ज किए गए मातृ मृत्यु पर बयान देंगे। संभावना है कि विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों ले सकते हैं।

वक्फ नोटिस के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा हो चुकी है और सरकार सोमवार को इसका जवाब देगी। सवाल-जवाब, वित्तीय कार्यवाही, कानून बनाने जैसी सरकार की आधिकारिक गतिविधियों के साथ-साथ यह विशेष चर्चा और जवाब भी सदन का ध्यान आकर्षित करेगा। बेल-गावी के सुवर्ण विधान सौधा में सत्र शुरू हुए एक सप्ताह बीत चुका है और सत्र के सिर्फ 4 दिन बचे हैं। पंचमसाली आरक्षण संघर्ष के पहले सप्ताह में पूर्व सैनिकों, विशेष बलों, अतिथि शिक्षकों सहित कई संगठनों ने अपनी समस्याओं के समाधान और मांगों को पूरा करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और सरकार पर गुस्सा दिखाया। सोमवार से फिर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। पंचमसाली आरक्षण संघर्ष अब ठंडा नहीं रहा। ग्रीन आर्मी और किसान एसोसिएशन समेत कई संगठन विरोध के लिए आगे आए हैं। यह भी आरोप लगाया गया है कि अब तक हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर सरकार की ओर से कोई आश्वासन नहीं मिला है।

हर उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था को ट्रैक करना अभी भी एक चुनौती: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु के मद्देनजर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने उच्च मातृ मृत्यु दर, चुनौतियों और मातृ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा की। उन्होंने कहा राज्य ने 70 से कम एमएमआर के सतत विकास लक्ष्य को हासिल कर लिया है, और पिछले 15 वर्षों में कर्नाटक में एमएमआर में आनुपातिक गिरावट अन्य दक्षिणी राज्यों की तुलना में अधिक है।

कर्नाटक में 2007-09 और 2018-20 के बीच एमएमआर में 109 अंकों की कमी देखी गई है। समय पर प्रबंधन और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए हर उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था को ट्रैक करना और उसकी निगरानी करना अभी भी एक चुनौती है। पिछले चार से पांच वर्षों में सी-सेक्शन की दरें भी बढ़ रही हैं, और हमने सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में इसे कम करने के उपाय किए हैं। मैं रोकथाम योग्य मातृ मृत्यु को शून्य करने के लिए एक नई नीति भी ला रहा हूं और इसे अगली कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत करूंगा। मातृ मृत्यु ऑडिट नियमित आधार पर किए गए हैं और मातृ मृत्यु की सूचना 24 घंटे के भीतर राज्य को प्रदान की जाती है। ऑडिट के आधार पर, उच्च एमएमआर और मानव संसाधन या उपकरणों की कमी वाले जिलों और ब्लॉकों की पहचान की गई है।

मृत्यु के एक सप्ताह के भीतर सुविधा-आधारित ऑडिट किया जाता है और तीन सप्ताह के भीतर समुदाय-आधारित ऑडिट किया जाता है। पूरे जिले के लिए मातृ मृत्यु का तकनीकी ऑडिट जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मासिक रूप से किया जाता है। डिप्टी कमिश्नर दो महीने में एक बार सभी मातृ मृत्यु का ऑडिट करते हैं और राज्य को एक रिपोर्ट सौंपते हैं। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस), कायाकल्प और लक्ष्य कार्यक्रमों के अनुसार, गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व, अंतर और प्रसवोत्तर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रत्येक प्रसव के लिए एस-ओपी विकसित किए गए हैं। ये अस्पतालों में माताओं के लिए आवश्यक जांच, नैदानिक प्रोटोकॉल, मानक उपचार दिशा-निर्देशों का पालन करने, जटिल मामलों का प्रबंधन करने और सुविधा नोडल अधिकारियों द्वारा मातृ एवं नवजात मृत्यु ऑडिट आयोजित करने के दिशा-निर्देशों सहित शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करने के लिए देखभाल के प्रवाह को परिभाषित करते हैं। उन्होंने कहा नियमित कैडर के तहत जिलों और तालुका अस्प-तालों और सीएचसी में अंतराल को भरने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। माँ और शिशु अस्पताल स्थापित किए गए हैं और उनके लिए अतिरिक्त मानव संसाधन आवंटित किए गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अनुबंध के आधार पर मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं में पदों को भरने में सक्षम बनाता है। राज्य कर्नाटक में सभी जिला अस्पतालों, सभी तालुका अस्पतालों के 90 प्रतिशत और सीएचसी के 50 प्रतिशत में एमसीएच विशेषज्ञ प्रदान करने में सक्षम है।

उन्होंने कहा कर्नाटक में मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए कई कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं, जिनमें केंद्र प्रायोजित जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान योजनाएँ शामिल हैं।

आज मेंगलूरु शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति रहेगी बाधित

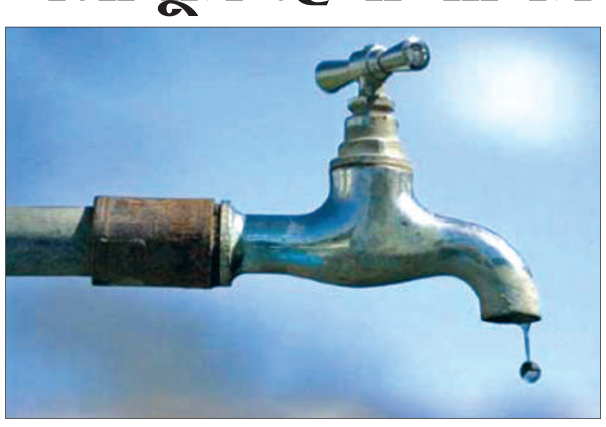

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) ने घोषणा की है कि शहर को पानी की आपूर्ति करने वाले थुम्बे पंप हाउस में मेस्कॉम द्वारा आपातकालीन मरम्मत कार्य के कारण सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित रहेगी। व्यवधान से पाडिल, मरोली, मंगलादेवी, जेप्पू, फल्निर, मुलिहितलु, बोलार, कारस्ट्रीट, मन्नागुड्डा, पांडेश्वर, स्टेट बैंक, शक्तिनगर, कन्नूर, बाजल, जा-प्पिनमोगारू, अलापे, अत्तावर, उल्लासनगर, चिलिम्बी, कोडिकल, उरवास्टोर, अशोकनगर, कुडुपु, वामनजूर, बोंडेल और मराकडा सहित कई क्षेत्र प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों के निवासियों को पहले से वैकल्पिक व्यवस्था करने की सलाह दी गई है।

भाजपा की दिलचस्पी राजनीति में है

विधानसभा सत्र के दौरान सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा नहीं कर रही भाजपा: डी के शिवकुमार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को विपक्षी भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह बेलगावी में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान राजनीति में लिप्त है और राज्य तथा इसके लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भगवा पार्टी एक विभाजित सदन है, और इसलिए वे वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करने में रुचि नहीं रखते हैं। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा भाजपा को किसी भी चर्चा में रुचि नहीं है, क्या करें? उन्हें राजनीति करने के अलावा किसी और चीज में रुचि नहीं है। उनके बीच कोई एकता नहीं है, इसलिए वे ऐसी चीजें कर रहे हैं।

महाराष्ट्र की सीमा से सटे बेल-गावी में 2006 से हर साल एक बार विधानमंडल सत्र आयोजित होता आ रहा है।

बेंगलूरु में राज्य सचिवालय विधान सौधा की तर्ज पर सुवर्ण विधान सौधा का निर्माण इस बात पर जोर देने के लिए किया गया था कि बेलगावी कर्नाटक का अभिन्न अंग है। महाराष्ट्र का दावा है कि बेलगावी और उसके आसपास के कुछ इलाके उसके हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सत्र के दौरान उत्तरी कर्नाटक से संबंधित सिंचाई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। महादयी परियोजना के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा मैंने हाल ही में इस बारे में केंद्रीय वन मंत्री (भूपेंद्र यादव) और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की थी। हमने निविदाएं आमंत्रित की हैं और चीजें तैयार हैं। जैसे ही हमें (केंद्र से) अनुमति मिलेगी, हम काम शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि जोशी और भाजपा सांसद जगदीश शेट्टर को अनुमति प्राप्त करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हमें अनुमति मिलने को लेकर कुछ हद तक भरोसा है। महादयी परियोजना एक पेयजल पहल है जिसका उद्देश्य महादयी नदी के पानी को उत्तर कर्नाटक के सूखा प्रभावित जिलों में मोड़ना है। यह पूछे जाने पर कि पिछली भाजपा सरकार के दौरान कथित तौर पर हुए कोविड-19 घोटाले के संबंध में दर्ज एफआईआर में किसी भी राजनेता का नाम क्यों नहीं लिया गया है, शिवकुमार ने कहा हमने भाजपा नेताओं पर कुछ नहीं कहा है। न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, देखते हैं क्या होता है।

सोडियम ब्लास्ट मामले में ड्रोन प्रताप के दो दोस्त गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कृषि तालाब में सोडियम विस्फोट मामले में मिदिगेशी पुलिस स्टेशन ने ड्रोन प्रताप के दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। विस्फोट का वीडियो बनाने वाले कैमरामैन विनय और सोडियम रसायन देने वाले प्रज्वल को गिरफ्तार कर लिया गया। ड्रोन ब्लास्ट प्रयोग के लिए प्रताप ने शहर के एवेन्यू स्थित एक दुकान से सोडियम खरीदा था। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस ने खोजबीन की और शनिवार देर रात दो दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य फरार है। मामले के सिलसिले में ड्रोन प्रताप को मधुगिरी की जेएमएफसी अदालत ने तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। कृषि भूमि के मालिक सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, और मिदिगेशी स्टेशन पुलिस ने एक सु मोटो मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

विश्व विख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन

नयी दिल्ली/सैन फ्रांसिस्को, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

विश्व विख्यात तबला वादक और पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे।

सैन फ्रांसिस्को में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने उस्ताद के निधन की पुष्टि की है, लेकिन उनके परिवार का बयान अभी नहीं आया है।

उनका जन्म नौ मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था।

जाकिर हुसैन को तीन ग्रैमी अवॉर्ड भी मिल चुके थे। उनके पिता का नाम उस्ताद अल्लाह रक्खा कुरैशी और मां का नाम बीवी बेगम था।

जाकिर के पिता अल्लाह रक्खा भी तबला वादक थे। जाकिर हुसैन की प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के माहिम स्थित सेंट माइकल स्कूल से हुई थी। इसके अलावा उन्होंने ग्रेजुएशन मुंबई के ही सेंट जेवियर्स कॉलेज से किया था।

जाकिर हुसैन ने सिर्फ 11 साल की उम्र में अमेरिका में पहला कॉन्सर्ट किया था। वर्ष 1973 में उन्होंने अपना पहला

एल्बम 'लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड' लॉन्च किया था।

सपाट जगह देखकर उंगलियों से धुन बजाने लगते थे उस्ताद जाकिर हुसैन। जाकिर के अंदर बचपन से ही धुन बजाने का हुनर था। वह कोई भी सपाट जगह देखकर उंगलियों से धुन बजाने लगते थे। यहां तक कि किचन में बर्तनों को भी नहीं छोड़ते थे। तवा, हांडी और थाली, जो भी मिलता उस पर हाथ फेरने लगते थे।

तबले को अपनी गोद में रखते थे जाकिर हुसैन। शुरुआती दिनों में उस्ताद जाकिर हुसैन ट्रेन में यात्रा करते थे। पैसों की कमी की वजह से जनरल कोच में चढ़ जाते थे। सीट न मिलने पर फर्श पर अखबार बिछाकर सो जाते थे। इस दौरान तबले पर किसी का पैर न लगे, इसलिए उसे अपनी गोद में लेकर सो जाते थे।

जाकिर को केवल 12 साल की उम्र में पांच रुपए मिले, जिसकी कीमत उनके जीवन में सबसे ज्यादा रही। जब जाकिर हुसैन 12 साल के थे तब अपने पिता के साथ एक कॉन्सर्ट में गए थे।

उस कॉन्सर्ट में पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान, बिस्मिल्लाह खान, पंडित शांता प्रसाद और पंडित किशन महाराज जैसे संगीत की दुनिया के दिग्गज पहुंचे थे।

जाकिर हुसैन अपने पिता के साथ स्टेज पर गए। परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद जाकिर को पांच रुपए मिले थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए कहा था,मैंने अपने जीवन में बहुत पैसे कमाए, लेकिन वो पांच रुपए सबसे ज्यादा कीमती थे।

उस्ताद जाकिर हुसैन जीवन के अंतिम समय में भी कॉन्सर्ट का हिस्सा बनते थे। देश-विदेश में उनके कार्यक्रम होते थे।

जाकिर हुसैन का सम्मान दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका भी करता था। वर्ष 2016 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें 'ऑल स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट' में भाग लेने के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया था। जाकिर हुसैन पहले इंडियन म्यूजिशियन थे, जिन्हें यह इन्विटेशन मिला था।

जाकिर हुसैन ने कुछ फिल्मों में एक्टिंग भी की है। उन्होंने 1983 की एक ब्रिटिश फिल्म हीट एंड डस्ट से डेब्यू किया था। इस फिल्म में मशहूर अभिनेता शशि कपूर ने भी काम किया था।

जाकिर हुसैन ने 1998 की एक फिल्म साज में भी काम किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट शबाना आजमी थीं। जाकिर हुसैन ने इस फिल्म में शबाना के प्रेमी का किरदार निभाया था।

जाकिर हुसैन को फिल्म मुगल ए आजम (1960) में सलीम के छोटे भाई का रोल भी ऑफर हुआ था, लेकिन पिता को उस वक्त यह मंजूर नहीं था। वह चाहते थे कि उनका बेटा संगीत पर ही ध्यान दे।

अतुल सुभाष सुसाइड केस में बेंगलुरु पुलिस का एक्शन

पत्नी निकिता सिंघानिया समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

एआई इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या कांड में उसकी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और साला अनुराग सिंघानिया को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों पर अतुल को आत्महत्या के लिए उकसाने का गंभीर आरोप है। अतुल ने कुछ दिनों पहले निकिता और उसके परिवार पर उत्पीड़न और जबरन वसूली का आरोप लगाने के बाद आत्महत्या कर ली थी।

डीसीपी व्हाइट फील्ड डिवीजन शिवकुमार के अनुसार, आरोपी निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुड़गांव से गिरफ्तार किया गया। अतुल की सास निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन पर अतुल के खिलाफ मामला वापस लेने के लिए 3 करोड़ रुपए और उसके बेटे से मिलने के अधिकार के लिए 30 लाख रुपए मांगने का आरोप है।

ये गिरफ्तारियां तब हुईं जब बेंगलुरु पुलिस ने मामले में आरोपियों का पता लगाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस से मदद लेने का फैसला किया। मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर को उनके बेंगलुरु के फ्लैट में मृत पाया गया था। अतुल सुभाष के भाई ने पत्नी निकिता, उसकी मां निशा, भाई अनुराग और चाचा सुशील सिंघानिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

अतुल सुभाष ने अपनी मौत से पहले कहा कि निकिता और उसके परिवार के सदस्यों ने उन्हें परेशान करने और गुजारा भत्ता और भरण-पोषण के तौर पर बड़ी रकम वसूलने के लिए कई मामले दर्ज किए थे। उन्होंने कहा कि निकिता ने मामले को निपटाने के लिए 3 करोड़ रुपए की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा कि कोर्ट ने उन्हें निकिता और उनके बेटे को भरण-पोषण के तौर पर हर महीने 80,000 रुपए देने को कहा था लेकिन वह इससे ज्यादा चाहती थी।

इस तरह के मामलों में महिलाओं के पक्ष में न्यायिक व्यवस्था को निशाना बनाते हुए सुभाष ने नोट में लिखा, मैं जितना ज्यादा मेहनत करूंगा और अपने काम में बेहतर होता जाऊंगा, उतना ही ज्यादा मुझे और मेरे परिवार को परेशान किया जाएगा और जबरन वसूली की जाएगी। अब मेरे जाने के बाद कोई पैसा नहीं बचेगा और मेरे बूढ़े माता-पिता और मेरे भाई को परेशान करने का कोई कारण नहीं होगा। मैंने भले ही अपना शरीर नष्ट कर दिया हो, लेकिन इसने वह सब कुछ बचा लिया है जिस पर मैं विश्वास करता हूं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव

आम आदमी पार्टी ने सभी उम्मीदवारों की घोषणा की

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी (आपा) ने रविवार को को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की चौथी व अंतिम सूची जारी कर दी है। इस सूची में 38 नामों की घोषणा की गई है। इस लिस्ट में कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं।

नई दिल्ली से एक बार फिर अरविंद केजरीवाल मैदान में उतरे हैं। साथ ही, दो सीट पर फेरबदल किया गया है। इसमें कस्तूरबा नगर से मौजूदा विधायक मदन लाल का टिकट काट कर भाजपा से आपा में शामिल हुए रमेश पहलवान को टिकट दिया गया है। उत्तम नगर से मौजूदा विधायक नरेश बालियान की पत्नी पोश बालियान को मौका दिया गया है। इसके अलावा आपा ने पांच मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। 10 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। यानी 15 फीसदी महिलाओं को जगह दी है। इस तरह आपा ने 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी ने पहली सूची में 11 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया था। दूसरी सूची में 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए थे। पार्टी ने अपनी तीसरी सूची में एक नाम की घोषणा की थी। सीएम आतिशी मारलेना कालकाजी सीट से चुनाव लड़ेंगी। ओखला से अमानतुल्लाह खान को टिकट मिला है। मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को उतारा गया है। ग्रैटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज प्रत्याशी हैं। बाबरपुर से मंत्री गोपाल राय और तिलक नगर से जरनैल सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। सत्येंद्र कुमार जैन शकूर बस्ती से, मुकेश कुमार अहलावत सुल्तानपुर माजरा से, रघुविंदर शौकीन नांगलोई जाट से, सोम दत्त सदर बाजार से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने मनीष सिसोदिया को इस बार जंगपुरा से चुनाव में उतारा है। राखी बिड़ला मादीपुर से चुनाव लड़ रही हैं। अवध ओझा पटपड़गंज से और शाहदरा से जितेंद्र सिंह शंटी चुनाव लड़ेंगे। अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर चुनाव होना है। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी हुआ नहीं है। लेकिन आम आदमी पार्टी पूरे जोश में है। यह चुनाव आपा के अस्तित्व की हिफाजत का चुनाव है। 2020 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा के खाते में 8 सीटें गई थीं, जबकि कांग्रेस के हाथ खाली रहे थे।

'हिंदी' है भारत की आत्मा और पहचान: ओम बिरला

इटावा , 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि हिन्दी भाषा भारत की आत्मा और पहचान है।

इस्लामिया इंटर कॉलेज में इटावा हिंदी सेवा निधि के 32 वें.सारस्वत सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि श्री बिरला ने रविवार को कहा कि देश या दुनिया के अंदर भाषा ही पहचान होती है। आज भी जब हम दुनिया के अंदर शासन पद्धतियों को देखते हैं तो उस समय भारत की एकता को रखने में भाषा का बड़ा महत्व है। इस अवसर पर उन्होंने देश के जाने माने कवि डॉ सुनील जोगी समेत 18 अन्य हिंदी सेवियों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि जब संविधान का निर्माण हुआ था। उस समय देश की अलग- अलग भाषा और बोली के लोग थे। उन सबने माना कि भारत में भाषाएं एकता का प्रतीक हैं। हिंदी भाषा सब को जोड़ने का काम करती है। इस लिए इसे भारत की आत्मा मानते हैं।

बिरला ने कहा कि अदालत में पहले सिर्फ अंग्रेजी में काम होता था, लेकिन अब 22 भाषाओं में काम हो रहा है।

संसद में भी हम कई भाषाओं में काम कर रहे हैं। हमने हिंदी के माध्यम से मानवीय संवादनों को व्यक्त किया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने में भाषा का और साहित्यकारों का बहुत बड़ा योगदान था। आज टेक्नोलॉजी का ज़माना है। इससे भाषा का तुरंत अदान प्रदान होता है। भारत में ऐसे लोग हुए जिनके कारण हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने का काम किया। ये समारोह इस लिए किए जाते हैं कि आने वाली पीढ़ी भाषाओं पर गर्व करें। नहीं तो आने वाली पीढ़ी गुलामी की मानसिकता बाली भाषाओं पर गर्व करेगी।

उन्होने कहा कि ये चिंता का विषय है। हम दुनिया के केंद्रों में जब द्विपक्षीय वार्ता होती है तो हमने देखा ही कि वो अपनी भाषा में बात करते है जबकि उन्हें अंग्रेजी समेत कई भाषाएं आती हैं। हमारे प्रधानमंत्री हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी का प्रयोग करते हैं। भारतीय भाषा की विविधता बहुत बड़ी है। दुनिया में भाषा सिखाने की लिए कई संस्थान काम कर रहे हैं। दुनिया के लोग हिंदी भाषा की तरफ रुचि रखते हैं। भारत के विद्वान भाषा के माध्यम से जो संवेदना झलकती तो वो भाषा के माध्यम से अपनी संस्कृति को दुनिया में पहुंचाते थे।

भारत की संस्कृति से दुनिया को संदेश दिया है कि दुनिया के अधिकतम देश के लोग धर्म अध्यात्म की शांति और समझ के लिए और कैसे इस लोग इतने बड़े देश को जोड़ने रहे हैं उसको समझने आते हैं। हमारे साहित्यकार लेखन का बहुत बड़ा योगदान है जिन्होंने भाषा के माध्यम से हिंदी को दुनिया में पहुंचाने का काम किया है। आज डिजिटल युग में भारत की भाषा का मत बढ़ गया है।

इस अवसर पर अमेठी के कवि रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, लखनऊ के प्रख्यात व्यंगकार सूर्यकुमार पांडे, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी, नैनीताल के हिंदीनिष्ठ प्रशासक डॉ. सतीश चंद्र अग्रवाल, दिल्ली के सुप्रसिद्ध गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ.सुनील प्रकाश, दिल्ली के साहित्य मनीषी कुंवर रणजीत सिंह चौहान, नई दिल्ली के लाभ प्रतिष्ठित अधिवक्ता अश्वनी मिश्रा, मुंबई के प्रख्यात संगीतकार फिल्म संपादक अमिताभ वर्मा, जापान टोक्यो के हिंदी-सेवी डॉ.राम पूर्णिमा, किशनगढ़ के साहित्य हिंदी सेवी विद्या फूलचंद शर्मा, मुजफ्फरनगर के हिंदी सेवी अंशु मौली, हरियाणा की साहित्यकार श्रीमती शारदा मित्तल, मेरठ के साहित्य मनीष श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल, फर्रुखाबाद के वरिष्ठ कवि राम अवतार शर्मा हिंदू, फर्रुखाबाद के कवि उत्कर्ष अग्निहोत्री, कानपुर के गीतकार अरुण तिवारी गोपाल, इटावा की साहित्य सेवी श्रीमती सुनीता दीक्षित और इटावा के शिक्षक कवि जमाल अंसारी को लोकभाषा अध्यक्ष ने हिंदी सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

धनखड़ ने ग्वालियर में किया देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन

ग्वालियर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर में देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम (भू-विज्ञान संग्रहालय) का आज उद्घाटन किया।

ग्वालियर के ऐतिहासिक महाराज बाड़ा पर हैरीटेज बिल्डिंग विक्टोरिया मार्केट में स्थापित अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह भी मौजूद थे। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित

रहीं।

उप राष्ट्रपति ने पट्टिका का अनावरण कर एवं म्यूजियम के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर देश के पहले अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन किया। साथ ही ग्वालियरवासियों को इस अनूठी सौगात की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।उन्होंने सभी अतिथियों के साथ म्यूजियम की विभिन्न गैलरियों में दर्शाए गए भू-विज्ञान से संबंधित चित्रों, कलाकृतियों एवं जानकारियों को देखा एवं म्यूजियम की सराहना की।

म्यूजियम के उद्घाटन के बाद उप राष्ट्रपति ने महाराज बाड़ा पर स्थित वास्तु शिल्प के उत्कृष्ट नमूनों के रूप में खड़ी ऐतिहासिक इमारतों को भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने उप राष्ट्रपति को महाराज बाड़े की इमारतों के शिल्प एवं शैलियों से अवगत कराया। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद द्वारा ग्वालियर नगर निगम के सहयोग से तैयार किए गए देश के इस पहले अत्याधुनिक एवं अद्भुत जियो साइंस म्यूजियम में पृथ्वी की उत्पत्ति, मानव जाति एवं मानव सभ्यता का विकास और ब्रम्हाण्ड से जुड़ीं अनूठी जानकारियां समाहित हैं। म्यूजियम में डायनासोर का अण्डा सहित कीमती वस्तुएं पर्यटकों को देखने के लिये उपलब्ध हैं। यह म्यूजियम भू-विज्ञान से संबंधित बच्चों से लेकर बड़ों तक की जिज्ञासाओं का समाधान उपलब्ध है। साथ ही वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह संग्रहालय ज्ञानवर्धक है।

पृथ्वी विज्ञान से संबंधित दुर्लभ भू-वैज्ञानिक नमूनों को मल्टीमीडिया डिस्प्ले के जरिए म्यूजियम में दिखाया गया है। जियो साइंस म्यूजियम में दो गैलरियों के माध्यम से भू-विज्ञान के बारे में लाइट इफेक्ट के साथ आकर्षक ढंग से जानकारी संजोई गई है। एक गैलरी में पृथ्वी के विकास को दर्शाया गया है, जिसमें उल्लेख है कि पृथ्वी अपने मूल स्वरूप में किस प्रकार आई और कौन-कौन सी चीजों से मिलकर पृथ्वी बनी है।

वर्तमान में जो पृथ्वी है, असल में वह कैसी दिखती है। पृथ्वी के भीतर लावा किस तरह से तैयार होता है और ज्वालामुखी फूटने से किस तरह पर्वतों का निर्माण होता है। यह सब जानकारियां बखूबी ढंग से संग्रहालय में दर्शायी गई हैं। यहाँ आने वाले पर्यटन भूकम्प का अनुभव भी कर सकेंगे। इसके अलावा वायु मण्डल और महासागर के बारे में भी वर्णन है। लाइट इफेक्ट और अत्याधुनिक मशीनी तकनीक से बड़े बखूबी ढंग से यह सब प्रदर्शित किया गया है।

जियो साइंस म्यूजियम की दूसरी गैलरी में मानव जाति और मानव सभ्यता के विकास को बड़े बखूबी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसमें यह भी दर्शाया गया है कि धरती पर डायनासोर की उत्पत्ति और विलुप्ति हुई। साथ ही मानव की उत्पत्ति कैसे हुई और कैसे उसका जीवनक्रम आगे बढ़ा। मानव सभ्यता की जीवन शैली में आए बदलाव का यह वर्णन भी दर्शनीय है।

जम्मू सीमा पर उस पार से फिर आए ड्रोन से ड्रग्स

जम्मू, 15 दिसंबर (ब्यूरो)।

सीमा सुरक्षा बल को सीमा पार से तस्करी के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। जम्मू के अरनिया सेक्टर में तैनात बीएसएफ के जवानों ने बीती रात पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। इसकी तलाशी के दौरान ड्रग्स बरामद किए गए। पुलिस इसकी जांच में जुटी है। बीएसएफ ने बताया कि मुस्तैद जवानों ने सीमा पार से ड्रग्स तस्करी की एक खेप को पकड़ा है। जम्मू के अरनिया सेक्टर में तैनात बीएसएफ के जवानों ने 495 ड्रग्स मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ प्रवक्ता का कहना था कि बीएसएफ के जवानों ने न केवल तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया, बल्कि सीमा पार सक्रिय राष्ट्र-विरोधी तत्वों को भी एक कड़ा संदेश दिया। यह घटना तस्करों द्वारा पारंपरिक सुरक्षा उपायों को दरकिनार करने के लिए ड्रोन के बढ़ते उपयोग को रेखांकित करती है। हालांकि, बीएसएफ के उपाय और उन्नत निगरानी तकनीक इन खतरों को प्रभावी ढंग से बेअसर करने में लगे हुए हैं। बरामद किए गए नशीले पदार्थों और ड्रोन को आगे की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया।

46 साल से बंद मंदिर खुला

शिव मंदिर में की गई आरती श्रद्धालुओं ने किया पूजा पाठ

बंद मंदिर का मुद्दा संसद में क्यों नहीं उठाता विपक्ष : योगी

संभल, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 46 साल बाद खुले मंदिर में रविवार की सुबह शिव मंदिर में आरती की गई। शनिवार को जिला पुलिस और प्रशासन द्वारा चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मंदिर खोजा गया था। 14 दिसंबर को फिर से खोले गए मंदिर के बाहर पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है। मंदिर परिसर की सफाई की गई है और बिजली की व्यवस्था की गई है। यहां सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

संभल के मुस्लिम बहुल मोहल्ले खग्गू सराय में 46 साल से ताला बंद मंदिर मिला। डीएम और एसपी ने शनिवार को अपनी देखरेख में मंदिर का दरवाजा खुलवाया। एएसपी श्रीश चंद्र और सीओ अनुज चौधरी ने अपने हाथों से मंदिर की सफाई की। इसके बाद मंदिर परिसर में बने कुएं की भी खोदाई कराई गई, जो मंदिर बंद होने के बाद पाट दिया गया था। 1978 के दंगे में हिंदुओं के पलायन के बाद से यह मंदिर बंद था। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि सूचना मिली थी कि खग्गू सराय इलाके में प्राचीन मंदिर है।

इसके बाद बंद मंदिर के ताले खुलवाए गए। संभल के जो तीर्थ और कूप विलुप्त हो चुके हैं उनको संवारने काम किया जाएगा। इलाके के लोगों का कहना है कि खग्गू सराय में 1978 से पहले तक 40 हिंदू (रस्तोगी) परिवार रहते थे। 1978 में हुए दंगे के बाद हिंदू परिवारों को यहां से भगा दिया गया था। इन परिवारों का प्राचीन शिव मंदिर है, जिसकी लंबे समय से देखभाल नहीं हो पा रही थी। विष्णु शरण रस्तोगी (82) ने बताया कि यहां उनके पुश्तैनी मकान थे और परिवार के लोग ही मंदिर में पूजन करते थे। अब प्रशासन ने इस मंदिर को फिर से आबाद कराया है। शाम को मंदिर में काफी लोगों ने पूजन भी किया।

संभल के जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा, हमें मंदिर बंद रहने की सूचना मिली थी। मंदिर काफी पुराना है। सफाई कराई गई है। कुएं की भी खोदाई कराई गई है। मंदिर

कितना पुराना है इसकी भी जांच कराई जाएगी। संभल के जो तीर्थ और कूप विलुप्त हो चुके हैं उनको संवारने की पहल की गई है।

1978 से बंद शिव मंदिर के आसपास लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था। मकानों के छज्जे से मंदिर घिरा हुआ था। प्रशासन उन छज्जों को हटवाकर मंदिर को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इससे हिंदू समाज में खुशी का माहौल है। दशकों पुराने इस मंदिर में भगवान शिव के पूरे परिवार की प्रतिमाएं हैं। इसके अलावा हनुमान जी की भी प्रतिमा है, जो पुराने जमाने के मंदिरों में दीवार पर उकेरी जाती थी।

46 साल बाद खोले गए शिव मंदिर को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कल संसद में संविधान पर चर्चा हो रही थी लेकिन मुद्दा संभल का उठ रहा था। संभल में इन्हीं के समय में 46 साल पहले जिस मंदिर को बंद कर दिया गया था, वह मंदिर फिर से सबके सामने आ गया। इनकी वास्तविकता को सबके सामने प्रस्तुत कर दिया। संभल में इतना प्राचीन मंदिर क्या रातों-रात प्रशासन ने बना दिया? क्या वहां बजरंगबली की इतनी प्राचीन मूर्ति रातों-रात आ गई?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा, अयोध्या में राम मंदिर का फैसला नहीं आता तो क्या वहां पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन पाता? क्या अयोध्या के अंदर की गलियां फोर लेन की बन पातीं? अयोध्या रेलवे की डबलिंग के साथ जुड़ पाता क्या? क्या अयोध्या की बेहतर कनेक्टिविटी हो पाती? आम जनमानस खुश है। हर व्यक्ति प्रफुल्लित है। आने वाला श्रद्धालु कृतज्ञता ज्ञापित करता है। लेकिन देश के संविधान का वास्तव में गला घोंटकर, संविधान में चोरी से सेकुलर शब्द डालने वाले लोग अपने घर में शोक मना रहे हैं। उन्हें परेशानी है कि काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प कैसे हो गया। उन्हें परेशानी है कि अयोध्या में राम मंदिर और वह इतनी दिव्य और भव्य कैसे हो गई।

सीएम योगी ने कहा, उन्हें परेशानी इस बात की है कि हमने तो दशकों तक शासन किया। लेकिन हम कुछ भी नहीं कर पाए। अपने निकम्मेपन पर हम को कोस रहे हैं। अपनी अकर्मणयता का दोष हमारी सफलता को कोसकर के दे रहे हैं और इसलिए मैं आप सबसे कहना चाहूंगा कि हम को इन सब की मानसिकता को देखना होगा। याद रखना ये कितना भी राग अलापना, कल संसद में संविधान पर चर्चा हो रही थी लेकिन बार-बार संसद में मुद्दा संभल का उठ रहा था और संभल में इन्हीं के समय में 46 साल पहले जिस मंदिर को बंद कर दिया गया वो फिर से सब के सामने आ गया। इनकी वास्तविकता को सबके सामने प्रस्तुत कर दिया।

संभल के डीएम ने एएसआई को लिखा पत्र

बंद मंदिर के कुएं और शिवलिंग की होगी कार्बन डेटिंग

संभल, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल जिला प्रशासन ने रविवार को शंकर मंदिर और वहां स्थित कुएं की कार्बन डेटिंग के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखा है। शहर में सांप्रदायिक दंगों के बाद 1978 से बंद पड़े इस मंदिर को फिर से खोला गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर में श्रद्धालु-ओं का आना शुरू हो गया है और मंदिर पर 24 घंटे सुरक्षा रखी जा रही है।

जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि यह कार्तिक महादेव का मंदिर है। यहां एक कुआं मिला है। यह अमृत कूप है। यहां स्थायी रूप से सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए गए हैं और सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए गए हैं। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां अतिक्रमण है, जिसे हटाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि मंदिर की ओर जाने वाली सभी सड़कों को सीसीटीवी कैमरों से कवर कर दिया गया है और वहां एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया जा रहा है। एसपी ने कहा, मंदिर में 24 घंटे सुरक्षा रहेगी और स्थायी पुलिस तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) के जवानों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है।

मंदिर परिसर की सफाई और बिजली की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। नगर हिंदू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी के अनुसार, यह मंदिर 1978 के बाद पहली बार खोला गया है। उपजिलाधिकारी वंदना मिश्रा ने बताया कि मंदिर की मूल संरचना को बहाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर की सफाई कर दी गई है और बिजली व्यवस्था की जा चुकी है। यह कदम अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत उठाया गया, जो केवल सार्वजनिक सम्पत्ति पर बने अवैध ढांचों के खिलाफ था। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि यह मंदिर संबंधित समुदाय को सौंप दिया जाएगा और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता

सीएम ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी दलों से मांगा सहयोग

लखनऊ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सर्वदलीय बैठक की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की मौजूदगी में हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है।

हम सभी जनप्रतिनिधि हैं, हमें जनता के मुद्दों, उनकी समस्याओं को लेकर सदन में सुचारू रूप से चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री व विधानसभा ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि सदन सार्थक चर्चा का माध्यम होता है। इससे ही प्रदेश के विकास कार्यों को रफ्तार मिलती है। साथ ही समस्याओं का समाधान होता है। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो, सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए। सदन को ज्यादा से ज्यादा समय तक संचालित किया जाए, इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान देने के लिए सभी दलों के नेताओं को भी प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, कांग्रेस विधायक अनुराधा मिश्रा मोना, जनसत्ता दल के रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, अनिल त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

महाकुंभ 2025 : महाकुंभ की भव्य तैयारियों से प्रभावित हुई विदेशी साध्वियां

महाकुंभ नगर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के पहले महाकुंभ नगर में देश के कोने कोने से आए साधुओं के अलावा विदेश से भी साधु संतों के आने का सिलसिला तेज होता जा रहा है। अखाड़ों की धर्म ध्वजा, नगर प्रवेश और कुंभ छावनी प्रवेश यात्रा की परंपरा में महाकुंभ पहुंचे इन विदेशी साधु संतों को भी महाकुंभ की नव्य व्यवस्था रास आ रही है।

प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन की तिथि जैसे जैसे निकट आ रही है महाकुंभ क्षेत्र के अखाड़ा सेक्टर में साधु संतों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। देश विदेश से साधु संतो की आवक होने लगी है। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में शामिल होने आए विदेशी संतों को महाकुंभ रास आ रहा है। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर सोम गिरी

संत हेमानंद गिरी, नेपाल

संत अंजना गिरी, स्पेन

योगमाया केको आईकावा, जापान

उर्फ पायलट बाबा की जापानी शिष्या योग माता एवं महामंडलेश्वर केको कई जापानी साध्वी के साथ छावनी प्रवेश में शामिल हुईं। उनका कहना है कि जूना अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा से आगामी महाकुंभ के आयोजन का अंदाजा लगने लगा है। एयर कनेक्टिविटी से लेकर ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था अच्छी है। नेपाल से आई महिला संत और जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर हेमा नन्द गिरी का कहना है कि संतों का सौभाग्य है कि जिस प्रदेश में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है, वहां के मुख्यमंत्री भी एक संत हैं। योगी जी की तरफ से जिस तरह भव्य और दिव्य महाकुंभ के आयोजन का संकल्प लेकर आयोजना की तैयारियां चल रही हैं उससे सनातन धर्म का प्रचार प्रसार नेपाल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में अब तेजी से हो रहा है।

प्रदेश की योगी सरकार की प्राथमिकता प्रयागराज महाकुंभ को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के साथ स्वच्छता और डिजिटलाइजेशन पर जोर दिया जा रहा है। विदेशी संत भी इससे खुश हैं। स्पेन से अखाड़ों के विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लेने आई जूना अखाड़े की अवधूत अंजना गिरी जिनका पहले नाम एंजिला था का कहना है कि पिछले 30 बरस से वह लगातार महाकुंभ अपने गुरु के साथ आती रही हैं। लेकिन इस बार महाकुंभ की अनुभूति अलग है। सैनिटेशन पर फोकस किया गया है जिससे सभी जगह स्वच्छता है। इनफॉर्मेशन भी डिजिटल प्लेटफार्म पर मिल रही हैं जिससे बाहर के देशों से आने वाले श्रद्धालुओं और टूरिस्ट के लिए आसानी हो गई है। फ्रांस से महाकुंभ में जूना अखाड़े के आयोजन में शामिल होने आए ब्रूनो गिरी कहना है कि महाकुंभ के आयोजन में वह पहले भी दो बार आए चुके हैं लेकिन इस बार शहर बदला बदला सा लगता है, उत्सव की अनुभूति होती है।

विद्यार्थी परिषद का सौहार्द आयोजन

विदेशी विद्यार्थियों को दिखाया दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

यात्रा में 15 विभिन्न देशों के 60 विद्यार्थी सम्मिलित

लखनऊ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम विश्व छात्र एवं युवा संगठन के लखनऊ अध्याय के तत्वावधान में, लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों के समूह का दुधवा राष्ट्रीय उद्यान दर्शन की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में विश्व के 15 देशों के 60 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा का शुभारंभ किया। इस यात्रा के माध्यम से विदेशी छात्र-छात्राओं को भारत की समृद्ध विरासत एवं पर्यावरणीय चिंतन के प्रति जागरूक किया गया।

विश्व छात्र एवं युवा संगठन के कार्यकर्ता भारत में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों की समस्याओं के निवारण हेतु देश के सभी प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में कार्यरत हैं। वे विभिन्न कार्यक्रमों एवं आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक विनियमन तथा पर्यावरणीय चिंतन के लिए मंच प्रदान करने और युवाओं के मन में वैश्विक सद्भाव उत्पन्न करने का कार्य कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यकर्ताओं ने विदेशी विद्यार्थियों हेतु दुधवा राष्ट्रीय उद्यान तक एक दिवसीय यात्रा आयोजित की, जिसमें 60 विदेशी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विश्व छात्र एवं युवा संगठन के प्रांत संयोजक शिवंकन ने कहा कि इस यात्रा से भारत की समृद्ध विरासत को विश्व के युवा भी जान सकेंगे और भारत के मूल में स्थित वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से परिचित होंगे। अभाविप देशभर में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत के संवर्धन एवं संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत है और आज के इस आयोजन के माध्यम से उन्हें प्रकृति संवर्धन एवं संरक्षण के महत्त्व से भी अवगत कराया जाएगा।

संभल की 4 मस्जिद और 1 मदरसे ने की 1.3 करोड़ की बिजली चोरी

संभल, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में शाही जामा मस्जिद के नीचे मंदिर होने को लेकर हुए विवाद और हिंसा के बीच जिला प्रशासन ने हैरान करने वाला दावा किया है। जिला प्रशासन ने रविवार को मीडिया को बताया कि पिछले साल इस इलाके में चार मस्जिदों और एक मदरसे द्वारा 1.3 करोड़ रुपए की बिजली चोरी की गई है। प्रशासन के मुताबिक ये मस्जिद और मदरसा उस पुराने मंदिर के नजदीक स्थित हैं जिसके बारे में शनिवार को ही पता चला था। याद दिला दें कि नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला खग्गू सराय में 46 साल से बंद पड़ा भगवान शिव का मंदिर मिला था। प्रशासन ने इस मंदिर को पूजा-अर्चना के लिए खोल दिया है। बिजली चोरी की घटनाओं की जांच के लिए पुलिस, जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश विद्युत निगम के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने संभल के दीपा सराय और नई सराय इलाकों में भी छापेमारी की। इस संयुक्त अभियान के दौरान 1.3 करोड़ रुपए की बिजली चोरी के बारे में पता चला है। संभल के डीएम राजेंद्र पेंसिया ने दावा किया था कि शनिवार को जब वह लाउडस्पीकर की जांच कर रहे थे, तब उन्होंने इस इलाके में बिजली चोरी होते हुए देखी थी। पेंसिया ने बताया कि सितंबर से अब तक बिजली चोरी से जुड़ी 1,250 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। हर साल संभल नगर पालिका क्षेत्र में करीब 300 करोड़ रुपए की बिजली सप्लाई की जाती है। यहां लाइन लॉस 72% है। सबसे ज्यादा नुकसान दीपा सराय और मिया सराय जैसे इलाकों में हो रहा है और यह करीब 85% है। पुलिस ने बताया है कि एक मस्जिद की ऊपरी मंजिल पर एक अवैध बिजली घर भी बना हुआ मिला है और यहां से इस इलाके के 100 से ज्यादा घरों को बिजली की सप्लाई की जा रही थी।

संपादकीय

नशे के खिलाफ कदम

देश में नासूर बनते नशे के खिलाफ अभियान में यदि 114 वर्षीय धावक फौजा सिंह प्रेरक पदयात्रा कर सकते हैं तो ऊर्जावान युवा-बुजुर्ग क्यों नहीं। 'नशा मुक्त-रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए। ऐसे अभियान को आंदोलन का रूप देकर इस तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह के अभियानों से हासिल उपलब्धियों का मूल्यांकन भी जरूरी है। निस्संदेह, औपचारिकताओं के निर्वहन और मीडिया में सुर्खियां बटोरना ऐसे आंदोलन का लक्ष्य तो कदापि नहीं हो सकता। राज्यपाल महोदय का यह कथन सोलह आने सच है कि इस मुद्दे पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही महिलाओं की इस आंदोलन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। निस्संदेह, नशे के नश्तर से महिलाओं को मर्मांतक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। अब चाहे पति हो या बेटा, नशे की लत लगने से पूरा परिवार ही संकट में आ जाता है। इसमें दो राय नहीं कि जब पंजाब की नारी शक्ति एकजुट होकर इस मुहिम का नेतृत्व करेगी तो पंजाब अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट सकता है। निश्चित रूप से किसी राज्य या देश की जवानी का नशे के सैलाब में डूबना राष्ट्रीय क्षति ही है। इसके लिये नशे की आपूर्ति रोकने से लेकर प्रयोग तक पर नियंत्रण की राष्ट्रव्यापी मुहिम की जरूरत है। निस्संदेह, नशे के तेजी से बढ़ते शिकंजे से न केवल असामयिक मौतों, लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ता है, बल्कि समाज में अपराधों का सिलसिला भी तेज हो जाता है। देखने में आया है कि बड़े अपराधों से लेकर चोरी छीनाझपटी की घटनाओं के मूल में नशाखोरी की भूमिका होती है। कई आपराधिक घटनाओं के मूल में उन कालेज जाने वाले छात्रों की भूमिका पायी गई है, जो नशे के लिये पैसा जुटाने के लिये अपराध की अंधी गलियों में उतर जाते हैं। यह जानते हुए भी यह रास्ता उनके जीवन को बर्बादी की राह पर ले जाता है। निश्चित रूप से समाज विज्ञानियों को भी व्यापक अध्ययन करना चाहिए कि क्यों नई पीढ़ी नशे की ओर तेजी से उन्मुख हो रही है। एक समय था कि पंजाब में आतंक फैलाने के खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये सीमा पार से नशे की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। चरमपंथियों को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिये भी इस षड्यंत्र को सुनियोजित तरीके पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों ने अंजाम दिया। हाल के दिनों में बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा से लगते भारतीय इलाकों में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों को गिराने की साजिशों पर लगाम लगायी है। निश्चित रूप से पहले कदम के रूप में सीमाओं को नशे की तस्करी से निरापद बनाने की जरूरत है। वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल उन काली भेड़ों को भी बेनकाब करने की जरूरत है जो नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। साथ ही नशे से पीड़ितों को इस दलदल से बाहर निकालने के लिये नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना और पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक उपचार देने की भी जरूरत है। निश्चित रूप से नशा पंजाब के लिये बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जिसके खिलाफ साझा लड़ाई से ही हम कामयाब हो सकते हैं। सही मायनों में यह स्थिति इस संवेदनशील सीमांत राज्य के लिये ही चुनौती नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय संकट की भी आहट है। केंद्रीय एजेंसियों व पंजाब के शासन-प्रशासन को मिलकर नशे के समूल नाश के लिये व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है।

'नशा मुक्त-रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए।

हिंदू समाज की उदारता के साथ खिलवाड़ करते हुए उसे जो घाव दिए गए हैं

संभल विवाद की वास्तविकता

डॉ राकेश कुमार आर्य

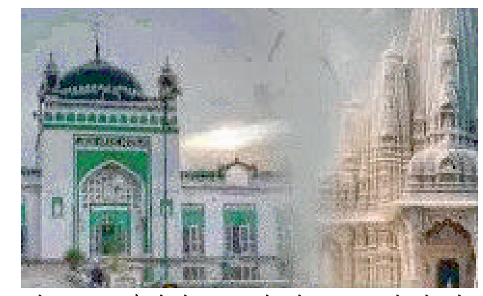

1947 में जब देश आजाद हुआ तो एक मिथक कांग्रेस की ओर से गढ़ा गया कि देश को आजाद कराने में हिंदू – मुस्लिम दोनों समुदायों का बराबर का योगदान है। यद्यपि मुस्लिम अपने लिए अलग देश लेने में सफल हो गए थे, परन्तु जो मुसलमान उस समय देश में रह गए थे, उनका तुष्टिकरण करने के लिए इस मिथक को तेजी से स्थापित किया गया। ऐसा करने से मुस्लिम समाज के देशविरोधी अराजक तत्त्वों वे सारे पाप धुल गए जो आजादी से पहले उन्होंने मुस्लिम लीग को अपना समर्थन देकर और उसके इशारे पर अनेक अवसरों पर हिंदू समाज के खिलाफ ' सीधी कार्यवाही दिवस ' जैसे नरसंहारों में भाग लिया था। फिर भी हिंदू समाज ने कांग्रेस की इस हरकत को इसलिए सहन कर लिया कि बहुत संभव है कि अब मुस्लिम समाज का कट्टरवादी तबका अपनी प्रकृति और प्रवृत्ति दोनों में सुधार करेगा , परन्तु ऐसा न तो होना था और न हुआ। वोट की राजनीति ने मामले को और भी अधिक उलझा दिया। आजादी की प्रभात में यह बात भी स्पष्ट होनी चाहिए थी कि मुस्लिम समाज ने हिंदू धर्म स्थलों पर जिस प्रकार कब्जा किया था, उन्हें हिंदू समाज को लौटा दिया जाएगा। जब हम देश में नया परिवेश बनाने के लिए कृतसंकल्पित हुए थे और देश के संविधान के माध्यम से अपना यह संकल्प व्यक्त किया था कि हम भारत की सामासिक संस्कृति के प्रति समर्पित रहेंगे तो इसका अभिप्राय यह था कि अतीत में हिंदू समाज की उदारता के साथ खिलवाड़ करते हुए उसे जो घाव दिए गए हैं, उन घावों का उपचार किया जाएगा। इसे प्रतिशोध की भावना से नहीं अपितु वैर विरोध को शांत करने के दृष्टिकोण से किया जाना अपेक्षित था। परंतु कांग्रेस की तुष्टिकरण और वोट की राजनीति के चलते ऐसी सद्भावना का परिवेश सृजित करने में राजनीतिक स्तर पर उदासीनता बरती गई। इसी का परिणाम यह हुआ कि चाहे राम जन्मभूमि हो, चाहे कृष्ण जन्म भूमि हो या वाराणसी स्थित हिंदुओं के धर्म स्थल हों या इसी प्रकार देश में अन्यत्र प्रमुख स्थानों पर हिंदुओं के धर्मस्थलों पर खड़े मुसलमानों के धर्मस्थल हों, कांग्रेस की सरकारों की ओर से उन सब पर मौन साध लेना ही उपाय मान लिया गया। कांग्रेस की सरकारों की इस प्रकार की उदासीनता की नीतियों को देखकर लोगों में भीतर ही भीतर एक बेचैनी बनी रही। जो लोग अपने धर्मस्थलों के इतिहास के बारे में गहराई से जानते थे, वे इन चीजों पर लिखा पढ़ी करते रहे या न्यायालय में जाकर अपने धर्मस्थलों को वापस लेने के लिए कार्यवाही करने लगे। जब यह सब कुछ हो रहा था तब भी कांग्रेस की सरकारें और कांग्रेस के नेता सचेत नहीं हुए और वे लोकतांत्रिक देश में हिंदू समाज के लोगों के द्वारा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किये जा रहे इन उपायों को भी उनकी कट्टरता कहकर मुसलमानों के मध्य प्रचारित करते रहे। साथ ही उनके वोट प्राप्त करने के लिए उनसे यह भी कहते रहे कि हम आपके साथ हैं और यदि कोई हिंदू या हिंदूवादी संगठन इस प्रकार की कट्टरता दिखाएगा तो उससे कानून अपने ढंग से निपटेगा। हिंदू समाज की इस बेचैनी के भाव को भारतीय जनता पार्टी ने अपने जन्म काल से ही समझा और कांग्रेस की रीति नीति के चलते जितनी अब तक हिंदू समाज की क्षति हो चुकी थी, उसकी पूर्ति के लिए उसने राजनीति को नई धार देनी आरंभ की। जिसके परिणामस्वरूप देश में नया राजनीतिक विमर्श बना और उस विमर्श का परिणाम हमने देखा कि श्री राम जन्मभूमि पर एक भव्य मंदिर खड़ा हो गया। इस घटना से प्रेरित होकर हिंदू समाज ने इतिहास को सही ढंग से पढ़ते हुए, उसकी सही परिभाषा और उसके सही तथ्य न्यायालयों के सामने लाने आरंभ किये। जिससे इस्लाम के उन कट्टरपंथी तत्वों को पसीना आने लगा जो यह भली प्रकार जानते रहे हैं कि हमने हिंदुओं के धर्मस्थलों पर ही अपने धर्मस्थलों का निर्माण किया हुआ है। इसके उपरांत भी इन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों को अपने साथ लगाए रखने के लिए नए-नए नाटक करने आरंभ किये जो इतिहास की सच्चाई से अछूते रखे गए हैं। अपने पापों को छुपाने के लिए इस्लामी कट्टरपंथी तत्व कभी किसी सनातनी धर्मस्थल में फव्वारे की कल्पना करते हुए अपनी स्थिति को हास्यास्पद बनाते हैं तो कभी किसी दूसरे बहाने से मामले को लटकाने का प्रयास करते दिखाई देते हैं। वे किसी भी स्थिति में इतिहास के सच को सामने आने देना नहीं चाहते हैं। इस्लामी कटरपंथियों की इसी प्रकार की मानसिकता का परिणाम है, संभल की मस्जिद में हुआ अभी हाल ही का विवाद। यहां पर भी संभल के जिला न्यायालय के समक्ष हिंदुओं की ओर से एक याचिका दायर कर यह दावा किया गया था कि संभल की शाही जामा मस्जिद वास्तव में शाही मस्जिद न होकर हिंदुओं का एक धर्म स्थल है, जहां पर कभी एक भव्य मंदिर हुआ करता था। इस पर समदर्शी दृष्टिकोण अपनाते हुए जिला न्यायालय ने सर्वे के आदेश पारित किये। जिसका मुस्लिम समाज ने पहले दिन से विरोध करना आरंभ कर दिया। घटनाओं ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि पहले से ही तैयारी कर ली गई थी कि यदि सर्वेक्षण टीम उक्त जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए आती है तो उसका डटकर विरोध किया जाएगा। संभल के सिविल जज के न्यायालय में विष्णु शंकर जैन की ओर से जामा मस्जिद को लेकर वाद दायर किया गया है। सारे मामले को भटकाने और मुस्लिम समाज को भड़काने के उद्देश्य से प्रेरित होकर सर्वेक्षण टीम का विरोध हिंसक ढंग से भी करने की तैयारी मुस्लिम कट्टरपंथी तत्वों ने कर ली थी। यह कहना कि जब सर्वेक्षण टीम वहां पहुंची तो मामला गरमागरम बहस से आगे बढ़कर हिंसा में परिवर्तित हो गया, तथ्यों से मुंह फेर लेने वाली बात होगी। वास्तविकता यह है कि प्रदर्शनकारियों ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए पुलिस बल पर भी हमला किया। इसके साथ ही सर्वेक्षण टीम के सदस्यों को भी उन्होंने हिंसा के माध्यम से भगाने का प्रयास किया। जिसके कारण कानून प्रवर्तन अधिकारियों को भी चोटें आई हैं और मौत भी हुई हैं। हम और आप सभी टी0वी0 चैनलों पर मुस्लिम समाज के प्रवक्ताओं को बार-बार यह कहते सुनते हैं कि मुस्लिम समाज का देश के संविधान में पूरा-पूरा विश्वास है। अब जो लोग भारतवर्ष के संविधान में अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं, क्या वह इतने भोले हैं कि वे यह नहीं जानते कि यदि कोई सर्वेक्षण टीम न्यायालय के आदेश के उपरांत आ रही है तो वह देश के संविधान द्वारा स्थापित न्यायिक प्रक्रिया का एक अंग है ? और इसका विरोध करना देश के संविधान का विरोध करने के समान है ? सच यह है कि ये लोग सभी कुछ भली प्रकार जानते हैं। देश के संविधान में बार-बार आस्था व्यक्त करना स्वयं अपनी आस्था पर प्रश्नचिह्न लगाना है। यदि इनसे ईमानदारी से यह पूछ लिया जाए कि तुम्हारी आस्था देश के संविधान के प्रति है या फिर शरीयत के प्रति है तो ऐसी स्थिति में प्रश्न का उत्तर यही आएगा कि सरिया उनके लिए पहले है। इसका अभिप्राय है कि केवल मूर्ख बनाने के लिए इस बात को बार-बार दोहराया जाता है कि हमारा देश के संविधान में पूरा-पूरा विश्वास है। इस मामले के संबंध में दायर की गई याचिका में कहा गया कि -'मस्जिद मूल रूप से एक हरिहर मंदिर था, जिसे 1529 में मस्जिद में बदल दिया गया।

कांग्रेस की ओर से गढ़ा गया कि देश को आजाद कराने में हिंदू – मुस्लिम दोनों समुदायों का बराबर का योगदान है। यद्यपि मुस्लिम अपने लिए अलग देश लेने में सफल हो गए थे, परन्तु जो मुसलमान उस समय देश में रह गए थे, उनका तुष्टिकरण करने के लिए इस मिथक को तेजी से स्थापित किया गया।

दृष्टि कोण

देश की तरक्की हेतु जरूरी है ऊर्जा आत्मनिर्भरता

पिछले लगभग दो साल से यूक्रेन-रूस युद्ध जारी है। इस्राइल का हमास (फलस्तीन) – ईरान हिज्बुल्ला के बीच भी संघर्ष चल रहा है। पूरे पश्चिम एशिया में अशांति का दौर जारी है। इन युद्ध और संघर्षों के कारण से अभी भी यूरोप बिजली, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत तो अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। भारत काफी सालों से अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करता जा रहा है। पिछले दिनों एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 10 अक्तूबर तक 200 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है कि देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट है, जिसमें लगभग आधी हिस्सेदारी अक्षय ऊर्जा स्रोतों की हो गई है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार अक्षय ऊर्जा के मामले में सौर ऊर्जा देश में पहले स्थान पर है। सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में आज भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है। सौर ऊर्जा के बाद नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक विकास पवन ऊर्जा का हुआ है। देश में इसकी स्थापित क्षमता 47.36 गीगावाट है। आज पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में भारत चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर है। किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए ऊर्जा का सतत और निर्बाध प्रवाह बहुत जरूरी है। देश में प्रति व्यक्ति औसत ऊर्जा खपत वहां के जीवन स्तर का सूचक होती है। बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए हमारी ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। द्रुतगति से देश के विकास के लिए औद्योगीकरण, परिवहन और कृषि के विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए ऊर्जा की भी आवश्यकता है। देश में बिजली की मांग भी वर्तमान उपलब्धता से कहीं अधिक है। आवश्यकता के अनुरूप बिजली का उत्पादन नहीं हो रहा है। कोविड महामारी का दुष्प्रभाव लगभग खत्म होने के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आई है जिस कारण से बिजली की मांग भी बढ़ी है। आने वाले समय में भारत में बड़ा बिजली संकट पैदा हो सकता है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर-अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है। ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा। अपना भविष्य उज्ज्वल बनाए रखने के लिए वर्तमान परिस्थितियों में सभी तरह की ऊर्जा तथा ईंधन की बचत अत्यंत आवश्यक है। आज हम बचत करेंगे तो ही भविष्य सुविधाजनक रह पाएगा। दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है, लेकिन ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। वस्तुतः ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। भोजन, प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार, सुख संसाधन, पर्यटन जैसी आवश्यकताओं में भी ऊर्जा के विभिन्न रूपों ने हमारी जीवनशैली में अनिवार्य स्थान बना लिया है। इन सबमें भी बिजली ऊर्जा वह प्रकार है जो सबसे सुगमता से हर कहीं सदैव हमारी सुविधा हेतु सुलभ है। यही कारण है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों को बिजली में बदलकर ही उपभोग किया जाता है। वास्तव में यदि ऊर्जा का उपयोग सोच-समझ कर नहीं किया गया तो इसका भंडार जल्द ही समाप्त हो सकता है। प्रकृति पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही हमारी भावी पीढ़ियों का भी है। जब हम अपने पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों के फल खाते हैं, उनकी संजोई धरोहर का उपभोग करते हैं तो हमारा नैतिक दायित्व है कि हम भविष्य के लिए भी नैसर्गिक संसाधनों को सुरक्षित छोड़कर जाएं, कम से कम अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका दुरुपयोग न करें, अन्यथा भावी पीढ़ी और प्रकृति हमें कभी माफ नहीं करेगी। आज भारत 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' का सफल नेतृत्व कर रहा है।

कुछ अलग

बुढ़ापे को बुलावा

यह मौजूदा वक्त की विडंबना है कि आय बढ़ने के साथ लोगों ने घर में बने खाने की बजाय डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाने को तरजीह देना शुरू कर दिया है। सूचना माध्यमों के जरिये तुरत-फुरत के खाने के विज्ञापनों का इतने आक्रामक ढंग से प्रचार किया जाता है कि बच्चे क्या, बड़े भी डिब्बाबंद खाने के मुरीद होने लगते हैं। यह जानते हुए कि यह उनकी सेहत पर भारी है। जब घर के बड़े-बुजुर्ग इससे बचाव की सलाह देते हैं तो वे इसे पुरातनपंथी सोच करार दे देते हैं। लेकिन डिब्बाबंद खाने की मुहिम चलाने वाले पश्चिमी देशों को भी अब अहसास हो चला है कि डिब्बाबंद खाने से समय से पहले बुढ़ापा दस्तक देने लगता है। खानपान की पश्चिमी संस्कृति के वाहक इटली में हुए एक शोध ने विकसित देशों को भी नींद से जगाया है। दरअसल, इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के एक हालिया शोध ने फिक्र बढ़ाने वाला निष्कर्ष दिया है कि डिब्बाबंद भोजन के जरूरत से ज्यादा सेवन से व्यक्ति का शरीर समय से पहले बूढ़ा हो जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इसके सेवन से हमारे शरीर की कोशिकाएं और ऊतक समय से पहले वृद्ध होने लगते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करता है तो बुढ़ापा जल्दी आएगा। इस शोध में करीब साढ़े बाइस हजार लोगों को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड व प्रसंस्कृत भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जैविक उम्र अधिक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि हमारे खाने में शामिल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के मुक्त कण अन्य स्वस्थ अणुओं के विरुद्ध प्रतिक्रिया देते हैं। चिंता की बात यह है कि ये न केवल डीएनए व आरएनए बल्कि प्रोटीन को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे समय से पहले ही शरीर की कोशिकाएं मरने लगती हैं। अंततः शरीर समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि रासायनिक पदार्थों द्वारा संरक्षित डिब्बाबंद खाना हमारे शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं कालांतर व्यक्ति मोटापा, हृदय रोग, दूसरी श्रेणी के मधुमेह व गठिया जैसे रोगों का भी शिकार हो सकता है। दरअसल, खाद्य पदार्थों का बाजार चलाने वाली कंपनियों की कोशिश होती है कि खाने को देर तक संरक्षित किया जाए। खाद्यान्न को प्रसंस्कृत करने के लिये सुरक्षित रखने वाले रासायनिक पदार्थों व सोडियम का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में चीनी तथा शरीर के लिये नुकसानदायक रसायन, वसा व कार्बोहाइड्रेट भी खाने को देर तक चलने लायक बनाने के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं। जो आखिरकार हमारी सेहत से खिलवाड़ ही करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अधिक मात्रा में स्टार्च का भी प्रयोग करती हैं। ये कालांतर शरीर में शूगर बढ़ने से मधुमेह का खतरा पैदा कर सकती हैं। अधिक तेल भी सेहत के लिये घातक होता है। सेहत वैज्ञानिक लंबे अरसे से कहते रहे हैं कि डिब्बाबंद खाना व जंकफूड शरीर में मोटापा बढ़ाता है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालांतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हाल के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तरजीह दे रही है। जो कालांतर गैर संक्रामक रोगों को ही बढ़ावा देता है। विडंबना यह कि मां-बाप के मना करने के बावजूद नई पीढ़ी के किशोर व बच्चे डिब्बाबंद खाने और फास्ट फूड को अपना मुख्य भोजन बना रहे हैं। यही वजह है कि बड़ी उम्र में होने वाले लाइफस्टाइल के रोग अब बच्चों व किशोरों में भी होने लगे हैं। निश्चित ही इटली में हुआ शोध हमारी आंख खोलने वाला होना चाहिए।

देश दुनिया से

हरियाणा में नशा विरोधी रणनीतियों को नई धार

भारत नशाखोरी की महामारी की चपेट में है, जिसका असर न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि यह राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक नींव को भी खतरे में डालता है। यह त्रासदी परिवारों, समुदायों और जनस्वास्थ्य प्रणाली तक में व्याप्त है, जिसके लिए तत्काल और नूतन समाधान की आवश्यकता है। हालांकि कानून लागू करने वाले विभागों ने आपूर्ति श्रृंखला पर अंकुश लगाने में काफी प्रगति की है, लेकिन इसकी मांग को जड़ से खत्म करने संबंधी उपाय एक कठिन चुनौती बने हुए हैं। इस जंग में, प्रभावी संचार एवं जागरूकता मुहिम अपरिहार्य हैं। लेकिन पारंपरिक ढंग जैसे व्याख्यान और डर पैदा करने वाले संदेश, अपना असर करने में विफल रहे हैं विशेष रूप से युवाओं में, जो मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। हरियाणा ने परिवर्तनकारी नशा विरोधी संचार मॉडल में पहलकदमी की है। जो कि पुराने तौर-तरीकों से जुदा है। सांस्कृतिक प्रासंगिकता में निहित, व्यवहार विज्ञान से सीखते हुए और प्रौद्योगिकी द्वारा संवर्धित, यह समग्र रणनीति न केवल नशीली दवाओं के उपयोग के खिलाफ चेताती है बल्कि लोगों को सूझबूझ पूर्ण निर्णय लेने और लचीलापन विकसित करने हेतु सशक्त भी बनाती है। हरियाणा का यह तरीका मिसाल है कि कैसे नवीन उपाय और जन-केंद्रित रणनीति स्थायी असर पैदा कर सकती है। पारंपरिक नशा विरोधी प्रचार अक्सर एकतरफा संचार पर निर्भर रहते हैं, जिसमें नशीली दवाओं के उपयोग करने के खतरों पर जोर देना या कड़ी चेतावनी जारी करना शामिल हैं। नेक इरादे से किए जाने के बावजूद, ये ढंग शायद ही कभी मादक द्रव्यों के सेवन के गहन कारक जैसे कि साथियों का दबाव, तनाव, भावनात्मक अलगाव और दूसरों से होड़ के कारण बनने वाली मानसिक स्थिति को छूते हैं। इसीलिए युवाओं को ऐसे अभियान अक्सर उनकी वास्तविकताओं से कटे हुए महसूस होते हैं, जिससे उनकी प्रभावशीलता नगण्य हो जाती है। इन कमियों को पहचानते हुए, हरियाणा ने लोगों को सार्थक रूप से जोड़ने के वास्ते, अपनी प्रचार रणनीति को नए सिरे से तैयार किया है और भय-आधारित संदेश देने के बजाय उनके अंदर अपने सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों से सहभागिता, सरोकार और सशक्तीकरण पैदा करने वाले बदलाव लाने का प्रयास किया है। जागरूकता बनाने और इसको मूर्त रूप देने के बीच की खाई को पाटने में यह आमूल-चूल बदलाव महत्वपूर्ण साबित हुआ है। हरियाणा के इस अभिनव दृष्टिकोण के केंद्र में 'चक्रव्यूह' नामक कार्यक्रम है, जोकि इस विषय में शिक्षित करने के ढंग में परिवर्तन है, यह प्रतिभागियों में रुचि जगाकर, उन्हें जीवन जीने और नशों से दूर रहने की अभिनव कला सिखाता है। इसमें प्रतिभागी टीम में काम करते हुए असली जिंदगी जैसी समस्याओं को सुलझाने, कठिनाई जनित जिन चुनौतियों को हल करने में युक्तिपूर्ण विचार की जरूरत होती है, वह क्षमता पैदा करती है। साथ ही नैतिकतापूर्ण निर्णय लेना और सबके साथ मिलकर काम करने की भावना। इस किस्म के परस्पर औपचारिक और वैचारिक आदान-प्रदान का प्रभाव केवल भय बनाकर नशे से तौबा करने वाले ढंग से कहीं असरदायक है। यह भागीदार को अनिवार्य कौशल जैसे कि लचीलापन, एकाग्रता और सहभागिता से युक्त करता है, जो साथियों के दबावों को नकारने और सकारात्मक विकल्प बनाने में अहम है। रिवायती भाषणबाजी की तरह न होकर-जिससे कोई जुड़ाव महसूस नहीं करता- हरियाणा का 'चक्रव्यूह' नामक यह कार्यक्रम प्रेरक उपायों को यादगार एवं प्रभावशाली अनुभव बनाता है। प्रशिक्षित प्रतिभागी उस समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान के साथ निकलते हैं, जिनका उपयोग वे अपनी रोजाना की जिंदगी में कर सकेंगे। हरियाणा ने 'चक्रव्यूह' की पहुंच व्यापक बनाने के लिए इसे डिजिटल प्रारूप में ढाला है। हैकाथॉन के माध्यम से डेवलपर्स के साथ सहयोग करते हुए, सरकार ने 'एस्केप रूम' अनुभव की तर्ज पर एक मोबाइल गेम बनाया है। खेल-खेल में दृष्टिकोण पैदा करने वाला यह तरीका युवाओं के बीच डिजिटल मंचों की लोकप्रियता को भुनाता है जिससे नशा-विरोधी अभियान आकर्षक और सुलभ बन जाता है। यह तकनीकी नूतन प्रयोग शहरी-ग्रामीण अंतर को पाटने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वंचित क्षेत्रों में इंटरेक्टिव सामग्री प्रदान करते हुए, यह डिजिटल पहल समावेशिता सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, यह निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए भी राह खोलता है, जिससे आगे नवाचार और इसके विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। हरियाणा के यह मॉडल सांस्कृतिक-आध्यात्मिक तत्वों को शामिल करते हुए लोगों को जोड़ता है।

इसके तहत बेहतरीन पहल है 'राम गुरुकुल गमन' जो कि भगवान राम के वनवास की कहानी से प्रेरित संगीत-रूपक है। इसका कथानक जीवन की कठिनाइयों पर काबू पाने में लचीलेपन और साहस का एक उदाहरण है, जो संदेश देता है : 'चुनौतियां आयेंगी ही, लेकिन उनका सामना शक्ति व दृढ़ संकल्प से किया जा सकता है'। इस नाटक को व्यापक प्रशंसा मिली है। इसे पुणे में राष्ट्रीय युवा महोत्सव जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया गया। स्कूलों और कॉलेजों में ऐसे रूपकों को पेश कर, प्रशासन सुनिश्चित करना चाहता है कि नशा विरोधी संदेश प्रासंगिक और प्रभावशाली बने। हरियाणा की रणनीति का एक और कदम है, 'लोटा नमक अभियान', जो छोटा-मोटा नशा करने वालों और तस्करों के पुनर्वास पर केंद्रित जमीनी पहल है। प्रतिभागी बुजुर्गों की मौजूदगी में सबके सामने शपथ लेकर नशीली दवाओं से तौबा करने का वचन देते हैं। यह सामाजिक जवाबदेही और बदलाव के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह कार्यक्रम समाज में पुनः एकीकरण को बढ़ावा देता है और समुदाय में सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करता है। यह प्रक्रिया, जिसमें बुजुर्ग और समुदाय के प्रभावशाली सदस्य उपस्थित होते हैं, एकजुटता और बुराई छोड़ने का एक शक्तिशाली संदेश देती है। यह उदाहरण है कि स्थानीय समुदाय नशीली दवाओं के खतरे से निपटने में किस प्रकार अहम भूमिका निभा सकते हैं। हरियाणा का तरीका इस किस्म की चुनौतियों से जूझ रहे अन्य राज्यों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। प्रथम, सांस्कृतिक प्रासंगिकता-जाने-पहचाने सांस्कृतिक तौर-तरीकों में नशा विरोधी संदेशों को शामिल करते हुए उनके प्रसार और असर को बढ़ाना। दूसरा, इंटरेक्टिव समावेश- 'चक्रव्यूह' और खेल-खेल में शिक्षा देने जैसे सहभागी तरीके पारंपरिक, भाषण-आधारित अभियानों से बेहतर प्रभावी रहते हैं। तीसरा, 'लोटा नमक अभियान' जैसे सामुदायिक भागीदारी उपाय, जोकि सामूहिक जवाबदेही और समर्थन के महत्व को रेखांकित करता है।

आप का नजरिया

अपनों का कत्ल

यूं तो हर रोज कई ऐसी खबरें विचलित करती हैं, जिसमें इंसानी रिश्तों का कत्ल होता है। लेकिन कुछ घटनाएं इतनी हृदयविदारक व वीभत्स होती हैं कि हर संवेदनशील व्यक्ति दुख व करुणा से स्तब्ध रह जाता है। पिछले दिनों दिल्ली की उस घटना ने विचलित किया, जिसमें आक्रोशित युवक ने पिता, मां व बहन की हत्या गुस्से में आकर कर दी। वहीं शनिवार को हरियाणा के शाहबाद की उस घटना ने हर किसी को झकझोरा, जिसमें पैसे के लेन-देन को लेकर कुछ लोगों द्वारा उत्पीड़ित किए जाने पर एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता, पत्नी की निर्मम हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। उसने कोशिश तो अपने किशोर पुत्र की हत्या की भी की लेकिन संयोगवश वह बच गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें अपनों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने आठ लोगों द्वारा रुपयों के लेन-देन के लिये उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज भी किया है। अब भले ही हत्यारे व्यक्ति को रुपयों के लेन-देन को लेकर विकट स्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उसे इससे जन्म देने वाले माता-पिता व पत्नी की हत्या करने का अधिकार तो नहीं मिल जाता। आखिर उसके परिजनों का क्या कसूर था जिन्हें अकारण उसने मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, ऐसे मामलों में अकसर देखने में आता है कि विकट परिस्थितियों में बेहद तनाव की स्थितियों से गुजर रहा व्यक्ति इतना हताश हो जाता है कि अपने प्रियजनों को किसी अपमानजनक स्थिति से बचाने के लिये उनकी जीवन लीला समाप्त करना अंतिम विकल्प समझ लेता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई व्यक्ति वास्तविक आर्थिक स्थितियों का आकलन किए बिना ऐसे कदम उठा लेते हैं कि उसकी प्रतिपूर्ति करना मुश्किल हो जाता है। दरअसल संकट से गुजरते व्यक्ति में मुश्किल हालातों से मुकाबले का ऐसा धैर्य ही नहीं रहता है कि उससे उबारने का रास्ता खोज सके। ऐसे में मौत को गले लगाना ही उसे अंतिम विकल्प नजर आता है। दरअसल, हमारे समाज में आज महत्वाकांक्षाओं और भौतिक संसाधन जुटाने का इस कदर जुनून हावी है कि आसन्न संकट का आकलन किए बिना व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है। वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आर्थिक लिप्साओं के उफान के दौर में लोग इतने संवेदनहीन हो चले हैं कि व्यक्ति की दुखती रग पर हाथ रखकर भयादोहन करने लगते हैं। निश्चित रूप से ये विकट स्थितियां मानवीय मूल्यों के पराभव को भी दर्शाती हैं। शाहाबाद की हृदय विदारक घटना के लिये जिन लोगों को दोषी बताया जा रहा है, उन्होंने भी इतना रहम नहीं दिखाया कि यह परिवार उजड़ने से बच जाए। चंद रुपयों को वसूलने के क्रम में लोग किस हद तक गिर सकते हैं, यह घटनाक्रम उसकी बानगी है। एक समय था कि लोग ऐसे संकट में फंसे व्यक्ति की मदद के लिये खड़े होते थे। हमारा सामाजिक स्वरूप ऐसा था कि गांव-मोहल्ले के लोग एक-दूसरे का दुख-दर्द बांट लेते थे। आज हर तरफ लोग पैसे के पीर बन गए हैं। शहरों में लोगों में ऐसी संवेदनशीलता नजर नहीं आती है कि दूसरे व्यक्ति या परिवार को संकट में फंसा देखकर आर्थिक संबल देकर या मनोबल बढ़ाकर उसे सांत्वना दें।

अगर आरोपी 100 साल जीवित रहता है तो 2120 में दे सकते हैं पैरोल

गोलीबारी करने पर अमेरिका कोर्ट ने सुनाई एक व्यक्ति को 100 की जेल

वाशिंगटन, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की कोर्ट ने एक शातिर अपराधी को 100 साल की सजा सुनाई है। साथ में यह यह भी कहा गया है कि अगर वह अपराधी 100 साल तक सजा काटता है तो उसे साल 2120 में पैरोल मिल सकती है। यह घटना लास वेगास की है जहां एक जज ने 32 साल के क्रिस्टोफर मैकडॉनेल को 2020 में थैंक्सगिविंग के दौरान दो राज्यों में गोलीबारी करने के अपराध में 100 साल की सजा सुनाई है। इस गोलीबारी में नेवादा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

क्रिस्टोफर पर हत्या, हत्या का प्रयास, साजिश, अवैध रूप से बंदूक रखने से संबंधित 20 से ज्यादा आरोप लगे थे। कोर्ट ने उसे 100 साल की सजा सुनाई और कहा कि अगर वह 100 साल तक जीवित रहता है तो उसे 2120 में पैरोल पर छोड़ने पर विचार किया जाएगा। बता दें 26 नवंबर 2020 को क्रिस्टोफर उसके भाई शॉन मैकडॉनेल और शॉन की पत्नी कायले लुईस ने लास वेगास में 11 घंटे तक अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में लास वेगास के पास हेंडरसन में एक स्टोर में 22 साल के केविन मेंडिओला जूनियर की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया था।

गोलीबारी के बाद तीनों ने गोलीबारी की और एक कार पलटने के बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक ड्राइवर कायले लुईस थी जबकि दोनों भाई गाड़ी की खिड़की से अंधाधुंध फायरिंग कर रहे थे। पुलिस ने टेक्सास लाइसेंस प्लेट वाली गाड़ी का पीछा किया। कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद असॉल्ट-स्टाइल राइफलों से हमला किया और शॉन मैकडॉनेल को घायल कर दिया। इसके बाद गोलीबारी रुक गई और तीनों अपराधी को पकड़ लिया गया था। इस मामले में शॉन मैकडॉनेल और कायले लुईस का ट्रायल अभी बाकी है।

न्यूज ब्रीफ

ग्रीस में शरणार्थियों से भरी नांव डूबी, पांच की मौत, कई लापता, रेस्क्यू जारी

एथेंस। ग्रीस में शरणार्थियों को ले जा रही नांव डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई कई लोग लापता हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में तट रक्षक बल ने बताया कि चार खोज एवं बचाव अभियानों में 200 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। यह अभियान शुक्रवार देर रात शुरू हुआ जो अब भी जारी है। क्रेते के दक्षिण में गावडोस द्वीप के पास नांव डूबने की अलग-अलग घटनाओं के बारे में सूचना मिलने के बाद तीन अभियान शुरू किए गए थे जिनमें से एक अब भी जारी है और चौथा अभियान दक्षिणी पेलोपोनिज क्षेत्र में शुरू किया गया। तट रक्षक बल ने बताया कि तलाश अभियान में 39 लोगों को बचा लिया गया है। इस दौरान जलक्षेत्र से पांच शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षित बचाए गए लोगों ने बताया कि उनकी नांव में जरुरत से ज्यादा लोग सवार थे। तट रक्षक बल ने बताया कि कुल नौ जहाज शनिवार को भी बचाव कार्य में लगे हुए थे। साथ ही दो हेलीकॉप्टर की भी मदद ली जा रही है। गावडोस के तट पर अन्य दो अभियानों में 47 और 89 लोगों को बचाया गया है। ये अभियान पूरे हो चुके हैं। वहीं पेलोपोनिज से 28 शरणार्थियों को अब तक बचाया गया है।

फैशन टाइकून इसाक एंडिक की मौत गहरी खाई में गिर गए थे

बार्सिलोना। स्पेन की दिग्गज फैशन कंपनी मैंगो के संस्थापक इसाक एंडिक की दुर्घटना में मौत हो गई।

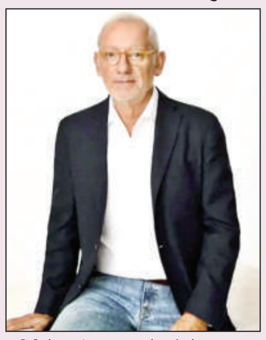

कंपनी की तरफ शनिवार को इसकी घोषणा की। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने मैंगो संस्थापक के निधन पर शोक व्यक्त किया। 71 वर्षीय एंडिक, बार्सिलोना के पास कोलबैटो गुफा इलाके में पैदल यात्रा के दौरान फिसल कर गहरी खाई में गिर गए। मैंगो के सीईओ टोनी रुइज ने एक बयान में कहा- एंडिक के निधन से बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है। उन्होंने अपना जीवन मैंगो को समर्पित कर दिया। फोर्ब्स में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम करने वाले एंडिक की कुल संपत्ति 4.5 बिलियन डॉलर थी। उन्होंने 1984 में स्पेन के बार्सिलोना में मैंगो ब्रांड की स्थापना की। मैंगो यूरोप के टॉप फैशन ग्रुप में से एक है। मैंगो इसाक एंडिक इस्तांबुल में जन्मे थे और उन्होंने फैशन साम्राज्य मैंगो की स्थापना की थी।

थाईलैंड में वार्षिक उत्सव में बम विस्फोट तीन की मौत, 39 लोग घायल

बैंकॉक। थाईलैंड में एक वार्षिक उत्सव में हुए बम विस्फोट में तीन की मौत हो गई। 39 लोग घायल हो गए। पीएम पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस विस्फोट में मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पैतोंगटार्न ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को घटना की जांच करने, अपराधियों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों को आगामी सभी त्योहारों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में, थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत सोंगखला में सड़क किनारे हुए विस्फोट में दो स्कूली बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गए थे। घायलों में एक जिला सहायक प्रमुख, एक रक्षा स्वयंसेवक और ग्रामीण भी शामिल था। यह विस्फोट थाई सेना और विद्रोहियों के समूह के बीच झड़प के बाद हुआ। इसके बाद नाराथिवात प्रांत के एक पहाड़ पर सुरक्षा बलों ने पांच संदिग्ध दक्षिणी विद्रोहियों को मार गिराया। झड़प के बाद सेना की दक्षिणी कमान के प्रवक्ता ने विद्रोही समूहों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। थाईलैंड के मुख्यत: मलय जातीय बहुल याला, पट्टानी और नारथिवात प्रांतों में अलगाववादी विद्रोह ने 2004 से अब तक करीब 7 हजार लोगों की जान ले ली है। थाई सरकार शांति के लिए कई विद्रोही समूहों के साथ बातचीत कर रही है।

बांग्लादेश में मंदिर और दुकानों में तोड़ फोड़ के करने के 04 आरोपी गिरफ्तार

ढाका, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मंदिर, घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 3 दिसंबर को सुनामगंज जिले के रहने वाले आकाश दास की एक फेसबुक पोस्ट से इलाके में तनाव फैल गया था। बाद में दास ने पोस्ट हटा ली थी लेकिन यह पोस्ट तेजी से फैल गई जिसने हिंसा भड़क गई थी। एसपी, डीसी, सेना और पुलिस ने स्थिति को किसी तरह नियंत्रण में किया था। पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली थी।

पुलिस ने दास को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन मॉब लिंचिंग जैसी घटना से बचने के लिए दास को दूसरे स्टेशन में शिफ्ट कर दिया था। इस हिंसा के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें अलीम हुसैन, सुल्तान अहमद राजू, इमरान हुसैन और शाहजहां हुसैन शामिल हैं। बांग्लादेश ने हसीना के सत्ता से हटने के बाद हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की 88 घटनाओं को स्वीकार किया था। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव तब आया जब अपदस्थ पीएम शेख हसीना के 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर चले जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार सत्ता में आई। हाल के हफ्तों में हिंदुओं पर लगातार हमलों और खासकर हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की हाल ही में गिरफ्तारी के बाद संबंध और भी खराब हो गए। चिन्मय कृष्ण दास इस्कॉन बांग्लादेश के पूर्व सदस्य हैं और अब बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का आरोप, शेख हसीना ने गायब करवाए 3500 लोग, जांच आयोग ने की रैपिड एक्शन बटालियन को भंग करने की सिफारिश

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना को एक नई मुसीबत ने घेर लिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने देश से 3500 लोगों के गायब होने में शेख हसीना का हाथ होने की बात कही है। जांच में भी यह बात साबित हो चुकी है। एक घटनाक्रम में जबरन गायब होने की घटनाओं पर जांच आयोग ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश की है, जिसमें पूर्व पीएम शेख हसीना और कई वरिष्ठ अधिकारियों को इन घटनाओं में शामिल होना बताया है। रिपोर्ट में रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) को भंग करने की सिफारिश भी की गई है क्योंकि इन मामलों में इसकी भूमिका विवादास्पद रही है। जांच रिपोर्ट को अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस को आयोग के अध्यक्ष, रिटायर जस्टिस मैनुल इस्लाम चौधरी ने ढाका के स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में आयोजित एक समारोह में सौंपा। आयोग ने बताया कि उसे 1,676 जबरन गायब होने की शिकायतें मिली हैं, जिनमें से अब तक 758 मामलों की जांच की जा चुकी है। आयोग का अनुमान है कि गायब होने वाले मामलों की संख्या 3,500 से ज्यादा हो सकती है। यह सुरक्षा बलों के ऑपरेशन में एक प्लान की ओर इशारा करता है, जिससे ये घटनाएं छिपी रहें। जस्टिस चौधरी ने कहा कि ऑपरेशनों को जानबूझकर टुकड़ों में बांटा गया था, ताकि कर्मियों को पीड़ितों की पहचान के बारे में जानकारी न हो और वे इनकार कर सकें। आयोग की सिफारिश है कि रैपिड एक्शन बटालियन को भंग कर दिया जाए। यह एक पैरामिलिट्री फोर्स है, जिस पर लंबे समय से मानवाधिकार उल्लंघन, जैसे कि फर्जी मुठभेड़ और जबरन गायब करने के आरोप लगते रहे हैं। प्रोफेसर यूनुस ने आयोग के प्रयासों की तारीफ की और उसकी जांच में पूर्ण समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि आप एक बेहद अहम काम कर रहे हैं। उन्होंने आयोग द्वारा पहचाने गए कुछ 'आयनघर' या गुप्त हिरासत केंद्रों का दौरा करने की योजना की घोषणा की ताकि पीड़ितों की परेशानी को समझा जा सके।

जॉर्डन-इजराइल ने की गुप्त बैठक, सीरिया को लेकर बना रहे प्लान

तेल अवीव, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया पर अब विद्रोहियों का कब्जा है। इजराइल भी सीरिया की जमीन पर कब्जा करना चाह रहा है। इस बीच इजराइल सीरिया के हालातों को लेकर अपने पड़ोसी मुस्लिम देश के साथ खुफिया बैठक कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने बताया कि इजराइल और जॉर्डन ने सीरिया की स्थिति पर गुप्त बातचीत की है।

बशर अल असद के पतन ने एक ऐसा देश छोड़ा है, जहां रासायनिक हथियार के भंडार और ऐसे विद्रोही गुट हैं, जो कभी अल-कायदा से जुड़े थे। इजराइली सेनाएं सीरिया में सैन्य ठिकानों पर हमला कर रही हैं और दोनों देशों के बीच के बफर जोन पर भी कब्जा कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र में सीरियाई मिशन का कहना है कि इजराइल का कब्जा सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघन है। सीरिया की सीमा से लगने वाले जॉर्डन और इजराइल का कहना है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए काम करना चाहते हैं। इसके अलावा एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि जॉर्डन-इजराइल और सीरियाई विद्रोही समूह एचटीएस के बीच मध्यस्थ भी है। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने कहा कि इजराइली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के निदेशक और इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने जॉर्डन की सामान्य खुफिया सेवा के निदेशक अहम हुस्नी और जॉर्डन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों से मुलाकात की है। उन्होंने सीरिया की स्थिति और विद्रोही समूहों के साथ इजराइल और जॉर्डन दोनों की भागीदारी पर बातचीत की। अधिकारियों ने जॉर्डन के जरिए इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में सशस्त्र समूहों के लिए ईरान की ओर से हथियारों के तस्करी के बढ़ते खतरे पर चर्चा की। आईडीएफ, शिन बेट और अमेरिका में जॉर्डन के दूतावास ने बैठक पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। पिछले दिनों में इजराइली सेना सीरिया की जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया। इजराइली सेना कई अन्य रणनीतिक स्थानों पर भी कब्जा कर रही है, जिसमें माउंट हर्मन पर सीरियाई सैन्य चौकी भी शामिल है। यह इस क्षेत्र का सबसे ऊंचा स्थान है। इजराइली मिलिट्री के मुताबिक उन्होंने सीरिया पर करीब 500 एयर स्ट्राइक की है। उन्होंने कहा कि केमिकल हथियार को विद्रोहियों के हाथों में जाने से बचाने के लिए ऐसा किया गया।

किम जोंग ने निभाई पुतिन से दोस्ती, कोरियाई सेना यूक्रेन के गांव पर किया कब्जा

महज दो घंटे की लड़ाई में यूक्रेन के करीब 300 सैनिकों को मार गिराया

मॉस्को, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के बजाय बढ़ता ही जा रहा है। इसे खत्म कराने के सारे प्रयास दम तोड़ चुके हैं। उत्तर कोरियाई सेना के रूस की तरफ से युद्ध मैदान में उतरने के बाद हालात और भी खराब हो गए हैं। किम जोंग उन की सेना यूक्रेन पर कहर बरसा रही है। उत्तर कोरियाई सेना कुर्स्क क्षेत्र के एक गांव में घुस गई और दो घंटे में उस पर कब्जा कर लिया। बताया जा रहा है कि वहां तैनात यूक्रेनी सैनिक या तो मारे गए या फिर भाग गए हैं। बता दें कि उत्तर कोरियाई सैनिकों ने जमीनी स्तर पर यूक्रेन के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है।

बता दें कि उत्तर कोरिया के तानाशाह किन ने अपने दोस्त रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का साथ देते हुए यूक्रेन के खिलाफ लड़ने अपनी सेना भेजी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुर्स्क क्षेत्र के एक गांव पर कब्जा करने में उत्तर कोरिया के सैनिकों ने एक भी यूक्रेनी जवान गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसका मतलब या तो यूक्रेनी जवान मारे गए या फिर वे लोग युद्ध का मैदान छोड़ कर भाग गए हैं। रिपोर्ट में रूसी टेलीग्राम से खबर मिली है कि रूस ने दावा किया गया है। इसमें बताया गया कि नॉर्थ कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेन के कुर्स्क क्षेत्र में पीलियोखोवो गांव पर हमला कर दिया। इस दौरान किम जोंग उन की सेना ने गजब का युद्ध कौशल दिखाया। उन्होंने महज दो घंटे में यूक्रेन के जवानों को ढेर कर दिया है बचे हुए जवान मैदान छोड़कर भाग गए हैं। बताया जा रहा है कि यह हमला 6 दिसंबर को किया गया था। इस युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेन के तकरीबन 300 जवानों को मार दिया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यूक्रेन की सीमा के पास स्थित रूसी क्षेत्र बेलगोरोद के गवर्नर ने सोशल मीडिया टेलीग्राम पर बताया कि रिहायशी क्षेत्र में एक ड्रोन हमले में बच्चे की मौत हो गई। हमले में घायल बच्चे की मां और सात महीने की बहन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक दिन पहले रूस ने यूक्रेन के क्षेत्रों में भीषण हवाई हमले किए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि यह तीन साल पहले रूस के बड़े पैमाने पर हमले के बाद से देश के ऊर्जा क्षेत्र पर सबसे भीषण बमबारी में से एक था।

वेस्टबैंक में फिलिस्तीनी सुरक्षा बल

वेस्टबैंक में फिलिस्तीनी सुरक्षा बल आतंकियों से मुकाबले के लिए अपनी अपनी पोजिशन लेते हुए।

नेपाल-भारत के बीच वाणिज्य सचिव स्तरीय वार्ता 9-10 जनवरी को काठमांडू में

काठमांडू, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल और भारत के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की वार्षिक बैठक काठमांडू में होने जा रही है। नेपाल-भारत व्यापार और परिवहन अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) के नाम से होने वाली यह वार्षिक बैठक 9 और 10 जनवरी को होना तय हुआ है।

नेपाल के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता बाबूराम अधिकारी ने बताया कि दोनों देशों के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की आईजीसी बैठक पिछली बार दिल्ली में होने के कारण इस बार काठमांडू में होना तय हुआ है।

इस समय वाणिज्य मंत्रालय भारत के साथ वार्ता के लिए एजेंडा का मसौदा तैयार कर रहा है। मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, संबंधित सभी पक्षों से चर्चा के बाद मसौदा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में दोनों देशों के बीच वार्ता के एजेंडे के शुरुआती मसौदे का आदान-प्रदान किया जाएगा।

मंत्रालय के प्रवक्ता अधिकारी ने बताया कि आईजीसी की बैठक में मुख्य रूप से व्यापार, परिवहन और निवेश पर केंद्रित एजेंडे पर चर्चा होगी। नेपाल के तरफ से वाणिज्यिक संधि में संशोधन पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह, पारगमन संधि के प्रोटोकॉल में अधिक स्पष्टता और संशोधन का एजेंडा भी समावेश किए जाने की जानकारी प्रवक्ता ने दी है।

नेपाल अपने यहां से भारत में होने वाले वस्तुओं के निर्यात को सुविधाजनक बनाने, व्यापार घाटे को कम करने, गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा और नेपाल में भारतीय निवेश बढ़ाने के एजेंडे को भी शामिल कर रहा है। प्रवक्ता बाबूराम अधिकारी ने कहा कि आईजीसी बैठक के लिए हमारे ज्यादातर एजेंडे पुराने हैं। उन्होंने कहा, व्यापार और पारगमन समझौतों और प्रोटोकॉल की समीक्षा करना हमारा नियमित एजेंडा है तथा निर्यात और निवेश भी प्रमुख एजेंडा है। भारतीय पक्ष का एजेंडा आदान प्रदान होने के बाद दोनों पक्षों में सहमति है पर अंतिम एजेंडा तय किया जाएगा।

निजी क्षेत्र की ओर से, नेपाल-भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स (निक्की) ने भी अपने तरफ से आगामी आईजीसी बैठक में उठाए जाने वाले एजेंडे को लेकर अपना सुझाव दिया है। इस संस्था के अध्यक्ष सुनील के सी ने बताया कि सभी निजी क्षेत्रों के साथ परामर्श करने के बाद आए सुझावों को समेटते हुए मंत्रालय को अपनी मांगों को लेकर अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत के बीच व्यापार सुविधा, लागत में कमी, समान व्यवहार, हरित व्यापार और अन्य व्यापार सहित परिवहन समझौतों पर जोर देने तथा मौजूदा मार्गों को बदलने, रेलवे को जोड़ने और निर्यात के लिए जलमार्गों का उपयोग करने का सुझाव दिया गया है।

मोहम्मद शमी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम में हुए शामिल

मुम्बई, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अनभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शमी के पास इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस साबित करने का अवसर रहेगा।

उसी के बाद देखा जाएगा कि वह ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए तैयार हैं कि नहीं। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि शमी को सभी टीम में शामिल करना चाहते हैं पर इसके लिए उन्हें पूरी तरह फिट होना होगा। हम उनको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

शमी ने अंतिम बार 2023 एकदिवसीय विश्वकप में भारत के लिए खेला था। उसके बाद टखने की सर्जरी के बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। उन्होंने नवंबर में रणजी ट्रॉफी के साथ वापसी की और मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में सात विकेट लिए थे। इसके बाद उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी 9 मैच खेलते हुए 7.85 की इकॉनमी से 11 विकेट अपने नाम किए।। हालांकि इस टूर्नामेंट के दौरान उनके घुटने में कुछ सूजन आ गई, जिससे टेस्ट क्रिकेट के लिए उनकी तैयारी बाधित हुई।

शमी के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को भी बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। टीम की कप्तानी सुदीप कुमार घरामी करेंगे। टीम अपने मुकाबलों की शुरुआत 21 दिसंबर को हैदराबाद में दिल्ली के खिलाफ करेगी। सभी खिलाड़ी बुधवार को कोलकाता से हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से 18 जनवरी के बीच खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें हिस्सा लेंगी।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की सदस्यीय टीम इस प्रकार है: सुदीप कुमार घरामी (कप्तान), मोहम्मद शमी, अनुस्तुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुदीप चटर्जी, करण लाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेटकीपर), सुमंत गुप्ता, सुभम चटर्जी, रणजोत सिंह खैरा, प्रदीप्ता प्रमाणिक, कौशिक मैती, विकास सिंह, मुकेश कुमार, सक्षम चौधरी, रोहित कुमार, मोहम्मद कैफ, सूरज सिंधु जयसवाल, सायन घोष, कनिष्क सेठ।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ ने बनाया रिकार्ड, 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने

गाबा। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। ऋषभ ने इस मैच में जसप्रीत बुमराह की गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का कैच पकड़ते ही टेस्ट विकेटकीपर के तौर पर अपना 150वां शिकार किया। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर जिस पकार की विकेटकीपिंग की है। उससे सभी हैरान हैं। इस युवा क्रिकेटर ने सीमित ओवरों के अलावा टेस्ट क्रिकेट में अपनी फिटनेस को साबित किया है। वह 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने हैं। उनसे पहले ये उपलब्धि महेन्द्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी ने हासिल की थी। ऋषभ ने अब तक 41 टेस्ट मैचों में 135 कैच पकड़ने के साथ ही 15 स्टम्पिंग की हैं। धोनी इस सूची में पहले नंबर पर हैं उन्होंने विकेटकीपर के तौर पर कुल 294 शिकार किये हैं। जिसमें 256 कैच और 38 स्टम्पिंग हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रहे सैयद किरमानी के नाम 198 शिकार हैं जिसमें उन्होंने 160 कैच पकड़े हैं जबकि 38 स्टम्पिंग की हैं। अब ऋषभ को किरमानी को पीछे छोड़ने के लिए 49 और शिकार बतौर विकेटकीपर टेस्ट क्रिकेट में करने हैं।

रुट न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी खिलाड़ी बने, मियांदाद से आगे निकले

हैमिल्टन। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने 32 रनों की पारी खेलकर भी एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रुट ने पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज जावेद मियांदाद का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अब रुट न्यूजीलैंड की धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के मियांदाद का रिकॉर्ड तोड़ा है। रुटा के अब न्यूजीलैंड की धरती पर कुल 952 टेस्ट रन हो गये हैं जबकि मियांदाद ने न्यूजीलैंड की धरती पर 928 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं 842 रनों के साथ भारत के सचिन तेंदुलकर तीसरे नंबर पर हैं। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 347 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड की आधा टीम अपनी पहली पारी में 100 रनों में ही पेवेलियन लौट गयी। इन हालातों में रुट ने टीम को संभालने का प्रयासा किया। रूट पिछले कुछ समय से अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने अपने बल पर इंग्लैंड की टीम को कई मुकाबले जिताए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में साल 2012 में डेब्यू किया था। इसके बाद से वह टीम की अहम कड़ी बन गए और उन्होंने अभी तक 152 टेस्ट मैचों में 12918 रन बनाए हैं, जिसमें 36 शतक और 64 अर्धशतक शामिल हैं।

विकास सिंह ने की धुआंधार बल्लेबाजी, नगर आयुक्त ने जीता मैच

लखनऊ। नगर निगम क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में नगर आयुक्त ने प्रेस को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में विकास सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौकों की मदद से 19 बाल पर 38 रन बनाये। प्रेस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में सात विकेट गवांकर 92 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज अजय शर्मा ने 11 रन का योगदान दिया। वहीं वरूण यादव ने चार चौकों की मदद से 35 रन बनाये। वहीं अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। प्रवीण राय ने आठ रन का योगदान दिया। वहीं नगर आयुक्त की टीम ने मात्र एक विकेट गवांकर 93 रन बना लिया और मैच को नौ विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज सोनू भारती ने तीन चौकों की मदद से 24 रन बनाये। विकास सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौकों की मदद से 19 बाल पर 38 रन बनाये। आकाश कुमार ने 11 रन बनाये।

ब्रिसबेन टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म

स्मिथ-हेड के शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 400 पार , जसप्रीत बुमराह ने झटके 5 विकेट

ब्रिसबेन, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सात विकेट खोकर 405 रन बना लिए हैं। मिचेल स्टार्क 7 रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 152 रन और स्टीव स्मिथ ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं, भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए हैं। रविवार को मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में बिना किसी विकेट के 28 रन से आगे खेलना शुरू किया। मेजबान टीम को 31 के स्कोर पर पहला झटका लगा।

सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 54 गेंद में तीन चौके की मदद से 21 रन बनाकर आउट हो गए। फिर 38 के स्कोर पर टीम का दूसरा विकेट गिरा और दूसरे सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी भी पवेलियन चलते बने। मैकस्वीनी 9 रन बना सके। 75 के स्कोर पर मार्नस लाबुशेन भी आउट होकर पवेलियन लौट गए। लबुशने केवल 12 रन बना सके। इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिए। हेड ने जहां ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 115 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, वहीं स्मिथ ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए 185 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

यह उनके टेस्ट करियर का 33वां शतक है। दोनों बल्लेबाजों ने 200 रन से ज्यादा की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 300 के आंकड़े के पार पहुंचाया। इस साझेदारी का अंत जसप्रीत बुमराह ने स्मिथ को आउट करके किया। स्मिथ 190 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 101 रन बनाकर आउट हुए। स्मिथ के बाद मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड को भी बुमराह ने पवेलियन भेज दिया। मार्श पांच रन बना सके, जबकि हेड ने 160 गेंद में 18 चौके की मदद से 152 रन बनाए। 385 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका लगा। कप्तान पैट कमिंस 20 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क सात रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की ओर से अब तक जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट हासिल किया है।

पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ा - पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया था। पहले दिन केवल 13.2 ओवर का खेल हो सका, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। मैच में केवल 5.3 ओवर फेंके गए थे, तभी बारिश शुरू हो गई, जिसके कारण 25 मिनट तक खेल रुका रहा। बारिश रुकने के बाद फिर से खेल शुरु हुआ और ख्वाजा और मैकस्वीनीने संभलकर खेलना जारी रखा। 13.2 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरू हो गई और फिर रुकी ही नहीं, जिसके बाद मैच अधिकारियों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया।

राहुल को खरीदना ही नहीं चाहती थी आरसीबी

मुम्बई, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) ने जब आईपीएल 2025 के लिए पिछले माह हुई नीलामी में के ए राहुल पर बोली नहीं लगायी थी तो सभी हैरान हो गये थे। वहीं अब ये खुलासा हुआ है कि आरसीबी की राहुल को खरीदने की कोई योजना ही नहीं थी। आईपीएल का 18वां सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा। मेगा नीलामी में आरसीबी ने अपनी पसंद के कई खिलाड़ी खरीदे हैं हालांकि, फ्रेंचाइजी के कुछ फैसलों से सभी हैरान भी हुए इसमें से एक था राहुल को न खरीदना। इसका कारण है कि नीलामी से पहले कहा जा रहा था कि राहुल को आरसीबी किसी भी कीमत में खरीदेगी। यहां तक कहा गया था कि आरसीबी राहुल को कप्तान भी बनाएगी पर बाद से ये सभी बातें गलत निकलीं। आरसीबी की जिन खिलाड़ियों को खरीदने की सूची सामने आई है। उससे सभी हैरान हैं। लिस्ट सामने आई है, जिसने सभी को चौंका दिया है.

इस सूची में राहुल ही नहीं श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत जैसे बड़े खिलाड़ियों के नाम भी नहीं थे। इससे साफ है कि आरसीबी इन्हें नहीं चाहती थी। आरसीबी की सूची में स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का नाम जरूर था। इसके अलावा टीम की टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन को भी खरीदने की योजना थी। जिसमें वह सफल भी रही। इसके अलावा आरसीबी की सचूी में भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे। इसी वजह से उसने भुवी को मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके अलावा टी नटराजन, डेविड मिलर और जोश हेजलवुड भी उसकी योजना में शामिल थे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम

जोश हेजलवुड (12.50 करोड़ रुपये), फिल साल्ट (11.50 करोड़ रुपये), जितेश शर्मा (11 करोड़ रुपये), लियाम लिविंगस्टोन (8.75 करोड़ रुपये), रसिख सलाम (6 करोड़ रुपये), सुयश शर्मा (2.60 करोड़ रुपये), भुवनेश्वर कुमार (10.75 करोड़ रुपये), क्रुणाल पंड्या (5.75 करोड़ रुपये), टिम डेविड (3 करोड़ रुपये), जैकब बेथेल (2.60 करोड़ रुपये), नुवान तुषारा (1.60 करोड़ रुपये), रोमारियो शेफर्ड (1.50 करोड़ रुपये), स्वप्निल सिंह (50 लाख रुपये), मनोज भांडगे (30 लाख रुपये), देवदत्त पडिक्कल (2 करोड़ रुपये)), लुंगी एनगिडी (1 करोड़ रुपये), मोहित राठी (30 लाख रुपये), अभिनंदन सिंह (रुपये) 30 लाख), स्वास्तिक चिकारा (30 लाख रुपये)।

राज्यपाल ने किया इन्फिनिटी पैरा स्पोर्ट्स अकादमी हाई-परफॉरमेंस पैरा-स्पोर्ट्स अकादमी का उद्घाटन

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगमपेट में आदित्य मेहता फाउंडेशन की इन्फिनिटी पैरा स्पोर्ट्स अकादमी में एक महत्वपूर्ण अवसर देखने को मिला, जब तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने इसकी नई पुनर्निर्मित हाई-परफॉरमेंस अकादमी का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में हाल ही में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले पैरा-एथलीटों को सम्मानित किया गया। समारोह में सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य अतिथि सुश्री साधना रश्मि, आईपीएस, डीसीपी, नॉर्थ ज़ोन सुश्री वनिता दातला, आदित्य मेहता फाउंडेशन (एएमएफ) की ट्रस्टी और एलीको लिमिटेड की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री मधुकर नाइक डी. सीईओ, सिकंदराबाद छावनी बोर्ड श्री टी. गोपालकृष्ण, डिप्टी कमिश्नर और क्षेत्र प्रमुख, जेएनवी साउथ व अन्य शामिल थे। इन्फिनिटी पैरा स्पोर्ट्स अकादमी उत्कृष्टता और समावेशिता के प्रतीक के रूप में खड़ी है, जो विश्व स्तर की सुविधाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो पैरा-एथलीटों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।इस अवसर पर बोलते हुए जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि मैं इस असाधारण सभा के सामने खड़े होकर वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं - प्रतिभा, दृढ़ता और अदम्य मानवीय भावना का एक प्रमाण। आज, हम विपरीत परिस्थितियों पर इच्छाशक्ति की जीत का जश्न मनाते हैं, यह साबित करते हुए कि विकलांगता सफलता की बाधा नहीं बल्कि महानता की सीढ़ी है। दूसरों को रोकने वाली चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, इन उल्लेखनीय एथलीटों ने बाधाओं को चुनौती दी है, अथक प्रशिक्षण लिया है और असाधारण मील के पत्थर हासिल किए हैं यहाँ की सुविधाएँ वास्तव में विश्वस्तरीय हैं, जो प्रतिभा को निखारने और भारत भर के एथलीटों को सशक्त बनाने के लिए एएमएफ की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इस फाउंडेशन को और भी उल्लेखनीय बनाने वाली बात है इसकी समावेशिता, ऐसा माहौल बनाना जहाँ सभी क्षेत्रों के लोग आगे बढ़ सकें और चमक सकें। एएमएफ सिर्फ़ एक मंच नहीं है; यह आशा की किरण और सपनों का इनक्यूबेटर है, जो एक उज्वल और अधिक समावेशी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

मधुकर नाइक ने कहा कि हमें हैदराबाद में, खासकर कैंटोनमेंट में पहली पैरा स्पोर्ट्स अकादमी होने पर बहुत गर्व है। यह संस्थान विशेष जरूरतों वाले बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है, उन्हें बहुत प्रोत्साहन, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलता है।

इमाद और आमिर के बाद अब पाकिस्तान के तेज गेंदबाज इरफान ने संन्यास लिया

लाहौर, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में आजकल लगता है खिलाड़ियों के संन्यास लेने का दौर चल रहा है। इमाद वसीम और मोहम्मद आमिर के बाद अब एक और तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान ने भी संन्यास की घोषणा कर दी है। इस प्रकार पिछले तीन दिनों में ही पाक के इन 3 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 7 फीट से ज्यादा लंबे इरफान अपनी स्विंग गेंदबाजी के लिए जाने जाते थे। पिछले काफी समय से टी से बाहर चल रहे इरफान ने अपने संन्यास के बारे में जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है कि मैं अपने साथियों, कोचों को सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आपके प्यार, उत्साह और अविस्मरणीय यादों के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं उस खेल का समर्थन करना और जश्न मनाना जारी रखूंगा जिसके कारण ही मैं यहां तक पहुंचा हूं। इरफान ने पाक टीम के लिए अंतिम बार साल 2019 में अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे हैं। साल 2010 में उन्होंने पाक टीम की ओर से डेब्यू करने के बाद तीनों प्रारुपों में खेलते हुए4 टेस्ट में 10 विकेट, 60 एकदिवसीय मैचों में 83 विकेट और 22 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 16 विकेट लिए थे।

मोहम्मद इरफान का भले ही टेस्ट करियर ज्यादा लंबा ना रहा हो पर एकदिसवीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अपने बल पर पाक टीम को कई मैचों में जीत दिलाई है। उन्होंने पाक टीम की ओर से साल साल 2012 में भारत के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपना पहला टी20 खेला था।

गिलेस्पी की लगातार उपेक्षा कर रहा था पीसीबी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच का पद छोड़ने वाले जैसन गिलेस्पी ने अब इसके कारणों का खुलासा किया है। गिलेस्पी ने कहा कि पाक बोर्ड उनकी लगातार उपेक्षाकर रहा था यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम के चयन में उनसे सलाह नहीं ली गयी थी। पीसीबी के कुछ अधिकारियों ने गिलेस्पी के लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर दी थी। उन्हें टीम से जुड़े अधिकांश फैसलों से अलग-थलग कर दिया गया था। उनके अनुरोध के बाद भी बोर्ड ने हाई परफार्मेंस कोच टिम नीलसन के करार को आगे नहीं बढ़ाया था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम के चयन में भी उनकी भूमिका नहीं थी। गिलेस्पी इस बात से भी नाराज थे कि नीलसन का करार आगे नहीं बढाया गया है। बोर्ड ने सीमित ओवरों के प्रारूप के अंतरिम कोच और सीनियर चयनकर्ता आकिब जावेद की सिफारिश पर उनकी जगह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से शाहिद इस्लाम को सहयोगी स्टाफ के रुप में रखा। गिलेस्पी से पहले सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी के खराब रवैये के कारण पद छोड़ना पड़ा था।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे आया

इससे पहले रूस भारत के लिए कच्चे तेल का मुख्य स्रोत था

नई दिल्ली,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे गिरकर जून, 2022 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो एक यूरोपीय शोध संस्थान की मासिक रिपोर्ट से प्रकट हुआ है। इससे पहले, रूस भारत के लिए कच्चे तेल का मुख्य स्रोत था, परंतु फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद, अब भी रूस से कच्चे तेल के आयात में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से इसलिए हुई है क्योंकि रूस में कच्चे तेल उपलब्धता में छूट मिली थी, और यूरोपीय देशों ने भी रूस से कच्चे तेल की खरीद से बचाव किया। इसलिए रूसी कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध अन्य विकल्पों से कम थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जो जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। हालांकि, रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है।

रूस के आयात से अधिकतम जीवाश्म ईंधनों में से, भारत नवंबर में रूसी जीवाश्म ईंधन के तीसरे सबसे बड़े खरीदार बन गया है। रूसी कच्चे तेल के साथ-साथ, भारत ने रूस से कम कोयला भी आयात किया है, जिसकी मात्रा हालात पर आधारित है। इस पूरे विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर और ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि भारत के ऊर्जा संगठन सुनिश्चित कर सकें कि देश की ऊर्जा खाप्रवृत्तिकी में विश्वस्त स्थिति बनाए रखने हेतु कोई और वैकल्पिक स्रोत हो।

न्यूज ब्रीफ

गौतम अडानी ने 1 दिन में कमाए 2.43 अरब डॉलर, मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की

नेटवर्थ में अचल संपत्ति की मांग व उपायुक्तता के कारण बड़ा उछाल देखने को मिला। गौतम अडानी की दौलत एक ही दिन में 2.43 अरब डॉलर बढ़कर 81.8 अरब डॉलर तक पहुंची, जबकि मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई और उनकी नेटवर्थ 95.9 अरब डॉलर रह गई। साथ ही दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की नेटवर्थ में भी शुक्रवार को 4.77 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे उनकी दौलत 442 अरब डॉलर पर आ गई। मस्क की नेटवर्थ में यह गिरावट बात दिल दहला देने वाली है, हालांकि इस साल अब तक उनकी संपत्ति 213 अरब डॉलर बढ़ी है। यह तेजी और गिरावट नेटवर्थ की मुद्रा में अवधि के दौरान हुई तरंगों के प्रभाव का परिणाम है। इस विपरीतता के बावजूद, गौतम अडानी और एलन मस्क के संपत्ति नमि में दृढ़ता का सामर्थ दिखा रहे हैं, जो दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में है। इस समाचार से वित्तीय बाजार में तरंग गैर स्थिरता का सिग्नल प्राप्त हो रहा है, जिसका असर निवेशकों और वित्तीय विश्लेषकों पर हो सकता है।

जनवरी से नवंबर तक यूपीआई से लेन-देन का नया रिकॉर्ड, 15,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, 223 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) द्वारा होने वाली लेन-देन का आंकड़ा नए रिकॉर्ड लेकर आया

है। वित्त मंत्रालय ने जारी किया एक बड़ा घोषणापत्र, जिसमें बताया गया कि जनवरी से नवंबर-2024 तक यूपीआई के जरिए कुल 15,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए हैं। इस अवधि में ये रेकॉर्ड करोड़ों रुपए की राशि को सुरक्षित और आसान बनाने में सहायक हुआ है। यूपीआई का उपयोग सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि 7 अन्य देशों में भी हो रहा है।

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,766 करोड़ का निवेश किया

नवंबर में 21,612 करोड़ और अक्टूबर में 94,017 करोड़ की निकासी की गई थी

नई दिल्ली,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो एक सकारात्मक संकेत है। पिछले महीनों की तुलना में, नवंबर में भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की गई थी।

इस तरह की यात्रा में अप्रत्याशित ताक़त महसूस हो रही है। एफपीआई का मई के बाद का सबसे बड़ा या करने वाला निवेश का वापसी करने के बाद, हालांकि, विदेशी निवेशकों के निवेश के रुख में थोड़ी उलझन भी दिखाई दे रही है। एफपीआई के 2024 में शेयरों में 7,747 करोड़ रुपये का निवेश इसे दिखाता है कि उनका भविष्य कैसा हो सकता है।

विश्लेषण करने वाले इंडिया के एक एसोसिएट निदेशक के अनुसार भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह कई तथ्यों पर निर्भर करेगा, जैसे कि राष्ट्रपति के नीतियाँ, मुद्रास्फीति और ब्याज दर की स्थिति। ये सभी मुद्दे भारतीय बाजार और निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारतीय कंपनियों के नतीजों और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भी नजर रखा जा रहा है, और ये भी भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेगी।

एफपीआई का निवेश साफ़ है कि अमेरिकी बैंक की ब्याज दर में कटौती की उम्मीद के कारण है। इससे मुद्रास्फीति की स्थिति में भी सुधार की संभावना है, जिससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने तरलता बढ़ाने के उपाय अपनाए हैं, जिससे निवेशकों को आत्मविश्वास और स्थायित्व मिला है। उनके अनुसार सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति में भी सुधार का संकेत है, जिससे निवेशकों की उम्मीदों ने वृद्धि की है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने बॉन्ड में 4,814 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि उन्होंने स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 666 करोड़ रुपये की निकासी की है। साल भर में, एफपीआई ने बाजार में 1.1 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो एक बड़ा और सकारात्मक चेतावनी है। इस नए स्थिति में भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह बढ़ सकता है, और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक नया दौर शुरू हो सकता है।

पोस्ट ऑफिस की मंथली सेविंग स्कीम में करें निवेश, मंथली होगी 9,250 रुपये की इनकम

नई दिल्ली। भारतीय निवेशकों के लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली सेविंग स्कीम एक लोकप्रिय विकल्प साबित हो रही है। यह एक डिपॉजिट स्कीम है, जिसमें होने वाली मंथली कमाई निवेशकों के लिए आकर्षक है। इस स्कीम में नागरिक या उनके बच्चे अकाउंट खोल सकते हैं। यदि बच्चा 10 साल से कम उम्र का है, तो उसके नाम पर अकाउंट के लिए उसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक आवेदन कर सकते हैं। सिंगल या ज्वाइंट अकाउंट में निवेश करने का विकल्प है। ज्वाइंट अकाउंट में अधिक निवेश करने के अवसर हैं, जिससे अधिक आय की संभावना होती है। साथ ही, अकाउंट खोलने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। पोस्ट ऑफिस एमआईएस अकाउंट में 5 साल के बाद निकाली जा सकती है निवेश राशि। इस समय के लिए ब्याज दर 7.4 फीसदी है, जिससे निवेशकों को सालाना और मंथली निरंतर आय प्राप्त होती है। अगर कोई व्यक्ति सिंगल अकाउंट में 9 लाख रुपए निवेश करता है, तो उसे ब्याज की माध्यम से प्रति साल 66,600 रुपए और हर महीने 5,550 रुपए की कमाई होती है। साथ ही ज्वाइंट अकाउंट में निवेश करते हुए सालाना 1,11,000 रुपये तक की कमाई संभावना है। इस स्कीम के माध्यम से छोटे निवेशकों को आसानी से नियमित आय प्राप्त करने का मौका मिलता है।

सेबी का एल्गो ट्रेडिंग प्रस्ताव- रिटेल निवेशकों के लिए बढ़िया विकल्प

एल्गो ट्रेडिंग से रिटेल निवेशक तेजी से शेयरों की खरीद-फरोख्त कर सकेंगे

नई दिल्ली,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुरक्षित, सही और पारदर्शी निवेश की दिशा में भारतीय बाजार नियामक सेबी ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव के अनुसार रिटेल निवेशकों के लिए भी एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा उपलब्ध होगी। यह विशेष सुविधा अब न केवल संस्थागत निवेशकों के लिए होगी, बल्कि रिटेल निवेशकों को भी इसका लाभ मिलेगा। एल्गो ट्रेडिंग का उपयोग करके रिटेल निवेशक तेजी से शेयरों की खरीद-फरोख्त कर सकेंगे और इसके माध्यम से लेन-देन प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। इस प्रस्ताव से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ेगी और निवेशकों को नए और बेहतर विकल्पों के साथ निवेश किए जाने का मौका मिलेगा। सेबी की धारा से रिटेल निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा में सुरक्षा और उचित नियमों का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए ब्रोकरों को स्टॉक एक्सचेंज से पहले अनुमति लेनी होगी और हर लेन-देन को यूनिक आईडेंटिफायर से टैग करके निगरानी में रखा जाएगा। इस प्रस्ताव के माध्यम से रिटेल निवेशकों के निवेश अनुभव को मजबूत किया जा रहा है और उनके लिए पारदर्शी और सुरक्षित निवेश के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यह प्रस्ताव रिटेल निवेशकों को बाजार में अधिक भागीदारी लेने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस सुरक्षित, उपयोगकर्ता-मित्र एल्गो ट्रेडिंग सुविधा के आने से अब रिटेल निवेशक भी बाजार में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे और उनके निवेश के लिए नए दिशानिर्देश मिलेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आतंकियों के खिलाफ...

सख्त रुख वाले डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ाने के जिम्मेदार बांग्लादेशियों के खिलाफ सख्त उपाय लागू करेंगे, इसकी पूरी संभावना है।बांग्लादेश आरएबी के महानिदेशक द्वारा मांगी गई सार्वजनिक माफी ने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में सुरक्षा को लेकर बहस को जन्म दिया है। स्पष्ट है कि महानिदेशक के बयान ने कानून प्रवर्तन तंत्र के मनोबल को काफी कमजोर किया है और प्रशासनिक मशीनरी के भीतर अराजकता पैदा की है। माफीनामे का समय और माफी का विषय आरएबी को बदनाम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। बांग्लादेश की सुरक्षा से जुड़ी एक प्रमुख संस्था को खत्म करने का यह कुचक्र बांग्लादेश को फिर से उभरने वाले आतंकवाद और संगठित अपराध के लिए असुरक्षित बना देगी, जिससे आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में वर्षों की प्रगति पर पानी फिर जाएगा। शेख हसीना को बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल होने के बाद ही कट्टरपंथी ताकतों और पाकिस्तानी सूत्रधारों ने आरएबी पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। षडयंत्र में केंद्रीय भूमिका निभाने वाली हिलेरी क्लिंटन, निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन, उनके पुत्र हंटर बाइडेन और सलाहकार डोनाल्ड लू ने मोहम्मद यूनुस को सत्ता पर बिठाने के साथ ही आरएबी पर तमाम प्रतिबंध लगा दिए थे। वह एजेंडा आरएबी महानिदेशक की सार्वजनिक माफी से दुनिया के सामने उजागर हो गया है।

एक देश...

पहले रिपोर्ट आई कि सरकार की ओर से केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सोमवार 16 दिसंबर को इसे लोकसभा में पेश करेंगे। लेकिन सोमवार को लोकसभा की संशोधित कार्य सूची में इस विधेयक का नाम शामिल नहीं किया गया, जबकि पहले इसे सूचीबद्ध किया गया था।वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, एक राष्ट्र एक चुनाव कानून लाना हमारी प्रतिबद्धता और प्राथमिकता है। हम यह कानून जरूर लाएंगे। अमित शाह ने इस कानून से संघीय ढांचे को कमजोर करने के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, वन नेशन वन इलेक्शन कोई नई बात नहीं है। साल 1952 का चुनाव एक साथ हुए थे। 1957 में आठ राज्यों की विधानसभाएं भंग कर दी गईं, ताकि अलग-अलग तारीख होने के बावजूद उनके एक साथ चुनाव कराए जा सकें। तीसरी बार भी यही प्रक्रिया अपनाई गई।

अमित शाह ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा केरल में सीपीआई (एम) सरकार को गिराने के बाद इसे रोक दिया गया था। इसके बाद इंदिरा गांधी ने बड़े पैमाने पर सरकार गिराने की प्रथा अपनाई। यहां तक कि 1971 में सिर्फ चुनाव जीतने के लिए समय से पहले लोकसभा को भंग कर दिया गया था। यहीं से बेमेल शुरू हुआ और चुनाव अलग-अलग होने लगे। बिल को राष्ट्रपति चुनाव मॉडल बताने और इससे भाजपा को फायदा होने के आरोपों को अमित शाह ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल गलत है। ओड़ीशा में विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव एक साथ कराए गए थे, लेकिन भाजपा हार गई। साल 2019 में हमें पूरे देश में भारी जनादेश मिला, लेकिन हम आंध्र प्रदेश में हार गए।संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद पहली बैठक में एक तारीख तय की जाएगी। इस तय तारीख के बाद सभी निर्वाचित राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल के साथ समाप्त हो जाएगा, जिससे एक साथ चुनाव कराने का मार्ग साफ हो जाएगा। अब 2024 के चुनाव हो चुके हैं तो संभव है कि 2029 के आम चुनाव के बाद यह तारीख तय की जाएगी। ऐसे में 2034 से पहले एक साथ चुनाव होने की उम्मीद बेहद कम है। इस बिल को आधिकारिक रूप से संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 कहा जाता है।

इस विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 82ए (लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव) को शामिल करने और अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि), 172 (राज्य विधानसभाओं की अवधि) और 327 (विधानसभाओं के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति) में संशोधन करने का प्रस्ताव है। विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 82ए को शामिल किया गया है, जो लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव की अनुमति देगा। इसमें एक साथ चुनाव को लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के गठन के लिए आयोजित आम चुनावों के रूप में परिभाषित किया गया है।

इस विधेयक में कहा गया है कि आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तारीख को जारी की गई सार्वजनिक अधिसूचना द्वारा राष्ट्रपति इस अनुच्छेद के प्रावधानों को लागू करेंगे। अधिसूचना की तारीख को नियत तारीख कहा जाएगा। नियत तिथि (अधिसूचना की तिथि) के बाद और लोकसभा के कार्यकाल खत्म होने से पहले हुए गठित विधानसभाएं लोकसभा के कार्यकाल के साथ ही खत्म हो जाएंगी। विधेयक का अनुच्छेद 82ए (3) विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया है कि लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले, चुनाव आयोग लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ आम चुनाव कराएगा। संविधान के भाग 15 (चुनाव) के प्रावधान उन चुनावों पर जरूरी परिवर्तनों के साथ लागू होंगे, जो आवश्यक हो सकते हैं और जिन्हें चुनाव आयोग आदेश निर्देश दे सकता है। विधेयक की धारा 82ए (5) में कहा गया है कि जब चुनाव आयोग की यह राय हो कि किसी विधानसभा के चुनाव लोकसभा के आम चुनावों के साथ नहीं कराए जा सकते तो वह राष्ट्रपति को ये आदेश देने की सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा के चुनाव बाद की किसी तिथि में कराए जा सकते हैं।विधेयक में कहा गया है कि यदि विधानसभा का कार्यकाल स्थगित भी कर दिया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 172 में वर्णित किसी भी बात के बावजूद, पूर्ण कार्यकाल उसी तिथि को समाप्त होगा जिस तिथि को आम चुनावों में गठित लोकसभा का पूर्ण कार्यकाल समाप्त हुआ था। अनुच्छेद 83 में खंड 3 से 7 को सम्मिलित करने का प्रस्ताव है, जो मध्यावधि चुनाव के बारे में बात करता है। इसमें कहा गया है कि जब लोकसभा 5 वर्ष की पूर्ण अवधि से पहले भंग हो जाता है तो विघटन की तिथि और पूर्ण अवधि की समाप्ति के बीच की अवधि एक पूर्ण अवधि (जो पूरी नहीं हुई हो) होगी। बिल के अनुसार, विघटन के बाद मध्यावधि चुनाव होंगे और एक नई लोकसभा का गठन केवल अपूर्ण (पूर्ण अवधि के बीच बाकी बची) अवधि के लिए किया जाएगा। हालांकि, गठित नई लोकसभा तत्काल पूर्ववर्ती लोकसभा की निरंतरता नहीं होगी। अनुच्छेद 172 में इन खंडों को सम्मिलित करके विधानसभाओं के लिए इसी तरह के मध्यावधि चुनाव प्रस्तावित हैं।

एक देश एक चुनाव को...

बसपा चीफ ने भाजपा से ज्यादा कांग्रेस और सपा को कोसा। उन्होंने कहा कि जब बाबा साहब ने इस्तीफा दिया और लोकसभा में अपनी बात रखनी चाहिए तो कांग्रेस ने बोलने नहीं दिया है। उन्होंने अपनी बात मीडिया में रखी। कांग्रेस पार्टी की ही सरकार थी, उसके बावजूद भी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को हर मामले में पात्र रहने के बावजूद भारत रत्न नहीं दिया गया। मायावती ने कहा कि मान्यवर कांशीराम की मौत के बाद कांग्रेस सरकार ने एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। मायावती ने इस दौरान तीन मुख्य बड़ी बातें कहीं।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा संसद के अंदर संविधान पर जो चर्चा चल रही है, उसमें एससी-एसटी और अन्य पिछड़ा वर्गों के लोगों की बात और खासकर आरक्षण को लेकर जो बातें कही जा रही हैं, उसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। कांग्रेस की ही सरकार थी, जब समाजवादी पार्टी ने प्रमोशन में आरक्षण बिल को संसद के अंदर फाड़कर फेंक दिया था। इसका भारी विरोध किया था और बसपा ने इस बिल को पास कराने के लिए अथक प्रयास किया था। हालांकि इन पार्टियों की वजह से अभी तक यह बिल पास नहीं हो पाया है।

संविधान की...

संभल में इतना प्राचीन मंदिर, बजरंग बली की प्राचीन मूर्ति और ज्योतिर्लिंग रातों रात तो नहीं आया होगा। उन्होंने कहा कि 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया था, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली? संभल में जिनकी निर्मम हत्या हुई, उन निर्दोषों का क्या कसूर था? योगी ने कहा, जो भी सच बोलेगा, उसे धमकी दी जाएगी, मुंह बंद कराने का प्रयास होगा।सीएम ने कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर करते हुए कहा कि जो लोग भारत का ठेका लेकर घूमते हैं और डिस्कवरी ऑफ इंडिया को भारत का सबसे प्राचीन ग्रंथ मानते हैं। वे संविधान के नाम पर पाखंड कर रहे हैं। 9 नवंबर 2019 को उच्चतम न्यायालय ने श्रीराम जन्मभूमि से संबंधित फैसला दिया, लेकिन ऐसे लोग आज भी जज को धमकी देते हैं। राज्यसभा के सभापति (उप राष्ट्रपति) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उनकी आवाज को दबाना चाहते हैं। सभापति ने कर्तव्यों के निर्वहन की बात की और कहा कि सदन चलना चाहिए। जनता से जुड़े मुद्दे सदन में रखे जाने चाहिए। इस पर इन लोगों (विपक्षियों) ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस दी।सीएम योगी ने कहा कि उपराष्ट्रपति अपनी योग्यता व क्षमता के बल पर संवैधानिक मर्यादा का पालन करते हुए उच्च सदन का संचालन कर रहे हैं। विरोधियों को चिंता है वे कर्तव्यों का निर्वहन न कर सकें। उन्हें यह हजम नहीं हो रहा कि किसान का पुत्र कैसे वहां तक चला गया। यह परिवार विशेष की बपौती हुआ करती थी। न्यायमूर्ति एक नागरिक के रूप में सच्चाई को रखते हैं तो उन्हें धौंस दी जाती है। यह लोग सच बोलने वाले को महाभियोग का धौंस देकर उनका मुंह बंद करने का प्रयास करेंगे, फिर भी संविधान की दुहाई देंगे। यह दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। सच को दबाने वाले ऐसे लोगों को नंगा करना चाहिए।सीएम योगी ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति शेखर यादव ने समान नागरिक संहिता की बात कही। दुनिया में बहुसंख्यक समाज की भावना का सम्मान हर हाल में होता है। भारत में बहुसंख्यक समाज के हितों की चर्चा हुई, सच्चाई बोलना अपराध नहीं है। राज्यसभा में इन लोगों ने माननीय न्यायमूर्ति के खिलाफ महाभियोग की नोटिस दी है। यह खुद को लोकतांत्रिक कहते हैं। संविधान की पुस्तक साथ लेकर चलते हैं, लेकिन इन्हें शर्म नहीं है। यह संविधान का गला घोंटने वाले लोग हैं।

सीएम योगी ने कहा कि देश में हर हाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) होना चाहिए। दुनिया में बहुसंख्यक समाज जो कहता है, व्यवस्था वैसे संचालित होती है। भारत कह रहा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त होना चाहिए। सब लोगों पर समान कानून लागू होना चाहिए। बहुसंख्यक समाज कह रहा है कि अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भेद समाप्त होना चाहिए, लेकिन यह लोग धौंस दे रहे हैं। संविधान का गला घोंटकर जबरन अपने दम पर देश की व्यवस्था चलाना चाहते हैं। देश तमाशा देख रहा है। अपनी दबंगई से सच को दबाने की कोशिश करने वालों को एक्सपोज किए जाने की आवश्यकता है।

सार्थक संसद को ...

इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी होता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, लेकिन लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण कर्म स्थल को नासमझ लोगों ने अराजकता का केंद्र बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। आचार और मर्यादा की सीख देने वाले राज्यसभा के सभापति इन्हें पसंद नहीं आते और अमर्यादित तरीके से वे अविश्वास प्रस्ताव दाखिल कर देते हैं। यह अपसंस्कृति भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत घातक है, इसे तरजीह नहीं मिलनी चाहिए।

नूंह में फिर...

बसाने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और वो पथराव में तब्दील हो गई। इसी संघर्ष में आग लगने से एक महिला की मौत हो गई।9 मई 2024 को लहरवाड़ी गांव में एक खेत में जबरदस्ती मिट्टी डालने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। विवाद के दौरान घायल हुए रिजवान की दूसरे दिन इलाज के दौरान रोहतक पीजीआई में मौत हो गई थी। परिजनों द्वारा दी गई शिकायत पर पुन्हाना पुलिस ने जल्लू, नौसाद, कईफा, साजिद, राहुल, रमजान, सलिम, युसुफ, आलम, मुदट, समसु, रहीस, वासिक, सिराजुद्दीन, कल्लू, अकबरी, कौशल, जाहिद व इजहार सहित 15 आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की थी।

परिजनों ने कई बार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई तो पुलिस ने मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन, कई आरोपी गांव से फरार थे। शुक्रवार को फरार आरोपियों के वापसी के दौरान गांव में संघर्ष के बाद तनाव बढ़ गया। जांच अधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि सूचना मिली थी कि ग्राम लहरवाड़ी में पेट्रोल डालकर एक महिला को आग के हवाले कर दिया गया है। मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मृत महिला की पहचान मो. याकूब की पुत्री के रूप में की गई है। उम्र 32 साल के करीब है। मामले में कई लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें से कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कुछ लोग भारत ...

जागीर समझा और कच्चातिवु द्वीप तथा अक्साई चिन को दूसरे देशों को दे दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका के हवाले कर दिया। इसमें किसी भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और यह सिर्फ राजनीतिक कारणों से किया गया था।

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में अक्साई चिन को चीन के हवाले कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में पता चला कि कांग्रेस की सरकार सियाचीन को पाकिस्तान को देने के लिए तैयार थी। भाजपा को लोकतंत्र की रक्षक बताते हुए उन्होंने कहा, भाजपा संविधान और क्षेत्रीय अखंडता की संरक्षक है। वहीं, विपक्षी दल भारत को राज्यों का संघ मानते हैं। दक्षिण बेंगलुरु संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद सूर्या ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की सरकारों में संविधान की आत्मा पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि संविधान में समाजवादी और पंथनिरपेक्षता को जोड़ने का मकसद सिर्फ परिवारवादी एकाधिकार स्थापित करना था। सूर्या ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में सरकार के समाजवादी रुख के कारण देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी।

कर्नाटक से लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की सरकारों ने देशवासियों से कभी न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद देश के गरीबों को आर्थिक न्याय मिला है। उन्होंने कहा, जो लोग संविधान पर हमला करने वाले थे, उन्हें संविधान का चैम्पियन बताया गया। इस पाखंड को बेनकाब किया जाना चाहिए।

काली प्रतिमा का...

हम सभी अच्छे से जानते हैं कि ये हरकत किसकी है। यह हरकत मुस्लिमों की है। तस्लीमा नसरीन ने इस करतूत पर अपने ट्वीट के जरिए गुस्सा भी दिखाया है। जमालपुर के एडिशनल एसपी सुहैल महमूद ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। हिंदू समुदाय में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है, लेकिन अभी तक हमलावरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की गई है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन करें गणेश चालीसा का पाठ

जल्द मिलेगा मनचाहा करियर

सनातन धर्म में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने के लिए चतुर्थी तिथि को शुभ माना जाता है, क्योंकि गणपति बप्पा को चतुर्थी तिथि प्रिय है। हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर व्रत किया जाता है। पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर अखुरथ संकष्टी चतुर्थी व्रत किया जाता है। पंचांग के अनुसार, अखुरथ संकष्टी चतुर्थी पर्व 18 दिसंबर को है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दिन गणेश जी की पूजा करने से जातक को जीवन में सफलता प्राप्त होती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

गणेश चालीसा

।।दोहा।।

जय गणपति सदगुणसदन, कविवर बदन कृपाल।
विघ्न हरण मंगल करण, जय जय

।।चौपाई।।

जय जय जय गणपति गणराजू।
मंगल भरण करण शुभ काजू।।
जय गजबदन सदन सुखदाता।
विश्व विनायक बुद्धि विधाता।।
वक्र तुण्ड शुचि शुण्ड सुहावन।
तिलक त्रिपुण्ड भाल मन भावन।।
राजत मणि मुक्तन उर माला।
स्वर्ण मुकुट शिर नयन विशाला।।
पुस्तक पाणि कुठार त्रिशूलं।
मोदक भोग सुगन्धित फूलं।।
सुन्दर पीताम्बर साजित।
चरण पादुका मुनि मन राजित।।
धनि शिवसुवन षडानन भ्राता।
गौरी ललन विश्व-विख्याता।।
ऋद्धि-सिद्धि तव चंवर सुधारे।
मूषक वाहन सोहत द्वारे।।
कहौ जन्म शुभ-कथा तुम्हारी।
अति शुचि पावन मंगलकारी।।
एक समय गिरिराज कुमारी।
पुत्र हेतु तप कीन्हो भारी।।
भयो यज्ञ जब पूर्ण अनूपा।
तब पहुंच्यो तुम धरि द्विज रुपा।।
जानि कै गौरि सुखारी।

बिजनेस में सफलता प्राप्त करने के लिए अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन गणेश जी को गुड़ के लड्डू का भोग लगाएं। माना जाता है कि इस उपाय को करने से बिजनेस में सफलता मिलती है।

बहुविधि सेवा करी तुम्हारी।।
अति प्रसन्न है तुम वर दीन्हा।
पुत्र हित जो तप कीन्हा।।
मिलहि पुत्र तुहि, बुद्धि विशाला।
बिना गर्भ धारण, यहि काला।।
गणनायक, गुण ज्ञान निधाना।
पूजित प्रथम, रुप भगवाना।।
अस कहि अन्तर्धान रुप है।
पलना पर बालक स्वरुप है।।
बनि शिशु, रुदन जबहिं तुम ठाना।
लखि मुख सुख नहिं गौरि समाना।।
सकल मगन, सुखमंगल गावहिं।
ते सुरन, सुमन वर्षावहिं।।
शम्भु, उमा, बहु दान लुटावहिं।
सुर मुनिजन, सुत देखन आवहिं।।
लखि अति आनन्द मंगल साजा।
देखन भी आये शनि राजा।।
निज अवगुण गुनि शनि मन माहीं।
बालक, देखन चाहत नाहीं।।
गिरिजा कछु मन भेद बढ़ायो।
उत्सव मोर, न शनि तुहि भायो।।

इसके अलावा अखुरथ संकष्टी के दिन मंदिर या गरीब लोगों में अन्न और धन का दान करना चाहिए। इस उपाय को करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और जीवन में कभी भी किसी चीज की कमी नही होती है।

कहन लगे शनि, मन सकुचाई।
का करिहौ, शिशु मोहि दिखाई।।
नहिं विश्वास, उमा भयऊ।
शनि सों बालक देखन कहाऊ।।
पडतहिं, शनि दृग कोण प्रकाशा।
बोलक सिर उड़ि गयो अकाशा।।
गिरिजा गिरीं विकल हुए धरणी।
सो दुख दशा गयो नहीं वरणी।।
हाहाकार मच्यो कैलाशा।
शनि कीन्हो लखि सुत को नाशा।।
तुरत गरुड़ चढ़ि विष्णु सिधायो।
काटि चक्र सो गज शिर लाये।।
बालक के ऊपर धारयो।
प्राण, मंत्र पढ़ि शंकर डारयो।।
नाम गणेश शम्भु तब कीन्हे।
प्रथम पूज्य बुद्धि निधि, वन दीन्हे।।
बुद्धि परीक्षा जब शिव कीन्हा।
पृथ्वी कर प्रदक्षिणा लीन्हा।।
चले षडानन, भरमि भुलाई।
रचे बैठ तुम बुद्धि उपाई।।
धनि गणेश कहि शिव हिय हरषे।
नभ ते सुरन सुमन बहु बरसे।।
चरण के धर लीन्हें।
तिनके सात प्रदक्षिण कीन्हें।।
तुम्हरी महिमा बुद्धि बड़ाई।
शेष सहसमुख सके न गाई।।
मैं मतिहीन मलीन दुखारी।
करहुं कौन विधि विनय तुम्हारी।।
भजत रामसुन्दर प्रभुदासा।
जग प्रयाग, ककरा, दुर्वासा।।
अब प्रभु दया दीन पर कीजै।
अपनी भक्ति शक्ति कछु दीजै।।
श्री गणेश यह चालीसा।
पाठ करै ध्यान।।
नित नव मंगल गृह बसै।
लहे जगत सन्मान।।

।।दोहा।।

सम्वत अपन सहस्त्र दश, ऋषि पंचमी दिनेश।
पूरण चालीसा भयो, मंगल मूर्ति गणेश।।

गणेश जी के प्रिय भोग, जिन्हें अर्पित करने से रिश्ते होंगे मजबूत

सनातन धर्म में चतुर्थी तिथि को जीवन के सभी विघ्नों दूर करने के लिए शुभ माना जाता है। हर साल पौष में अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और भोग अर्पित करने से जातक को बिजनेस में सफलता प्राप्त होती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती अगर आप जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति चाहते हैं, तो अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा को प्रिय चीजों का भोग लगाएं। इससे जातक की सभी मुरादें पूरी होती हैं और गणेश जी प्रसन्न होते हैं। ऐसे में आइए जानते कि इस दिन पूजा थाली में किन भोग को शामिल करना फलदायी माना गया है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस बार पौष महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 18 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 43 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि समापन अगले दिन यानी 19 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 02 मिनट पर होगा। ऐसे में अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 18 दिसंबर को मनाई जाएगी।

भगवान गणेश जी के भोग

यदि आप गणपत्ति बप्पा की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन गणेश जी की पूजा-अर्चना करें। इसके बाद बेसन के लड्डू का भोग जरूर लगाएं। मान्यता है कि लड्डू का भोग लगाने से जातक को जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं। साथ ही सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

इसके अलावा पूजा थाली मोदक को भी शामिल कर सकते हैं। मान्यता है कि मोदक का भोग लगाने से गणेश जी प्रसन्न होते हैं और सभी मुरादें जल्द पूरी होती हैं। इसके अलावा जातक को पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है। केसर से बनी खीर का भोग लगाना भी फलदायी माना जाता। यदि आप वैवाहिक जीवन में सदैव खुशियां चाहते हैं, तो अखुरथ संकष्टी चतुर्थी की पूजा में मोतीचूर के लड्डू भी शामिल कर सकते हैं। मोदक का भोग लगाने से वैवाहिक जीवन सदैव खुशहाल रहता है और प्रेम संबंध भी मजबूत होते हैं। इसके अलावा गणेश जी को दूर्वा, नारियल, और गुड़ समेत आदि चीजें भी अर्पित कर सकते हैं।

माह में तुलसी की ऐसे करें पूजा पहिए की तरह बदलेगी किस्मत

हिंदू धर्म में 10वां महीना पौष होता है। सनातन शास्त्रों में इस माह का विशेष उल्लेख देखने को मिलता है। पौष माह को पूस के नाम से भी जाना जाता है। इस माह में शुभ और मांगलिक नही किए जाते हैं। सूर्य और पितरों को प्रसन्न करने के लिए पौष माह को उत्तम माना जाता है। इस माह में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि मां तुलसी की उपासना करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और धन लाभ के योग हैं। यदि आप जीवन में आप धन में वृद्धि चाहते हैं, तो पौष माह में रोजाना तुलसी की उपासना करें। इससे जातक को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जातक की किस्मत चमक सकती है।

तुलसी पूजा विधि

- पौष में रोजना सुबह जल्दी उठें स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें।
- इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। इस दौरान सूर्य देव के मंत्रों का जप करें।
- मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें।
- पौधे को चुनरी और फूलों की माला अर्पित करें।
- इसके बाद तुलसी में दें। पौधे के बाद देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें।
- मां तुलसी के मंत्रों का जप करें।
- मां तुलसी से सच्चे मन से सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए कामना करें।
- अंत में भोग लगाकर लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

तुलसी पूजा से मिलते हैं ये लाभ

- धार्मिक है कि तुलसी पूजा करने से धन लाभ के योग बनते हैं।
- भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर जातक की सभी मुरादें पूरी करते हैं।
- सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।
- जीवन में आ रहे दुख और संकट से मुक्ति मिलती है।
- बुरी शक्तियों से छुटकारा मिलता है।
- पूजा दौरान जरूर करें तुलसी के इन मंत्रों का जप

महाप्रसाद जननी सर्व सौभाग्यवर्धिनी, आधि व्याधि हरा नित्यं तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

तुलसी स्तुति मंत्र

देवी त्वं निर्मिता पूर्वमर्चितासि मुनीश्वरैः
नमो नमस्ते तुलसी पापं हर हरिप्रिये।।
तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमनः प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

इस उपाय से आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो इस समस्या को दूर करने के लिए तुलसी के पत्तों को लाल कपड़े में बांध लें। इसके बाद इसे कुछ समय के लिए मंदिर में रखें। फिर इसे तिजोरी या में रखें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी खत्म होती है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

वास्तु के इन उपायों से कर्ज से मिलेगा छुटकारा नए साल में नहीं होगी धन की कमी

वर्तमान में कई लोग अधिक मेहनत करने के बाद भी कर्ज समस्या का सामना कर रहे हैं। इस परेशानी को दूर करने के लिए वह कई तरह के उपाय कर रहे हैं। अगर आप भी कर्ज में डूब रहे हैं, तो ऐसे में आप वास्तु शास्त्र में वर्णित चमत्कारी उपाय जरूर करें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस आर्टिकल में बताए उपाय को करने से जल्द ही कर्ज की समस्या दूर होती है और आने वाले नए साल में इंसान को धन की कमी नहीं होगी। चलिए जानते हैं कर्ज मुक्ति से जुड़े वास्तु के उपाय के बारे में।

इस दिशा में रखें तिजोरी

वास्तु के कर्ज से छुटकारा पाने के लिए घर या दुकान में तिजोरी को उत्तर दिशा में रखना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा से सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। इसके अलावा इस दिशा में देवी लक्ष्मी और कुबेर देव का भी वास माना गया है। इसी वजह इस शुभ दिशा में धन रखने से कर्ज जल्द खत्म होता है और धन से जुड़ी परेशानियां दूर होती हैं।

कर्ज लौटाने का ये दिन है उत्तम

अगर आपने किसी से कर्ज लिया है, तो उसे लौटाने के लिए मंगलवार का दिन सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसा माना है कि मंगलवार के दिन कर्ज लौटाने से इंसान को जल्द ही कर्ज के राहत मिलती है।

इस दिशा में रखें देवी लक्ष्मी की मूर्ति

वास्तु के अनुसार, दुकान या ऑफिस की उत्तर दिशा में मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की मूर्ति या तस्वीर रखनी चाहिए और हर दिन देवी लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा करें। इससे कर्ज की समस्या दूर होती है और धन लाभ के योग बनते हैं। इसके अलावा आने वाले नए साल में इंसान को पैसों की कमी का सामना नही करना पड़ेगा।

पीपल के पेड़ की करें पूजा

कर्ज को जल्द खत्म के लिए शनिवार का दिन उत्तम माना जाता है। इस दिन सुबह नहाने के बाद पीपल के पेड़ की पूजा-अर्चना करें। साथ ही दीपक को जलाएं और पेड़ की परिक्रमा लगाएं और समस्या से मुक्ति पाने के लिए प्रार्थना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को सच्चे से करने से कर्ज कम होने लगता है और धन की प्राप्ति होती है।

क्या सचमुच 28 साल के बाद समाप्त हो जाता है मंगल दोष का प्रभाव?

ज्योतिष शास्त्र में मंगल देव को ऊर्जा का कारक माना जाता है। कुंडली में मंगल मजबूत होने पर जातक साहसी पराक्रमी होता है। साथ ही जातक हमेशा उत्साहित रहता है। जातक को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। वहीं, कमजोर मंगल होने पर जातक को जीवन में विषम परिस्थिति से गुजरना पड़ता है। ज्योतिष कुंडली में मंगल मजबूत करने के लिए हनुमान जी की पूजा करने की देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि मंगल दोष कैसे लगता है और क्या 28 वर्ष के बाद सचमुच मंगल दोष का प्रभाव समाप्त हो जाता है?

कैसे लगता है मंगल दोष?

कुंडली के प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादश भाव में मंगल रहने जातक मंगल दोष से पीड़ित होता है। आसान शब्दों में कहें तो अगर किसी जातक की कुंडली के प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादश के किसी भाव में मंगल विराजमान हैं, तो जातक मांगलिक है। मांगलिक जातक के विवाह में देर होती है। कई अवसर पर विवाह के वैवाहिक जीवन भी कष्टमय बीतता है। इसके लिए मंगल दोष का निवारण जरूरी है। वहीं, आंशिक मांगलिक होने पर सामान्य उपाय करने से दोष का प्रभाव समाप्त या क्षीण हो जाता है।

मंगल दोष परिहार

कई ज्योतिषियों का मत है कि 28 वर्ष के बाद मंगल प्रभाव समाप्त हो जाता है। इसके लिए किसी योग्य और प्रकांड ज्योतिष से सलाह लेनी चाहिए। कुंडली का विचार सही से करना चाहिए। कई अवसर पर ग्रहों की स्थिति कुछ इस प्रकार होती है कि मंगल दोष का परिहार स्वतः हो जाता है। इस स्थिति में मंगल दोष का जरूरी नहीं है। फिर चाहे जातक की उम्र 28 वर्ष हो उससे कम हो। वहीं, प्रबल मांगलिक के लिए दोष निवारण जरूरी है। प्रकांड ज्योतिषियों की मानें तो स्वराशि के साथ मंगल के रहने पर दोष का परिहार होता है। वहीं, गुरु और शुक्र के साथ रहने पर भी का प्रभाव क्षीण या परिहार हो जाता है। इसके लिए मंगल का विचार बारीकी से करना चाहिए। जबकि, शीघ्र विवाह और सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए मंगल दोष करा लेना चाहिए। योग्य पंडित जी की उपस्थिति में मंगल दोष का निवारण करना श्रेष्ठकर होता है। मंगल दोष निवारण के जातक मंगलनाथ मंदिर में भी भात पूजन करा सकते हैं।

आखिर क्यों महाकुंभ में त्रिवेणी संगम पर किया जाता है शाही स्नान?

महाकुंभ का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाता है। इस महापर्व का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बार महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी से हो रही है। वहीं, इसका समापन 26 फरवरी को होगा। प्रयागराज में शुरू होने जा रहा महाकुंभ का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। यह संगम विश्वभर में है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकुंभ में स्नान करने से जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन के सभी पापों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। प्रयागराज में महाकुंभ में त्रिवेणी संगम के तट पर स्नान करने का महत्व है। इस त्रिवेणी संगम पर स्नान करने को शाही स्नान के नाम से जाता है। क्या आपको पता है कि त्रिवेणी संगम पर शाही स्नान किस कारण से किया जाता है?

हिंदू धर्म के लिए प्रयागराज का संगम बेहद पवित्र माना जाता है। प्रयागराज में गंगा- यमुना और सरस्वती नदी में होता है। प्रयागराज के संगम में गंगा, सरस्वती और यमुना के मिलन का नजारा देखने को मिलता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि महाकुंभ, कुंभ और अर्धकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने से जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और पापों से छुटकारा मिलता है। महाकुंभ के दौरान शाही स्नान

को महत्वपूर्ण माना गया है। शाही स्नान के लिए साधु और संत अधिक संख्या में स्नान करने के लिए पहुंचते हैं, जिससे उन्हें की प्राप्ति होती है। महाकुंभ में साधु और संत का स्नान सम्मान के साथ कराया जाता है। इसी वजह से इसे शाही स्नान कहा जाता है। साधु और संत के बाद श्रद्धालु त्रिवेणी में स्नान करते हैं।

क्या है संगम का अर्थ

संगम का अर्थ मिलन है। संगम ऐसी को कहा जाता है जहां पर जल की 2 या 2 अधिक धाराएं मिल रही होती हैं।

कुंभ पर्व 2025 शाही स्नान तिथियां

- 14 जनवरी 2025 - मकर संक्रांति
- 29 जनवरी 2025 - मौनी अमावस्या
- 3 फरवरी 2025 - बसंत पंचमी
- 12 फरवरी 2025 - पूर्णिमा
- 26 फरवरी 2025 - महाशिवरात्रि

पौष अमावस्या पर इस विधि से करें अपने पितरों का तर्पण, होगी मोक्ष की प्राप्ति

हिंदू धर्म में अमावस्या बहुत धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखती है। यह वह समय है जब चंद्रमा आकाश में दिखाई नहीं देता है। पंचांग के अनुसार, साल की अंतिम अमावस्या पौष महीने में मनाई जाएगी, जिसे पौष अमावस्या के नाम से जाना जाता है। यह दिन पितृ पूजा के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस साल यह 30 दिसंबर को मनाई जाएगी, जिन लोगों को अपने पितरों पिंडदान या तर्णण करना है, उनके लिए यह दिन बेहद महत्वपूर्ण है, तो आइए इस दिन पितरों का तर्पण कैसे करना है? उसके बारे में जानते हैं।

सोमवती अमावस्या शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल पौष माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट पर शुरू होगी है। वहीं, इसका समापन 31 दिसंबर को सुबह 03 बजकर 56 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए 30 दिसंबर को सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी। इस दिन दान-पुण्य जरूर चाहिए।

पितृ तर्पण विधि- जिस स्थान पर पितरों का तर्पण करना हो, उस जगह को गंगाजल से पवित्र करें। इसके बाद एक दीपक जलाएं। जिनका तर्पण करना हो उसका चित्र स्थापित करें। पितृ देवता के मंत्रों से उनका आवाहन करें। कुश की जूड़ी लेकर जल से भरे लोटे में फिर अपने पितरों का नाम लेते हुए जल चढ़ाएं। इसके साथ ही दूध, दही, घी आदि को भी जल में मिलाकर अर्पित करें। तर्पण के समय ओम तर्पयामी मंत्र का जाप करें। पिंड बनाकर उन्हें कुश पर रखकर जल से सींचें। उनका प्रिय भोजन उन्हें अर्पित करें। फिर पितरों श्रद्धांजलि अर्पित करें। अंत में पशु और पक्षियों को भोजन कराएं। तर्पण के पश्चात क्षमता अनुसार दान करें।

पितरों पूजन मंत्र

1. ॐ पितृ देवतायै नमः।।
2. ओम आगच्छन्तु में पितर एवं ग्रहन्तु जलान्जलिम।।
3. ॐ पितृगणाय विद्महे जगत धारिणी धीमहि तन्नो पितृो प्रचोदयात्।

एक्टिंग नहीं मोहब्बत थी फिल्मों में आने की वजह : सोमी अली

कई साल बाद सलमान खान की दोस्त और पूर्व अभिनेत्री सोमी अली ने मुंबई आने का राज खोला। उन्होंने इसे प्यार की तलाश का नाम दिया। दरअसल, सवाल उनसे नए साल के रेजोल्यूशन (संकल्प) को लेकर पूछा गया था। जब बातों का सिलसिला आगे बढ़ा तो उन्होंने एक ऐसे वाकए का भी जिक्र किया जिसने हैरान कर दिया था।

नए साल के संकल्प को लेकर जब उनसे पूछा गया तो कहा, मैं संकल्पों में विश्वास नहीं करती। मैं अनुशासन में विश्वास करती हूं। अमेरिका में कानून प्रवर्तन, राष्ट्रीय मानव तस्करी हॉटलाइन और एफबीआई के साथ मिलकर काम करना चाहूंगी।

उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों, बच्चों को सांत्वना देने के लिए वहां मौजूद रहना चाहती हैं।

क्योंकि मैं उनसे बहुत प्यार करती हूं। जिन बच्चों को मैं बचाती हूं, वे मेरे लिए दुनिया हैं और वे मेरे बच्चे हैं। मैं उनके दर्द और दुख को समझ सकती हूं और मेरे प्रशिक्षण ने मुझे एक वकील होने और एक व्यक्ति के रूप में खुद को अलग-अलग रखना सिखाया है। यह आसान नहीं है, लेकिन 17 साल बाद मैंने यह करना सीख लिया है।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 50,233 की संख्या तक पहुंच जाऊंगी और आज पांच और घरेलू हिंसा पीड़ितों को गया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मेरा छोटा सा गैर-लाभकारी संगठन जो मेरे अपने बेडरूम/कार्यालय से शुरू हुआ था। अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा: जब किसी शख्स को बार-बार कहा जाता है कि वह बेकार है और छोटी उम्र से कुछ नहीं कर पाएगा तो वो इसे दिल से लगा लेता है। ऐसे में उस बच्चे, उस किशोर, उस युवा वयस्क के लिए दो अमेरिकी राष्ट्रपति पुरस्कार जीतना और राष्ट्रपति ओबामा और राष्ट्रपति बुश की कंपनी में रहना आज भी एक सपने जैसा है।

बोलीं, सोमी हमेशा बिना किसी के ही जीती रही है।इसके साथ ही सोमी अली ने अपने भारत में बिताए पलों को याद किया। दावा किया कि उन्होंने भारत में भी महिलाओं पर अत्याचार होने के मामले में सत्ता के विपरीत काम किया है।

सोमी ने मुंबई आने की वजह और धोखे को लेकर खुलासा किया। बोलीं, जिंदगी में सबकुछ अप्रत्याशित होता है। एक ऐसा भी वक्त था जब मुझे एक शख्स ने कहा कि मैं मर्द हूं, मेरे ही अफेयर्स हो सकते हैं और मुझे ही 'वन नाइट स्टैंड' का हक है।

सोमी ने आगे कहा, मैं हैरान रह गई तब मैं 17 साल की ही थी और मुझे पता भी नहीं था कि मेरा इस्तेमाल किया जा रहा है। मैं 90 के दशक में उन 8-9 सालों में जो कुछ भी किया या जिस तरह से मैंने अपना जीवन जिया, उससे मुझे बिल्कुल भी शर्मिंदगी नहीं है। यह भूलिए कि मैं फिल्मों में अभिनय करने नहीं गई थी। मैं फिल्मों में प्यार में पड़ने और बदले में प्यार पाने की ललक में गई थी।इसलिए, मैं योजनाएं नहीं बनाती। मैं केवल ऊपर वाले के कानून पर विश्वास करती हूं और एक ऐसी विरासत छोड़ना चाहती हूं अपनी मां के लिए, हजारों बच्चों और महिलाओं के लिए। सोमी अली प्रोडक्शन इस दिशा में कदम बढ़ा चुका है।

उन्होंने कहा कि वह शॉर्ट फिल्मों में निर्माता, लेखक, निर्देशक और अभिनेता के रूप में काम कर रही हैं। इसलिए, मैं संतुष्ट हूं क्योंकि मैं ऐसी फिल्में बना सकती हूं सच्चाई बयां करती हैं। मुझे अब छिपने का डर नहीं है क्योंकि मेरे हाथ में कुछ भी बनाने और लिखने का लाइसेंस है। इस बार ऐसा कुछ भी नहीं है जो मुझे रोक सके।

वरुण धवन दिल्ली में अमित शाह से मिले

बोले-इनके सामने तो हम सब बेबी हैं

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' के प्रचार में व्यस्त हैं। एक्टर ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वरुण धवन ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अमित शाह के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है। जिसमें दोनों को मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। वरुण ने अमित शाह के लिए लिखा, इनके सामने तो हम सब 'बेबी' हैं। वरुण ने अमित शाह से मिलकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। दिल्ली में एक कार्यक्रम में वरुण धवन की अमित शाह से मुलाकात हुई, जहां उन्होंने एक दिलचस्प सवाल पूछा; राम और रावण में सबसे बड़ा अंतर क्या है?

अमित शाह ने कहा कि राम और रावण के बीच मुख्य अंतर कर्तव्यों या 'धर्म' को पूरा करने के उनके अलग-अलग तरीकों में निहित है। उन्होंने बताया कि राम जैसे लोगों के लिए, उनके व्यक्तिगत हित उनके कर्तव्य की भावना से निर्देशित होते हैं, जबकि रावण जैसे अन्य लोग अपनी जिम्मेदारियों से ज्यादा स्वार्थ को प्राथमिकता देते हैं। 'बेबी जॉन' एक थ्रिलर फिल्म है जिसे कालिस ने निर्देशित किया है। यह एटली की 2016 में आई तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थेरी' का हिंदी रूपांतरण है। फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में उनके साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जारा ज्याना और जैकी श्रॉफ हैं। फिल्म 'बेबी जॉन' दिसंबर को रिलीज होने वाली है। यह डीसीपी सत्य वर्मा आईपीएस उर्फ बेबी जॉन की कहानी है, जो अपनी मौत का नाटक करता है और एक निजी त्रासदी के बाद केरल में शांतिपूर्ण माहौल में अपनी बेटी खुशी की परवरिश करने के लिए अंडरग्राउंड हो जाता है। हालांकि, उसका तब सामने आता है जब उसका दुश्मन बब्बर शेर (एक राजनेता) यह पता लगाता है कि वह जिंदा है। नई दिल्ली में अपने प्रमोशन के दौरान वरुण ने रैपर यो यो हनी सिंह से मुलाकात की।

रणबीर कपूर के सामने जोड़े हाथ, क्या जीजा-साले में हुई कोई अनबन?

कपूर खानदान के जमाई राजा सैफ अली खान और फैमिली के लाडले बेटे रणबीर ने राज कपूर फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। इस इवेंट में कपूर से लेकर रीमा जैन तक पूरे परिवार को एक साथ देखा गया। बॉलीवुड के शोमैन राज कपूर साहब की बर्थ एनिवर्सरी का जश्न मनाते हुए इस उत्सव का आयोजन किया गया था। अब इवेंट से सैफ अली खान और रणबीर से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, देखने पर लग रहा है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर अनबन हुई है। पृथ्वीराज कपूर के बड़े बेटे राज कपूर की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर कपूर परिवार ने एक फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया। शुक्रवार को इसकी शुरुआत करने कपूर परिवार पहुंचा। इस मौके पर सैफ अली खान अपनी पत्नी करीना कपूर खान के साथ नजर आए। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ फोटो क्लिक करवाई। इस दौरान सभी हंसी-मजाक के मूड में नजर आए। लेकिन अचानक रेड कार्पेट पर तनातनी दिखी।

सोशल मीडिया पर सैफ अली खान और रणबीर कपूर का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि सैफ, रणबीर से किसी बात पर नाराज हो गए हैं। क्लिप में एक समय सैफ अली खान को हाथ जोड़ते हुए देखा इसके बाद रणबीर उन्हें स्क्रीनिंग की ओर ले जाने लगे। जब रणबीर उनसे बात कर रहे थे तो सैफ साहब ने सख्त लहजे में ओके किया। इस शब्द को उनके मुंह से सुनने के बाद उनकी नाराजगी का अंदाजा लग गया।

सोशल मीडिया पर यूजर्स रणबीर कपूर और सैफ खान के बीच झगड़ा होने की अटकलें लगा रहे हैं। हेटर्स तो दोनों को ही ट्रोल करते भी नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में आलिया भट्ट को भी थोड़ा परेशान देखा जा रहा है। इवेंट से उनकी फोटोज भी इंटरनेट पर छाई हुई है।

राज कपूर के फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 13 से 15 दिसंबर के बीच किया गया। इसके शुरुआती समारोह में रणधीर कपूर, नीतू कपूर, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, रिद्धिमा कपूर, रीमा जैन और करिश्मा कपूर को देखा गया। इसके साथ ही, महेश भट्ट, कार्तिक आर्यन और रेखा सितारों ने भी इवेंट की रौनक बढ़ाने का काम किया।

पुष्पा 2 ने किया 1100 करोड़ का आंकड़ा पार

केजीएफ को पछाड़ बनी 450 करोड़ से ज्यादा कमाने वाली सबसे तेज हिंदी फिल्म

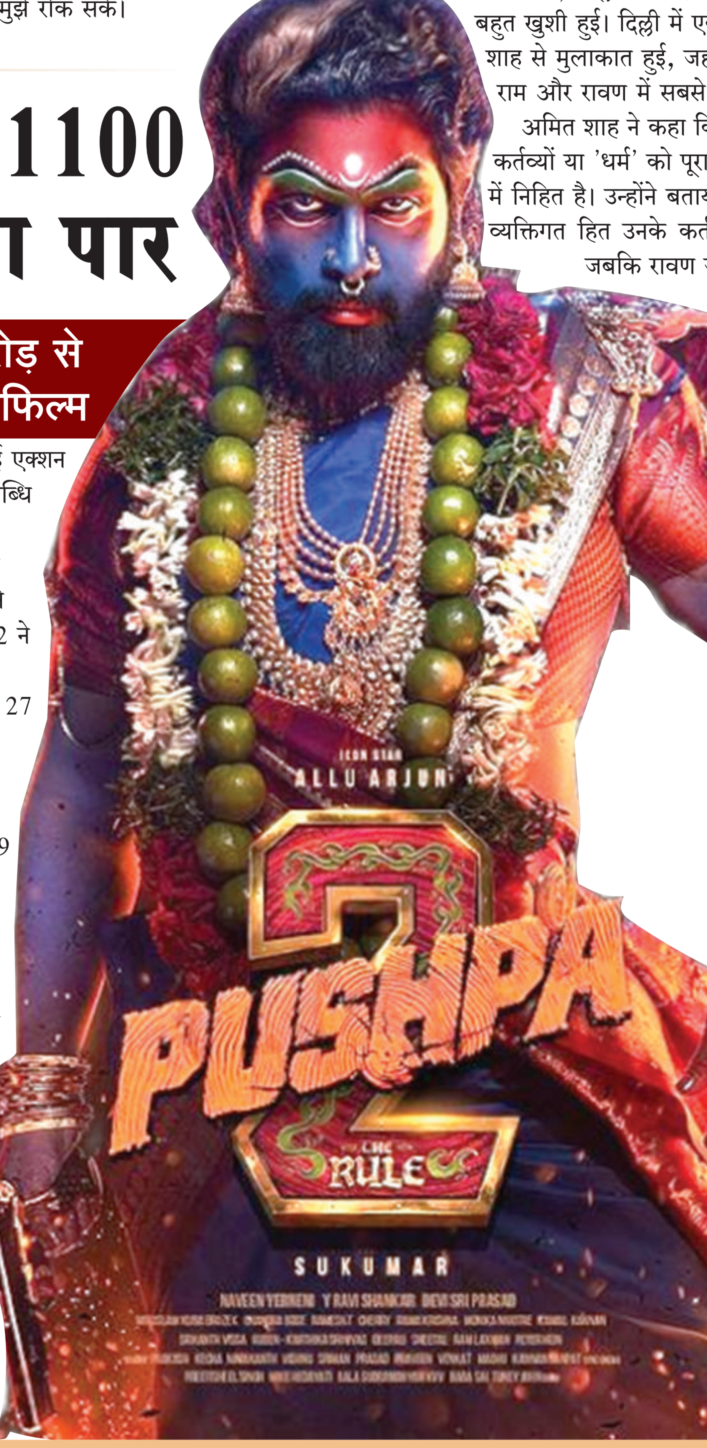

तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बीच उनकी नई एक्शन फिल्म पुष्पा 2 : द रूल बॉक्स ऑफिस पर एक नई उपलब्धि हासिल की है. फिल्म ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर स्टार यश की ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ - चैप्टर 2 को पछाड़ दिया है. इसके साथ पुष्पा 2 450 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली सबसे तेज हिंदी फिल्म बन गई है.सैकनिल्क की रिपोर्ट अनुसार, पुष्पा 2 ने 9वें दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं में कुल 36.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. हिंदी भाषी बेल्ट में, फिल्म ने 27 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जो अन्य भाषाओं के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से आगे निकल गया. पुष्पा 2 का कुल नेट कलेक्शन 762.1 करोड़ रुपये हो गया है.पुष्पा 2 सबसे तेज 450 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है. 9 दिनों में अल्लू अर्जुन की फिल्म ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर 461 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसने 9वें दिन केजीएफ 2 के हिंदी वर्जन करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया है और 450 करोड़ से सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली तीसरी हिंदी फिल्म बन गई है.फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयबालन ने सुकुमार की निर्देशित फिल्म पुष्पा 2 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है. मनोबाला के अनुसार, पुष्पा 2 ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस 1100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 9 दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कुल 1135.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है.प्रभास की कल्कि 2898 एडी के लाइफटाइम कलेक्शन (1,042.25 करोड़ रुपये) को पार करने के बाद, पुष्पा 2 सभी भाषाओं में 2: द कन्क्लूजन (1788.06 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड), केजीएफ: चैप्टर 2 (1215 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड), आरआरआर (1230 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड), जवान (1160 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड), और दंगल (2070.3 करोड़ रुपये) को मात देने की तैयारी में है।

अक्षय कुमार ने लॉन्च किया मोहनलाल की बारोज का ट्रेलर

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने मोहनलाल की अपकमिंग फैंटेसी ड्रामा बारोज: गार्डियन ऑफ का हिंदी ट्रेलर लॉन्च किया. ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय ने बताया कि उन्होंने मोहनलाल की ज्यादातर फिल्में देखी हैं. जबकि मोहनलाल ने इवेंट में शामिल होने के लिए अक्षय को धन्यवाद दिया। वहीं अक्षय ने भी मोहनलाल की तारीफों के पुल बांधे.इस इवेंट में अक्षय ने मलयालम सुपरस्टार खूब तारीफ की. उन्होंने कहा, हर किसी की तरह मैं भी मोहन सर का फैन हूं और मैंने उनकी कई फिल्में देखी हैं। मैंने वह फिल्म भी देखी जिसे मेरे सबसे अच्छे दोस्त प्रियदर्शन ने निर्देशित किया था. दृश्यम एक्टर मोहनलाल ने अपने बिजी शेड्यूल से टाइम निकालने और का हिंदी ट्रेलर लॉन्च करने के लिए अक्षय को धन्यवाद दिया.बारोज में मोहनलाल एक फ्रेंडली भूत के रोल में हैं इस फिल्म से वे निर्देशन में भी कदम रखने जा रहे हैं. ट्रेलर काफी खूबसूरत है यह डिज्नी वर्ल्ड की याद दिलाता है. कहानी एक ऐसे खजाने की है एक महल में थिपा है और मोहनलाल इसे बचाते हैं. दिलचस्प बात यह है कि इस खजाने को एक लड़की ही निकाल सकती है और मोहनलाल (भूत) को सिर्फ यह लड़की ही देख सकती है. ट्रेलर काफी शानदार है और इसे देखने से पता चलता है कि फिल्म जादू, इमोशन और रहस्य है - वह सब कुछ जो एक फैमिली फिल्म में होना चाहिए.बारोज: गार्जियन ऑफ ट्रेजर को आशीर्वाद सिनेमा के तहत एंटनी पेरुंबवूर ने बनाया है. जबकि सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है।

सिर पर साफा बांध हबीबी बनी प्रियंका चोपड़ा

सऊदी अरब पहुंच रेत पर चलाई सैंड रेल

बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी प्रियंका चोपड़ा ने सऊदी अरब मेंहुए रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। वे 12 दिसंबर को इवेंट का हिस्सा बनी थीं जिससे उनका लुक सामने आया था। वहीं अब अरब के रेगिस्तान में मस्ती करते हुए एक्ट्रेस ने फोटोज शेयर की हैं।

सऊदी अरब के जद्दाह में प्रियंका चोपड़ा ने खूब मौज-मस्ती की है। व्हाइस टी-शर्ट पर शर्ट पहने और सिर पर सफेद साफा बांधे एक्ट्रेस 'हबीबी' लुक अपनाती दिखी हैं। रेगिस्तान में प्रियंका चोपड़ा ने ऊंट की सवारी भी की। तस्वीरों में वे ऊंट के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। प्रियंका ने रेगिस्तान की रेत पर सैंड रेल भी चलाई। उन्होंने सैंड रेल चलाते हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया है। इस दौरान निक जोनस भी प्रियंका के साथ नजर आए। सी ग्रीन कलर के समर वियर में निक काफी कूल दिख रहे थे। प्रियंका और निक ने एक साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। वे ऊंट के साथ पोज देते दिखे। ऐसा लगता है कि प्रियंका पूरे ग्रुप के साथ सैंड रेल राइड एंजॉय कर रही थीं। उन्होंने एक ग्रुप फोटो शेयर की है। इसके अलावा प्रियंका ने रेड सी फिल्म फेस्टिवल से भी अपनी फोटोज शेयर की हैं। रेड कलर का बॉडीकॉन पहने एक्ट्रेस लिफ्ट में पति निक जोनस संग पोज देती दिखाई दीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सू–खे–सर्दीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके जुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुजुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। ख़ाली वक़्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच–समझकर फ़ैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 16 दिसंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 12:29 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 01:14 तक
योग : शुक्ल रात्रि 11:21 तक
करण : कौलव दोपहर 12:29 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– धनुर्मास आरंभ

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल ने किया लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना का शिलान्यास

डीग,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बंशीवाले गिरिराज जी महाराज के आशीर्वाद से हम विकसित राजस्थान के सपने को शत प्रतिशत पूरा करेंगे और प्रदेश समृद्धि की राह पर निरंतर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि पूंछरी का और गोवर्धन परिक्रमा का विकास कार्य इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इजाफा करते हुए श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान करेगा।

शर्मा रविवार को डीग में पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में एक तरफ तीर्थों का विकास हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण भी हो रहा है। हम प्रदेश में सड़कों और नए एक्–सप्रेस–वे का जाल बिछाने के अपने संकल्प पर निरंतर काम कर रहे हैं जिसका फायदा श्रद्धालुओं को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए यहां देश–विदेश से हर साल करीब 2 करोड़ श्रद्धालु आते हैं। आज 21 किलोमीटर की यह परिक्रमा बहुत से भारतीय परिवारों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। नंगे पैर या दंडवत करते श्रद्धालु, छप्पन भोग के प्रसाद से सजी झांकियां त्योहार का माहौल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि यह विकास परियोजना हमारे इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इजाफा करेगी। इसी तरह प्रदेश के जन–जन के आशीर्वाद से हम आध्यात्मिक विकास के सभी पावन कार्यों को पूर्ण करने का करेंगे। शर्मा ने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा में 1.2 किलोमीटर का राजस्थान में पड़ने वाला हिस्सा परिक्रमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें श्रीनाथजी, पूंछरी का लौठा आदि प्रमुख मंदिर और अप्सरा एवं नवल कुंड जैसे कई पवित्र स्थल हैं। उन्होंने कहा कि पूंछरी में शीघ्र ही पूरे और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास को चार जोन में बांटकर विकसित करने की योजना बनाई है। आज पहले जोन का शिलान्यास हुआ है जिसमें श्रीनाथ मंदिर, पूंछरी का लौठा मंदिर, दाऊजी का मंदिर, गंगा मंदिर, नरसिंह जी मंदिर, मुखारबिंद, अप्सरा कुंड एवं नवल कुंड, फाउंटेन, राधा वाटिका, बोटेनिकल गार्डन, लोटस पौंड, मयूर वाटिका, विष्णु अवतार गार्डन का विकास करवाया जाएगा। इसके बाद दूसरे जोन में भव्य प्रवेश एवं निकास द्वार, मार्ग का सौंदर्यीकरण, रोशनी, मंडप, पेयजल सुविधाओं, फूड जॉइंट एवं स्टॉल, भगवान श्री कृष्ण से संबंधित मूर्तियां, गैलरियों का निर्माण जैसे कार्य करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिक्रमा पथ के तीसरे जोन में परिक्रमा मार्ग के बाहर एंट्री प्लाजा, ग्रीन कैनाल वाटरफ्रंट, पार्किंग, गोठ स्थल, भजन एवं कीर्तन स्थल, पौराणिक आर्ट गैलरी, जी म्यूजियम, सांस्कृतिक केंद्र, आध्यात्मिक केंद्र, आर्ट विलेज आदि का विकास किया जाएगा। वहीं, चौथे जोन में बनने वाली 250 फुट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगी। इस जोन में आश्रम गांव, मेडिटेशन हॉल, गौशालाओं, राजस्थानी हैंडीक्रॉफ्ट बाजार आदि का विकास किया जाएगा। श्री शर्मा ने इस में वित्त पोषण और अटूट समर्थन के लिए वेदांता समूह को धन्यवाद दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूंछरी का लौठा एवं परिक्रमा विकास परियोजना का कार्य सांस्कृतिक जागरण में अद्भुत क्षण है। इसी साल 22 जनवरी को देश ने अयोध्या में 500 साल का इंतजार पूरे होते देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने अयोध्या एवं काशी विश्वनाथ को श्रद्धालुओं की आस्था के भव्य बनाकर देशवासियों में एक नए उत्साह का संचार किया है। इसी तर्ज पर राज्य सरकार खाटूश्यामजी को भव्यता प्रदान करने के लिए 100 करोड़ रुपये राशि के कार्य करवा रही है। प्रदेश में दीपावली, होली, शिवरात्रि एवं रामनवमी जैसे त्योहारों पर लगभग 600 मंदिरों में विशेष साज–सज्जा व के लिए बजट का प्रावधान किया है।

कैलादेवी मंदिर (झील का बाड़ा) और गंगा मंदिर समेत प्रदेश में अनेक मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

देश का मुकुट है कश्मीर, इसकी शांति के लिए प्रयासरत लोगों को प्रणाम : बंडारू

गुरुग्राम,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

सेक्टर 51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय में शनिवार को कश्मीर पीस लवर्स की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का मुकुट है और शांति का प्रतीक आगे भी यह शांति अमन बना रहना चाहिए। इसके लिए प्रयासरत लोगों को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आकर कश्मीर की एक सुखद तस्वीर सामने दिखाई दे रही है। इस दौरान कश्मीर की शांति के लिए प्रयासरत लोगों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया राज्यपाल ने कहा कि इस समारोह में अवार्ड प्राप्त करने वाले ऐसे सभी महानुभावों को मैं विशेषतौर पर बधाई देता हूँ जो कश्मीर पीस लवर्स के इस मंच पर सम्मानित हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि इस कार्यक्रम में युवाओं के योगदान व प्रतिभा को देखकर खुशी का अनुभव रहा है। अपनी कश्मीर यात्रा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि वहां बहुत प्राचीन मंदिर हैं। वहां के लोगों ने ऐसी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेज रखा है। यह बहुत हर्ष का विषय है।

सीएम के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने कहा कि कश्मीर पीस लवर्स संस्था का उद्देश्य संस्कृति को प्रस्तुत कर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि महामहिम के साथ उन्हें कश्मीर यात्रा का मौका मिला। इस दौरान विभिन्न प्राचीन मंदिरों के दर्शन किए। सरकार भी ऐसी सांस्कृतिक विरासत के विकास में सहयोग कर रही है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कश्मीर की शांति के लिए कर चुके विभिन्न पुरोधाओं को याद किया। ऐसे लोगों की याद में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। सूर्या गंजू ने गिटार वादन किया।

कार्यक्रम में डॉ. राज नेहरू ओएसडी सीएम, गुरुग्राम विवि के प्रो. दिनेश कुमार, बादशाहपुर एसडीएम अंकित चौकसे के अलावा किरण वातल, अनिल वैष्णवी मौजूद रहे। कश्मीर पीस के ट्रस्टी पंकज धर, अजय पंडिता, डॉ राजेंद्र जलाली, मिथलेश लाबरू के अलावा गुरुग्राम विवि के रजिस्ट्रार राजीव कुमार सिंह व अन्य पदाधिकारियों के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथ जी मंदिर में की पूजा-अर्चना

भरतपुर,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के प्रसिद्ध श्रीनाथ जी मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उनके साथ उनके पिता और दोनों बेटे भी मंदिर पहुंचे, जहां पूरे विधि–विधान से पूजा संपन्न हुई।

मुख्यमंत्री के इस धार्मिक दौरे में गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढ़म और डीग–कुम्हेर विधायक डॉक्टर शैलेश सिंह भी उपस्थित रहे। इस दौरान मंदिर प्रबंधन ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का भ्रमण किया और स्थानीय पुजारियों से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री के मंदिर दौरे की से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में एकत्रित हुए और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जनता से संवाद करते हुए प्रदेश के विकास और धार्मिक स्थलों के संरक्षण की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पूजा–अर्चना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास और उनके सौंदर्यीकरण के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि राज्य के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के स्थलों को संरक्षित किया और उन्हें पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री के साथ गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, डीग–कुम्हेर विधायक डॉक्टर शैलेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री का यह दौरा धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के साथ–साथ जनता के बीच विश्वास और संवाद प्रतीक भी रहा। पूजा–अर्चना के इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के लिए सुख–समृद्धि और विकास की कामना की।

नीतिका शर्मा ज्योतिष भास्कर और ज्योतिष मृगांक सम्मान से सम्मानित

जयपुर,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान जयपुर और महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल टेबल फाउंडेशन की ओर से आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा को ज्योतिष भास्कर एवं ज्योतिष मृगांक सम्मान से सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान जयपुर की ओर से उदयपुर के सिटी पैलेस में तीन दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें प्रसिद्ध एवं पंचांगकर्ता पंडित चंद्रशेखर शर्मा, डॉ मनोज गुप्ता, आयोजन सचिव डॉ रवि शर्मा और वीरेंद्र पुरोहित ने वैदिक, सनातन, धर्म संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नितिका शर्मा को ज्योतिष भास्कर एवं ज्योतिष सम्मान से सम्मानित किया।

उदयपुर के सिटी पैलेस में 13 से 15 दिसंबर तक तीन दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में 200 से अधिक ज्योतिष विद्वानों ने भाग लिया और लोगों की निःशुल्क कुंडली का विश्लेषण कर उनकी समस्याओं का समाधान किया। टैरो कार्ड रीडर नीतिका का ज्योतिष ज्ञान बहुत ही अद्भुत है और इनका ज्योतिष आंकलन हमेशा सटीक जाता है। नीतिका शर्मा ने ज्योतिष पर अब तक सैकड़ों लेख लिखे हैं। ज्योतिष के लेख विभिन्न समाचार पत्रों एवं टीवी चैनल में नियमित प्रकाशित होते रहते हैं। प्रतिदिन टैरो राशिफल भी प्रकाशित होते हैं

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

चंडीगढ़,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल और उनके ड्राइवर को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की ने शनिवार को यह कार्रवाई की। सोनिया अग्रवाल के साथ उनके ड्राइवर कुलबीर को भी गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि महिला आयोग उपाध्यक्ष ने लंबित शिकायत का निपटारा करने के बदले में रिश्वत मांगी थी। एक महिला सब इंस्पेक्टर ने अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मामले का निपटारा करने के लिए सोनिया अग्रवाल ने रिश्वत की मांग की थी। एसीबी की टीम ने दोनों आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामले की आगे जांच जारी है।

नए कानूनो को लागू करने में हरियाणा को मॉडल बनाया जाना चाहिए : शत्रुजीत कपूर

चंडीगढ़,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने तीन नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने, हिंसक अपराध नियंत्रण तथा नशा मुक्ति को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश भर के वरिष्ठ अधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। नशामुक्ति को लेकर प्रदेश में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाना हरियाणा की बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। हालांकि प्रदेश में नशामुक्ति को लेकर सराहनीय कार्य किया जा रहा है। लेकिन, इसे पूर्णतया नशामुक्त करने के लिए और अधिक योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि गांवो अथवा वार्डो को नशामुक्त करने के लिए है कि लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने के साथ–साथ इसकी तस्करी करने वाले लोगों पर शिकंजा कसा जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्ती करें। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि वे प्रतिबंधित दवाइयां की बिक्री करने वाले फार्मासिस्ट खिलाफ नियम अनुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए काम करें। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अधीक्षक दवा विक्रेताओं के साथ बैठके करें और उन्हें इस बारे में कानूनी प्रा–वधानों की जानकारी दें। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अधिकारी अपने–अपने में युवाओं तथा बच्चों से बातचीत करें। वे अपने क्षेत्र में नशा बिकने ना दे और जो लोग नशे की गिरफ्त में आ गए हैं उनकी काउंसलिंग करवाए, ओपीडी में या जिला स्तर पर स्थापित किए गए नशा मुक्ति केंद्रों में उनका इलाज करवाए।इसके साथ–साथ उन्होंने यह भी दिए कि एसए–चओ तथा डीएसपी गांवों में विजिट करते रहे और चौपाल में लोगों से बातचीत करें इससे उन्हें काफी महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी और कई मुद्दों के बारे में पता लगेगा जिससे उन्हें अपने क्षेत्र को नशामुक्त करने में सुविधा होगी। बैठक में कपूर ने 3 नए कानूनो को तरीके से लागू करने को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की।

बोलेरो पिकअप से 473 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त

चित्तौड़गढ़,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

चित्तौड़गढ़ जिले की शंभूपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलरो पिकअप से 27 कट्टों में 473 किलो 250 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है। एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ कार्रवाई करने के समस्त थानाधिकारियों को निर्देश दिए गए। इसी क्रम में एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन व डीएसपी भदेसर अनिल शर्मा के सुपरविजन में शंभूपुरा ठाकरा राम मय एएसआई रघुवीर सिंह, कांस्टेबल मुकेश, कमलेश, दिनेश, प्रकाश व देवकिशन के साथ लोकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्रवाई व थाना क्षेत्र में गश्त करते हुए बिलोदा चौराहा सरहद सेमलिया पहुंचे। जहां एक सन्दिग्ध बोलेरो पिकअप को रूकवाने का ईशारा किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.